@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 29 मार्च 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 137 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पंजाब में खोले गए राजमार्ग, डल्लेवाल ने अनशन तोड़ा: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 28 मार्च। लंबे समय से मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को लेकर पंजाब सरकार ने बड़ा खुलासा किया है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल ने शुक्रवार सुबह पानी पीया और अपना अनशन तोड़ दिया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने डल्लेवाल को असली किसान नेता बताया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने बताया कि खनौरी और शंभू सीमा से प्रदर्शनकारी किसानों को हटा दिया गया है। साथ ही सभी अवरुद्ध सड़कों और राजमार्गों को खोल दिया गया है। इस पर पीठ ने कहा कि डल्लेवाल बिना किसी राजनीतिक एजेंडे के काम करने वाले असली किसान नेता हैं। हम जानते हैं कि कुछ लोग किसानों की शिकायतों का निपटारा नहीं चाहते हैं। हम हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठे हैं। हम सब कुछ जानते हैं। पीठ ने पंजाब और हरियाणा सरकार से जमीनी हालात के बारे में रिपोर्ट मांगी है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने किसानों की शिकायतों को लेकर हाईकोर्ट के पूर्व जज की उच्चाधिकार प्राप्त समिति को एक पूरक स्थिति रिपोर्ट भी दाखिल करने के लिए कहा है। इसके अलावा डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के शीर्ष अदालत के आदेश का पालन नहीं करने के लिए पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही भी समाप्त कर दी गई। 19 मार्च को केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक से लौटते वक्त किसान नेता सरवन सिंह पंधेर और डल्लेवाल को मोहाली में हिरासत में लिया गया था। इसके बाद डल्लेवाल ने आमरण अनशन शुरू कर दिया था। पंजाब पुलिस ने शंभू और खनौरी विरोध स्थलों से किसानों को हटा दिया था। पंजाब पुलिस ने दावा किया था कि अस्थायी ढांचों और मंचों को हटाने तथा किसानों द्वारा खड़ी ट्रॉलियों और अन्य वाहनों को हटाने के बाद विरोध स्थल खाली करा दिया गया।

म्यांमार और थाईलैंड में विनाशकारी भूकंप में अब तक 144 की मौत

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 28 मार्च। म्यांमार और थाईलैंड में आज लगे भूकंप के तेज झटकों के बाद भारी तबाही हुई। इस शक्तिशाली भूकंप में इमारतों, पुल और बांध को नुकसान हुआ है। दो सबसे अधिक प्रभावित शहरों से विचलित करने वाला मंजर सामने आया है। रिक्टर स्केल पर 7.7 तीव्रता के इस भूकंप का केंद्र म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास था। जानकारी के मुताबिक, दोपहर करीब 12 बजे लगे झटकों के कुछ ही देर बाद 6.4 तीव्रता का भूकंप भी आया। गृहयुद्ध में उलझे देश म्यांमार में एक आधिकारिक बयान के तौर पर म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख ने मरने वाले लोगों की संख्या बताई। टीवी पर प्रसारित भाषण के मुताबिक कम से कम 144 लोग मारे गए और 730 अन्य घायल हुए हैं। वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा, मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। वहीं राजधानी नेपीडॉ से ली गई तस्वीरों में भूकंप से क्षतिग्रस्त कई इमारतें दिखाई दे रही हैं और बचाव दल पीड़ितों को मलबे से निकाल रहे हैं। मामले में म्यांमार की सरकार ने कहा कि सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में अस्पतालों

के ब्लड बैंक में खून की कमी है, जिसकी मांग बढ़ गई है। वहीं मांडले शहर में टूटी-फूटी सड़कें और क्षतिग्रस्त राजमार्गों के साथ-साथ एक पुल और बांध के ढहने की तस्वीरों ने इस बारे में और चिंताएं पैदा कर दी हैं कि बचाव दल पहले से ही व्यापक मानवीय संकट से जूझ रहे देश के कुछ क्षेत्रों तक कैसे पहुंच पाएंगे। म्यांमार में पहला भूकंप सुबह 11 बजकर 50 मिनट पर आया, इसकी तीव्रता 7.2 मापी गई। इसके बाद दूसरा झटका दोपहर 12 बजकर दो मिनट पर आया, इसकी तीव्रता 7 मापी गई। इसके बाद एक-एक घंटे के अंतराल पर दो और भूकंप के झटके महसूस किए गए। बता दें कि, भूकंप के झटके भारत, चीन और बांग्लादेश तक महसूस किए गए। बैंकॉक पुलिस का कहना है कि दोपहर में थाई राजधानी में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में निर्माणाधीन ऊंची इमारत ढह गई। अब तक दो की मौत का बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, बैंकॉक के लोकप्रिय चतुचक मार्केट के पास घटना हुई। इस बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं है कि ढहने के समय साइट पर कितने श्रमिक थे? भीषण भूकंप के बाद म्यांमार और थाईलैंड में आपातकाल की घोषणा की गई है। बैंकॉक में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिला।

विवादित टिप्पणी मामले में कुणाल कामरा को राहत

मुंबई, 28 मार्च। मद्रास उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को महाराष्ट्र के राजनेता के बारे में कथित विवादास्पद टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ दर्ज कई एफआईआर के संबंध में अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सुंदर मोहन ने शर्तों के साथ 7 अप्रैल तक अंतरिम अग्रिम जमानत का आदेश दिया। कुणाल कामरा ने ट्रांजिट अग्रिम जमानत के लिए मद्रास उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें दावा किया गया कि उनके हालिया व्यंग्यात्मक टिप्पणियों के बाद उन्हें कई धमकियां मिल रही हैं। इससे पहले गुरुवार को कुणाल कामरा ने मुख्यधारा के मीडिया की आलोचना की और उस पर सत्तारूढ़ पार्टी के मुखपत्र के रूप में काम करने का आरोप लगाया। कामरा ने मीडिया को गिद्ध करार दिया और गलत सूचना को जारी रखने और महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान भटकाने में मीडिया की भूमिका के लिए अपनी घृणा व्यक्त की। उन्होंने पोस्ट साझा किया, उन सभी लोगों के लिए जो कोट्स के लिए तरस रहे हैं- इस समय मुख्यधारा का मीडिया सत्तारूढ़ पार्टी की गलत संचार शाखा के अलावा कुछ नहीं है। वे गिद्ध हैं, जो उन मुद्दों पर रिपोर्ट करते हैं, जो इस देश के लोगों के लिए मायने नहीं रखते। अगर वे सभी कल से अनंत काल तक अपनी दुकान बंद कर देते हैं तो वे देश, उसके लोगों और अपने बच्चों पर एहसान करेंगे। मुंबई पुलिस ने पूछताछ के लिए एक सप्ताह का समय देने के उनके अनुरोध को खारिज करते हुए उन्हें दूसरा समन जारी किया था। कामरा पहली तारीख पर पेश नहीं हुए और उनके वकील ने सात दिन का समय मांगा था।

हम पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात पर चिंतित: शशि थरूर

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 28 मार्च। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के लोकसभा में दिए बयान का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात को लेकर चिंतित है। थरूर ने कहा कि साफ संकेत हैं कि हम पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की भलाई को लेकर चिंतित हैं। लेकिन परेशानी ये है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई द्विपक्षीय बातचीत नहीं हो रही है, वरना हम अपनी चिंताओं को सीधे पाकिस्तान के सामने बता सकते थे और समस्या का निवारण करने की मांग कर सकते थे। विदेश मंत्री का बयान पूरी तरह से तथ्यात्मक था और हमें भी इस पर ध्यान देने की जरूरत है कि हमारे पड़ोसी देशों में बेहद परेशान करने वाली स्थिति है। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर नेच लोकसभा में एक प्रश्न के जवाब में कहा, हम पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ

हो रहे व्यवहार पर बहुत बारीकी से नजर रखते हैं। फरवरी (2025) में, हिंदू समुदाय के खिलाफ अत्याचार के 10 मामले और सिख समुदाय से संबंधित तीन घटनाएं हुईं। अहमदिया समुदाय से संबंधित दो मामले और ईसाई समुदाय से संबंधित एक मामला था। हम इन मामलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाते हैं। ह्र।त्रष्ट में हमारे प्रतिनिधि ने बताया कि पाकिस्तान एक ऐसा देश है जहां मानवाधिकारों का हनन, अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न और लोकतांत्रिक मूल्यों का व्यवस्थित क्षरण राज्य की नीतियां हैं।

विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने ओम बिरला से की मुलाकात

नई दिल्ली, 28 मार्च। विपक्षी पार्टियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इस मुलाकात में विपक्षी नेताओं ने लोकसभा में नेता विपक्ष को बोलने नहीं देने का आरोप लगाते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की। लोकसभा में कांग्रेस के उप-नेता गौरव गोगोई ने कहा कि इंडी गठबंधन, जिसमें कांग्रेस, सपा, टीएमसपी, डीएमके, केरल कांग्रेस, राजद, आईयूएमएल, आरएलपी और एमडीएमके के सांसद मौजूद रहे आज शून्य काल के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले। गौरव गोगोई ने कहा कि हमने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपा, जिसमें कई पार्टियों के नेताओं के हस्ताक्षर हैं। इनमें आरएसपी और शिवेसना यूबीटी भी शामिल हैं। हमने लोकसभा अध्यक्ष के सामने अपनी चिंता जाहिर की कि किस तरह से सत्ताधारी दल नियमों और परंपराओं का उल्लंघन कर रहा है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ने नियम संख्या 349 का हवाला दिया, लेकिन उन्होंने किस घटना को लेकर ये हवाला दिया, ये स्पष्ट नहीं है। अब लोकसभा अध्यक्ष के बयान का राजनीतिकरण किया जा रहा है।

एकता ही हमारी ताकत है, विभाजन से समाज को नुकसान: सीएम ममता

लंदन/कोलकाता, 28 मार्च। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री इन दिनों ब्रिटेन दौरे पर हैं। जहां बुधवार को उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के केलॉग कॉलेज में एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपने प्रशासनिक मॉडल की बात की। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासनिक मॉडल किसी भी तरह के भेदभाव की अनुमति नहीं देता है और वह समाज के सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता देती हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में अपने संबोधन के दौरान ममता बनर्जी ने समावेशी विकास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज में विभाजन से नुकसान होता है और एकता हमारी ताकत है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उद्धरण देते हुए कहा कि एकता बनाए रखना मुश्किल है, लेकिन समाज को विभाजित करने में एक पल लगता है। सीएम ममता बनर्जी ने आगे कहा कि मेरे कार्यकाल में मैं समाज को विभाजित नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि मैं कमजोर वर्गों और गरीबों की देखभाल करती हूं। हमें हर धर्म, जाति और पंथ के लोगों के लिए मिलकर काम करना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ाने में मदद करनी चाहिए। साथ ही सीएम ने पश्चिम बंगाल की विविधता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य में लगभग 11 करोड़ लोग हैं, जिनमें 33 प्रतिशत से अधिक लोग अल्पसंख्यक समुदायों से हैं, जिनमें मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध, नेपाली और गोरखा शामिल हैं और सभी लोग बिना किसी भेदभाव के सभी त्योहार मिलकर मनाते हैं। इसके साथ ही अंत में सीएम ममता बनर्जी ने शासन में मानव-केंद्रित दृष्टिकोण की जरूरत पर जोर दिया।

मोदी सरकार का केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 28 मार्च। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते व महंगाई राहत (डीए व डीआर) में 2त्न की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को इसका एलान किया। इस संशोधन के साथ, डीए और डीआर 53त्न से बढ़कर 55त्न हो जाएगा। इससे कर्मचारियों के वेतन और रिटायर्ड कर्मचारियों के पेंशन में वृद्धि होगी। पिछली बार डीए में वृद्धि जुलाई 2024 में हुई थी, जब इसे 50त्न से बढ़ाकर 53त्न किया गया था। डीए और डीआर दोनों में वृद्धि के कारण राजकोष पर संयुक्त प्रभाव प्रति वर्ष 6,614.04 करोड़ रुपये होगा। सरकार के इस फैसले से करीब 1.15 करोड़ केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को लाभ होगा। कैबिनेट के फैसले का एलान करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अतिरिक्त डीए और डीआर से जुड़ा फैसला 01 जनवरी 2025 से लागू होगा और सरकार इस मद में अतिरिक्त 7,716 करोड़ रुपये खर्च करेगी। अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ड्डष्टक्क्ष-ड्ढ्ढ) के 12 महीने के औसत में वृद्धि के आधार पर डीए की दर तय की जाती है। डीए वृद्धि मद में सरकार इस वृद्धि के बाद अतिरिक्त 3,622

रुपये खर्च करेगी। वहीं डीआर मद में 2,992 रुपये का अतिरिक्त खर्चा आएगा। महंगाई भत्ता (डीए) सरकारी कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई से निपटने में मदद करने के लिए दिया जाने वाला भत्ता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बढ़ती महंगाई के कारण वेतन अपना मूल्य न खो दे। कर्मचारियों का मूल वेतन हर 10 साल में वेतन आयोग की ओर से निर्धारित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, महंगाई के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए डीए में समय-समय पर बदलाव किया जाता है। कैबिनेट ने बिहार की कोसी मेची अंतर-राज्यीय लिंक परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल करने को भी मंजूरी दे दी है। इस फैसले बिहार के सीमांचल इलाके के किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 6,282.32 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना को मार्च, 2029 तक पूरा करने के लिए बिहार को 3,652.56 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता को भी मंजूरी दे दी है। इस परियोजना में मौजूदा पूर्वी कोसी मुख्य नहर के पुनर्निर्माण के माध्यम से बिहार में महानंदा बेसिन तक सिंचाई के विस्तार के लिए कोसी के अधिशेष जल के एक हिस्से को मोड़ने की परिकल्पना की गई है।

बजट की एक-एक पाई हरियाणा प्रदेश की जनता की भलाई के लिए होगी खर्च: मुख्यमंत्री

संजय अरोड़ा

चंडीगढ़, 28 मार्च। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बजट सत्र के दौरान रचनात्मक सुझावों के लिए सभी सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हरियाणा के इतिहास का शायद यह सबसे लंबा बजट सत्र रहा है। 12 दिन चले इस बजट सत्र में कुल 13 बैठक आयोजित हुई है और सदस्यों द्वारा 60 घंटे रचनात्मक चर्चा की गई है। मुख्यमंत्री आज बजट सत्र के समापन उपरांत विधानसभा परिसर में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे । उन्होंने कहा कि 17 मार्च को वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने अपना पहला बजट प्रस्तुत किया था । इन बजट प्रस्तावों पर सदन में 8 घंटे 26 मिनट सदस्यों द्वारा विचार मंथन किया गया जिसमें विपक्ष की ओर से 23 सदस्यों द्वारा 4 घंटे 36 मिनट अपने विचार रखे गए। इसी प्रकार, सत्ता पक्ष की ओर से 21 विधायक 3 घंटे 35 मिनट बोले । साथ ही दो निर्दलीय विधायकों ने भी 15 मिनट बजट पर अपने विचार रखे। मुख्यमंत्री ने बताया कि बजट सत्र के दौरान विभिन्न विधायकों द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर दिए गए ध्यानाकर्षण प्रस्तावों को विधानसभा स्पीकर द्वारा स्वीकार करते हुए कुल 10 ध्यानाकर्षण प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, हरियाणा प्रदेश की जनता के कल्याण के लिए पेश किए गए 16 महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा कर उन्हें पारित किया गया। उन्होंने कहा कि 205017 करोड़ रुपए की राशि के बजट की एक-एक पाई हरियाणा प्रदेश की जनता की भलाई के

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी हरियाणा विधानसभा चंडीगढ़ में प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए। (28.03.2025)

लिए खर्च की जाएगी । मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि स्पीकर द्वारा सभी सदस्यों को खुलकर बोलने का मौका दिया गया जिसके कारण बजट के सभी पहलुओं पर सकारात्मक चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि प्रश्न काल के दौरान 20 ही प्रश्न सूचित किए जाते हैं और कई बार ऐसा हुआ की 20 के 20 प्रश्नों पर चर्चा करते हुए सरकार द्वारा जवाब दिया गया। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया कि विपक्ष ने चर्चा के दौरान जो भी सुझाव दिए उन सभी को नोट किया गया, चाहे वह विधेयक को लेकर हो, राज्यपाल के अभिभाषण को लेकर हो या बजट को लेकर हो। सरकार द्वारा उनके एक-एक उठाए गए सवाल का जवाब दिया गया। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने बताया कि 31 मार्च को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा हिसार में एक बड़े ब्लॉक का उद्घाटन करेंगे । उन्होंने कहा कि इस मेडिकल कॉलेज से हरियाणा ही नहीं बल्कि राजस्थान और पंजाब के लोग भी लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अलावा भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के शुभ अवसर पर देश की यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को दो बड़ी परियोजनाओं की सौगात हरियाणा वासियों को देंगे जिसमें एक परियोजना का उद्घाटन और एक का शिलान्यास शामिल है । उन्होंने बताया कि कई बड़े अन्य प्रोजेक्ट्स भी तैयार हैं जिनकी प्रशासनिक स्वीकृति अभी लंबित है जिसमें कुटेल में कल्पना चावला मेडिकल यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र में एलिवेटेड रेलवे ट्रैक, भिवानी में पंडित नेकीराम शर्मा मेडिकल कॉलेज, अंबाला में एयरपोर्ट और शहीद स्मारक आदि शामिल हैं। इनकी प्रशासनिक स्वीकृति मिलने उपरांत जल्द ही इन्हें जनता को समर्पित किया जाएगा ।

नमाज सड़क पर ही होगी, डरेंगे न डराएंगे, कोई नहीं रोक सकता

शामली, 28 मार्च। उत्तर प्रदेश के कैराना से युवा सांसद इकरा हसन ने सड़क पर नमाज पढ़ने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस देश में नमाज होती आई है और होती रहेगी। हर मजहब का सड़क पर होता है, हमारा दस मिनट के लिए हो जाएगा तो क्या दिक्कत है। इस पर सुप्रीम कोर्ट को संज्ञान लेना चाहिए। आगामी ईद पर नमाज को लेकर कैराना लोकसभा की सांसद इकरा चौधरी ने कहा कि इस देश में नमाज होती आई है और होती रहेगी, इसे कोई रोक नहीं पायेगा। क्योंकि किसी को अधिकार नहीं है कि नमाज के नाम पर किसी का पासपोर्ट कपाउंड कर सकें। सांसद दिल्ली में संसद के बाहर मीडिया से बात कर रही थी। कहा कि नमाज इस देश में होती आई है और होती रहेगी। इसे कोई भी रोक नहीं सकता। हर मजहब का व्यक्ति सड़क पर उतरता है और 10 मिनट की नमाज में किसी को सिक्योरिटी कंसर्ट नहीं होती है तो 10 मिनट के लिए नमाज कराई जाए। मुझे लगता है इसमें सुप्रीम कोर्ट को सज्ञान लेकर चीजें स्पष्ट करनी चाहिए। ये हमारा भी मुल्क है। लगातार जिस तरीके से यहां पर हमारे त्योहार मनाते आये हैं। इसे रोका जायेगा तो सभी को दुख होगा। इसी दुख में लोग कई बातें कह देते, लेकिन न हम डरेंगे न हम डराएंगे।

2047 तक सशक्त और भयमुक्त देश बनेगा भारत: इन्द्रेश कुमार

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 28 मार्च। भारत सुखी-संपन्न देश था और 2047 तक ये एक बार फिर दुनिया का सबसे समृद्ध और सशक्त देश बन जाएगा। ये विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के मुख्य संरक्षक डॉ. इंद्रेश कुमार ने व्यक्त किए। वे राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच, आईसीएसएसआर और सेंटर फॉर हिमालयन स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार से शुरू हुए दो दिवसीय सम्मेलन मंथन 2025 में संबोधित कर रहे थे। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में शुरू हुए इस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि भारत अपने दृढ़ विश्वास और मजबूत संकल्प के बूते अपना खोया हुआ वैभव फिर से हासिल कर लेगा। यह काम केवल सरकार और संगठन के बूते संभव नहीं है, इसके लिए देश के एक-एक नागरिक को अपना योगदान देना होगा। बहुत जल्द भारत ऐसा देश बनेगा, जो भयमुक्त, अपराधमुक्त, भ्रष्टाचारमुक्त, दंगामुक्त, सुखी, समृद्ध और पूरे विश्व को मोहब्बत का संदेश देने वाला होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय खाना, जिसे हम प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं, विश्व को हमारे इस दर्शन को समझना होगा। प्रसाद बर्बाद नहीं किए जाते। भोजन और प्रसाद को ग्रहण करने में दृष्टिकोण बदल जाते हैं। भारत के

इस दर्शन को अगर विश्व आत्मसात कर ले तो विश्व से भुखमरी की समस्या समाप्त हो जाएगा। हमें वजन नहीं, बल्कि वजूद बढ़ाने की आवश्यकता है। पूर्व कुलपति प्रो. राधे श्याम शर्मा ने कहा कि हमें एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है। समाज कल्याण के लिए मानव प्रेम को जागृत करना आवश्यक है। विशेष अतिथि जनरल सौरेश भट्टाचार्या ने कहा कि भारत को समृद्ध बनाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। विकसित भारत का सपना अब साकार होने के मार्ग पर है। फैन्स (स्नह्नस्) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। विश्व स्तर पर हमारी परंपराएं, दर्शन और ज्ञान प्रणाली भारत को एक मजबूत वैश्विक उपस्थिति दिला सकती है। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि देश और दुनिया के ज्वलंत मुद्दे और भविष्य की चिंता जैसे विषयों पर हमारे विद्वान मंथन करेंगे। इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय विकसित भारत - दिव्य भारत ञ्च2047ञ्ज राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षमता निर्माण और सांस्कृतिक कूटनीति की दृष्टि है। दो दिवसीय इस राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में गोलोक बिहारी राय, प्रो मुजाहिद बेग, प्रो सरोज कुमार महानन्दा, डॉ मनीष कर्मवार, प्रो रेखा सक्सेना, अरूण कुमार, विरेन्द्र कुमार चौधरी, राजीव कुमार रंजन, मिथिलेश झा, शैलेश वत्स, गीता रौतेला, डॉ विवेक सिंह, डॉ राजीव रंजन, डॉ अमित सिंह, डॉ इंद्रप्रीत कौर, डॉ यशश्वी सिंह, डॉ पूजा, छत्तर सिंह, मयंग शेखर, हदुंगरा नरज़री, डॉ शिवानी राय, डॉ दीपक पाल, डॉ गौरव शर्मा, सूरज देव समेत डीयू, जेएनयू, जामिया, इग्नू के शिक्षक और छात्र बड़ी संख्या में मौजूद थे।

राज्यपाल बोस ने जेयू के कार्यवाहक कुलपति डॉ. गुप्ता को हटाया

तेजिन्दर कौर बब्बर

कोलकाता, 28 मार्च। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) के कार्यवाहक कुलपति डॉ. भास्कर गुप्ता को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। यह कार्रवाई उनकी सेवानिवृत्ति से कुछ दिन पहले की गई है। डॉ. गुप्ता 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने वाले थे। राजभवन द्वारा जारी एक बयान में डॉ. गुप्ता को हटाने की जानकारी दी गई। बता दें कि राज्यपाल बोस ने गुप्ता को विश्वविद्यालय का कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया था, जो राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में कार्य करते हैं। राज्यपाल के सचिवालय ने 27 मार्च को एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है कि 20 अप्रैल, 2024 के आदेश के अनुसार, प्रोफेसर भास्कर गुप्ता को जादवपुर विश्वविद्यालय के कुलपति की शक्तियों का प्रयोग करने और कर्तव्यों का पालन करने के लिए दिया गया अधिकार वापस ले लिया गया है, और यह तुरंत प्रभाव से लागू होगा। इसमें बताया गया कि यह निर्णय कुलाधिपति द्वारा अनुमोदित किया गया है, और रजिस्ट्रार को इसकी एक प्रति भेज दी गई है। जब पूछा गया कि क्या डॉ. गुप्ता का कार्यकाल बढ़ाकर स्थायी कुलपति बनाया जाएगा या फिर खोज समिति की सिफारिशों के आधार पर नए कुलपति की नियुक्ति की जाएगी। इस पर राज्यपाल बोस ने संवाददाताओं से कहा था, आप देखेंगे कि वह सेवानिवृत्त होते हैं या वापस आते हैं। सही समय पर उचित निर्णय लिया जाएगा। बता दें कि पूर्व कुलपति सुरंजन दास का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से जादवपुर विश्वविद्यालय पिछले डेढ़ साल से अधिक समय से स्थायी कुलपति के बिना काम कर रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई के हवाले से जादवपुर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (जेयूटीए) के महासचिव पार्थ प्रतिम रॉय ने कहा कि उन्होंने राज्यपाल से स्थायी कुलपति की नियुक्ति के लिए पत्र लिखा है, क्योंकि इसकी कमी से प्रशासन और शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि गतिरोध जल्द ही समाप्त हो जाएगा। इस बीच, अंग्रेजी विभाग के प्रमुख व पश्चिम बंगाल कॉलेज और विश्वविद्यालय प्रोफेसर संघ (डब्ल्यूबीसीयूपीए) के पदाधिकारी मनोजीत मंडल ने राज्यपाल बोस के फैसले की आलोचना की।

तुर्किये में मेयर की गिरफ्तारी पर विरोध प्रदर्शन, 1879 लोग हिरासत में

इस्तांबुल। तुर्किये सरकार ने इस्तांबुल के मेयर एकरेम इमामओग्लू की गिरफ्तारी के बाद देशभर में फैले विरोध प्रदर्शनों पर अंतरराष्ट्रीय आलोचना को 'पूर्वाग्रहपूर्ण' बताते हुए खारिज कर दिया है। इस दौरान 1,879 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। इमामओग्लू, जो राष्ट्रपति तैयप एर्दोआन के प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माने जाते हैं, को भ्रष्टाचार के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी के बाद तुर्किये में एक दशक के सबसे बड़े विरोध प्रदर्शनों की लहर फैल गई। मुख्य विपक्षी दल सीएचपी (रिपब्लिकन पीपल्स पार्टी), अन्य विपक्षी दलों, मानवाधिकार संगठनों और पश्चिमी देशों ने इमामओग्लू की गिरफ्तारी को राजनीति से प्रेरित बताया है। उनका कहना है कि यह एर्दोआन को आगामी चुनावों में चुनौती देने वाले संभावित उम्मीदवार को हटाने का प्रयास है। हालांकि, सरकार का कहना है कि न्यायपालिका स्वतंत्र है और किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं किया गया है। न्याय मंत्री यिलमाज टुंच ने कहा कि गंभीर आरोपों और सबूत छिपाए जाने की आशंका को देखते हुए गिरफ्तारी जरूरी थी। आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि 260 लोगों को जेल भेजा गया है, जबकि 489 को रिहा कर दिया गया और शेष मामलों की जांच जारी है। विरोध के दौरान 150 पुलिसकर्मी भी घायल हुए। मानवाधिकार संगठनों ने प्रदर्शनकारियों पर अत्यधिक बल प्रयोग की जांच की मांग की है और शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति देने की अपील की है।

एयर एशिया ने विमान के इंजन में आग के दावे को किया खारिज

सेपांग (मलेशिया)। मलेशियाई एयरलाइन एयर एशिया ने अपने एक विमान के इंजन में आग लगने संबंधी खबरों को भ्रामक बताते हुए कहा कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। एयर एशिया ने पुष्टि की है कि उड़ान संख्या एके 128 में इंजन में आग नहीं लगी। विमान ने उड़ान भरने के लगभग दो घंटे बाद कुआलालंपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केएलआईए) के टर्मिनल 2 पर सुरक्षित वापसी की। माले मेल की खबर के अनुसार, एयर एशिया ने एक बयान में स्पष्ट किया कि शेन्जेन (चीन) के लिए उड़ान भरने वाले विमान ने एक इंजन में तकनीकी समस्या के कारण सुरक्षित वापसी की। एयरलाइन पूरी जिम्मेदारी से दावा कर रहा है कि इंजन में आग नहीं लगी थी। डक्ट के क्षतिग्रस्त होने से गरम हवा निकलने के कारण विमान को वापस लौटना पड़ा। इस खराबी के दूर होने के बाद विमान के 31 मार्च को सेवा में वापस आने की उम्मीद है। एयर एशिया ने कहा कि पायलटों ने तकनीकी खराबी का अहसास होते ही यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा का प्राथमिकता देते हुए लैंडिंग का अनुरोध किया। उड़ान किसी बाधा के आधी रात 12.06 बजे केएलआईए टर्मिनल-2 पर उतरी। सभी 171 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों को दूसरे विमान से सुबह 3:46 बजे गंतव्य के लिए रवाना किया गया। इस विमान ने आज सुबह 7.51 बजे शेन्जेन बाओआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे लैंडिंग की। डिप्टी ग्रुप सीईओ (एयरलाइन ऑपरेशंस) एयर एशिया एविएशन ग्रुप दातुक के कैप्टन चेस्टर वू ने सहयोग के लिए मलेशिया एयरपोर्ट्स, एयरपोर्ट फायर एंड रेस्क्यू सर्विस टीम और संबंधित सुरक्षा अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है।

इजराइली हमले में हमास प्रवक्ता अब्देल-लतीफ अल-कनौआ मारा गया

गाजा पट्टी। इजराइल के हवाई हमले में आतंकवादी समूह हमास के प्रवक्ता अब्देल-लतीफ अल-कनौआ की मौत हो गई। इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने उत्तरी गाजा के जबालिया में एक तंबू में रह रहे कनौआ को निशाना बनाकर बमों की बरसात की। इस हमले में आसपास के लोग भी चपेट में आ गए। हमास के समाचार चैनल अल-अक्सा टेलीविजनने आज समूह के प्रवक्ता अब्देल-लतीफ अल-कनौआ के इजराइली हमले में मारे जाने की पुष्टि की। अरब न्यूज और अन्य अरबी समाचार माध्यमों में भी हमास के समाचार चैनल अल-अक्सा टेलीविजन के हवाले से अब्देल-लतीफ अल-कनौआ के मारे जाने की खबर प्रसारित की गई है। इजराइल ने एक साथ कई जगहों पर बमबारी की। इन हमलों में कनौआ के अलावा गाजा शहर में कम से कम छह और दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इससे पहले सप्ताह की शुरुआत में इजराइल के हमले में हमास के राजनीतिक कार्यालय के सदस्य इस्माइल बरहौम और एक अन्य वरिष्ठ नेता सलाह अल-बर्दावील की जान जा चुकी है। बर्दावील और बरहौम हमास की सर्वोच्च नीति-निर्धारक संस्था की 20 सदस्यीय टीम का हिस्सा थे।

ग़ाज़ा पट्टीः तीन सप्ताह से सहायता आपूर्ति ठप, यूएन एजेंसियों ने जताई चिन्ता

ग़ाज़ा ।ग़ाज़ा पट्टी में मानवीय सहायता की आपूर्ति पर इसराइल द्वारा पूर्ण रूप से पाबन्दी थोपे जाने के तीन सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है और ज़रूरी सामान की क़िल्लत महसूस की जाने लगी है. इसके मद्देनज़र यूएन मानवतावादी एजेंसियाँ ज़रूरतमन्द आबादी तक पहुँचने के लिए निरन्तर प्रयासों में जुटी हैं, मगर उनके अधिकाँश अनुरोधों को नकारा जा रहा है. बताया गया है कि ग़ाज़ा में भोजन, दवा और अन्य आपूर्ति ख़त्म होती जा रही है और यहाँ स्थित बेकरी में ब्रैड लेने के लिए लोगों की लम्बी क़तारें लगी हुई हैं.मानवीय सहायता मामलों में समन्वय के लिए यूएन कार्यालय (ह्र्ष्ट॥) के अनुसार, मानवतावादी संगठनों द्वारा इसराइली प्रशासन से सहायता मार्ग मुहैया कराने के अनुरोध किए जा रहे हैं, मगर उन्हें नकारा जा रहा है. सोमवार को ऐसे सात अनुरोधों में से पाँच को ख़ारिज कर दिया गया।

म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप : टावर गिरे, सड़के धंसीं,कई लोगों की मौत की आशंका

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी म्यांमार और थाईलैंड में आए शक्तिशाली भूकंप पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने दोनों सरकारों को हर संभव मदद देने का वादा किया है।पीएम मोदी ने कहा, 'म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप के बाद की स्थिति से चिंतित हूं। सभी की सुरक्षा और खुशहाली के लिए प्रार्थना करता हूं। भारत हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। इस संबंध में, हमने अपने अधिकारियों से तैयार रहने को कहा है। साथ ही विदेश मंत्रालय से म्यांमार और थाईलैंड की सरकारों के साथ संपर्क में रहने को कहा है।' म्यांमार में शुक्रवार को 7.7 तीव्रता का भीषण भूकंप आया, जिसके 12 मिनट बाद ही 6.4 तीव्रता का आफ्टरशॉक महसूस किया गया। थाईलैंड में भी भूकंप के शक्तिशाली झटके महसूस किए गए। अमेरिकी

भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केंद्र सागाइंग शहर से 16 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था और इसकी गहराई 10 किलोमीटर थी। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (तर्स्न) ने कहा कि भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी और इसका केंद्र मांडले शहर के पास था। पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों और चीन में भी झटके महसूस किए गए।म्यांमार की राजधानी नेपीडॉ और सबसे बड़े शहर यंगून में भूकंप के बेहद शक्तिशाली झटके महसूस किए गए। रिपोर्टों से पता चला है कि मांडले क्षेत्र में कुछ इमारतें ढह गई हैं, मांडले और यंगून के बीच कई सड़कें क्षतिग्रस्त और टूट गई हैं।बैंकॉक में, भूकंप के झटके महसूस होने पर स्थानीय लोग इमारतों से बाहर निकलकर सड़कों पर भागे।बैंकॉक पुलिस ने बताया कि शुक्रवार दोपहर को थाई राजधानी में 7.7 तीव्रता का भूकंप आने से एक निर्माणाधीन ऊंची इमारत ढह गई तथा संभावित हताहतों की संख्या अभी तक ज्ञात नहीं है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक बहुमंजिला इमारत, जिसके ऊपर एक क्रेन थी, को धूल के गुबार में ढहती, जबकि वहां मौजूद लोग चीखते-चिल्लाते हुए भाग रहे हैं। बैंकॉक में ऊंची-ऊंची छतों पर बने पूलों से पानी बहकर किनारे पर आ गया और कई इमारतों से मलबा गिरने लगा।

ट्रंप ने अमेरिकी कार निर्माता कंपनियों को चेताया, दाम बढ़ाए तो सजा मिलेगी

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी कार निर्माता कंपनियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर उनके आयातित कार टैरिफ के जवाब में अगर अमेरिकी कंपनियां कीमतें बढ़ाती हैं तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। द वाल स्ट्रीट जनरल अखबार की खबर के अनुसार, ट्रंप ने अमेरिकी वाहन निर्माताओं को टैरिफ के जवाब में कीमतें न बढ़ाने की चेतावनी दी है। ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा से पहले देश की कुछ शीर्ष वाहन निर्माता कंपनियों के सीईओ को बुलाकर इस बारे में ताकीद किया कि उन्हें कीमतें नहीं बढ़ानी चाहिए।ट्रंप ने वाहन निर्माता कंपनियों के अधिकारियों से कहा कि व्हाइट हाउस इस पर पूरी नजर रखेगा। अगर किसी कंपनी ने कीमतें बढ़ाई तो उसे सजा का सामना करना पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को समाप्त करने के लिए आभारी होना चाहिए। मैंने इलेक्ट्रिक-कार उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी का प्रावधान किया है।

ट्रंप के कार टैरिफ से वैश्विक बाजार में हलचल, कंपनियों के शेयर धड़ाम, कनाडा देगा जवाब

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आयातित कारों और पुर्जों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा से वैश्विक कार उद्योग में हलचल है। इससे कल एशिया, यूरोप और अमेरिका के बाजार डगमगा गए। कई वाहन निर्माता कंपनियों के शेयरों की कीमतें गिर गईं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, ट्रंप की घोषणा के बाद यूरोपीय संघ और कनाडा जवाबी कार्रवाई के लिए एक साथ आ गए हैं। जवाबी उपायों की चर्चा ने दुनिया भर में व्यापार युद्ध की संभावना को बढ़ा दिया है।अमेरिका को निर्यात की जाने वाली सभी कारों और कुछ ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ तीन अप्रैल से लागू होने वाले हैं। कनाडा के साथ-साथ मेक्सिको, जापान और दक्षिण कोरिया का अमेरिका के वाहन आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा हैं। जर्मनी के नेता रॉबर्ट हेबेक ने कहा कि महत्वपूर्ण है कि अब यूरोपीय संघ को टैरिफ पर निर्णायक प्रतिक्रिया देनी चाहिए। कनाडा ने कहा है कि वह अगले सप्ताह टैरिफ

की घोषणा कर इसका जवाब देगा। सीएनएन की खबर के अनुसार, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों पर कैबिनेट की बैठक में चर्चा की। इसके बाद ओटावा में संवाददाताओं से कहा कि उन्हें दोनों देशों के बीच संबंधों में बदलाव आने का पूर्वानुमान है। उन्होंने कहा कि अब कनाडा को अमेरिका पर अपनी निर्भरता को काफी हद तक कम करना होगा। कनाडाई नेता ने कहा कि अमेरिका अब उसका विश्वसनीय भागीदार नहीं है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह के बदले हुए परिदृश्य से जूझना होगा।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में 11 आतंकी मारे गए

एजेंसी
इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में सुरक्षा बलों ने पिछले 48 घंटे में 11 आतंकवादियों को ढेर कर दिया। पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, केपी के तीन जिलों मीर अली, मीरान शाह और डीआई खान में सुरक्षा बलों का चार जगहों पर सीधा सामना हुआ। सुरक्षा बलों ने बिना कोई नुकसान के आतंकियों को मार गिराया। जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, आईएसपीआर ने जारी बयान में कहा कि उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने खुफिया सूचना पर आधारित अभियान में पांच आतंकवादियों को गोलियों से भून दिया। इसी क्षेत्र दूसरी जगह मुठभेड़ में तीन और दहशतगर्द मारे गए। मीरान शाह क्षेत्र में दो और डेरा इस्माइल खान जिले के दरबान इलाके में एक आतंकवादी का काम तमाम कर

दिया गया। इनके पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। सेना की मीडिया शाखा के अनुसार, पिछले हफ्ते उत्तरी वजीरिस्तान जिले के गुलाम खान कल्ले इलाके में अफगानिस्तान से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश के दौरान सुरक्षा बलों ने कम से कम 16 आतंकवादियों को मार गिराया था। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद 2021 से पाकिस्तान आतंकवादी हमलों से जूझ रहा है। सबसे ज्यादा हमले खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हो रहे हैं। जनवरी 2025 से आतंकी हमलों में तेजी आई है।

काठमांडू में पूर्व राजा ज्ञानेंद्र के समर्थन में शक्ति प्रदर्शन, सुरक्षा का तगड़ा इंतजाम

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में आज पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र के समर्थकों के समर्थन में होने वाले शक्ति प्रदर्शन के दौरान टकराव की आशंका के मद्देनजर सुरक्षा का तगड़ा इंतजाम किया गया है। इस शक्ति प्रदर्शन को नेपाल में राजशाही की वापसी के लिए चल रही मुहिम का बड़ा कदम माना जा रहा है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, नवराज सुवेदी का संयुक्त मोर्चा, अभियान के बड़े नेता दुर्गा प्रसाई, विश्व हिन्दू महासंघ, शिवसेना नेपाल आदि ने समर्थकों से काठमांडू पहुंचकर पूर्व राजा के पक्ष में खड़े होने का आह्वान किया है। आज के शक्ति प्रदर्शन के कमांडर दुर्गा प्रसाई हैं।दुर्गा प्रसाई का कहना है कि भीड़ के लिहाज से आज का प्रदर्शन पूर्व राजा के स्वागत समारोह से कहीं बड़ा होगा। लोग भक्तपुर इलाके से आगे बढ़ते हुए तिनकुने पहुंचेंगे। यहां पर सभा होगी। शक्ति प्रदर्शन को नेपाल पुलिस और नेपाली सेना के कई

अवकाशप्राप्त अधिकारियों का समर्थन प्राप्त है। दूसरी ओर लोकतंत्र समर्थक भी जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने भी प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। इस प्रदर्शन में माओवादी पार्टी, एकीकृत समाजवादी पार्टी, नेपाल समाजवादी पार्टी, नेपाल कम्यूनिष्ट पार्टी, राष्ट्रीय जनमोर्चा, सहित समाजवादी मोर्चा के कार्यकर्ता और समर्थक हिस्सा लेंगे।माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड ने आज सुबह ही एक वीडियो संदेश जारी कर शांतिपूर्ण तरीके से जुलूस और प्रदर्शन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पूर्व राजा के समर्थकों की सक्रियता देश के गणतंत्र और संघीयता के लिए खतरा है। माओवादी पार्टी के नेतृत्व में काठमांडू के प्रदर्शनी मार्ग पर बीच सड़क पर मंच बनाया गया है। यहीं पर प्रदर्शनकारी पहुंचेंगे। नेपाली कांग्रेस और एमाले का भी समर्थन है। एमाले के महासचिव शंकर पोखरेल ने माओवादी के नेतृत्व में हो रही गणतंत्र पक्षधर रैली को अच्छा कदम बताया है।इस दौरान नेपाल पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल, दंगा नियंत्रण सुरक्षा बल के लगभग सात हजार कर्मियों की तैनाती की गई है। नेपाल पुलिस के प्रमुख आईजीपी दीपक थापा ने बताया कि टकराव की आशंका की वजह से दोनों पक्षों को निर्धारित स्थानों पर ही प्रदर्शन और जनसभा करने के लिए आगाह किया गया है। राजधानी के सभी संवेदनशील इलाकों में निषेधाज्ञा लागू है। राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास, मंत्रालयों, सिंह दरबार, राज दरबार, सैन्य मुख्यालय, पुलिस मुख्यालय, विमानस्थल जैसे संवेदनशील स्थानों पर लोगों के एकत्र होने, जुलूस और प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

गाजा में इजराइल के हमले में 40 से लोगों की मौत

एजेंसी
गाजा पट्टी। मध्य गाजा के एक व्यस्त बाजार पर इजराइली सुरक्षा बलों के ताजा हमले में सात फिलिस्तीनी मारे गए। पिछले 24 घंटों में युद्धग्रस्त क्षेत्र में हमलों में 40 से अधिक लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम ने चेतावनी दी है कि गाजा में हजारों फिलिस्तीनियों के सामने खाद्यान का संकट पैदा हो गया है। फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए काम कर रही संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) का कहना है कि तीन सप्ताह से अधिक समय से कोई सहायता एन्क्लेव में नहीं पहुंची है। अल जजीरा की खबर में यह जानकारी दी गई है। खबर के अनुसार, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि गाजा पर इजराइल के युद्ध में अब तक कम से कम 50,208 फिलिस्तीनियों की मौत की पुष्टि हुई है और 113,910 घायल हुए हैं। गाजा के सरकारी मीडिया कार्यालय ने मृतकों की संख्या 61,700 से अधिक बताई है। कहा गया है कि मलबे के नीचे लापता हजारों फिलिस्तीनियों के मृत होने की आशंका है। सात अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमलों के दौरान इजराइल में कम से कम 1,139 लोग मारे गए और 200 से अधिक लोगों को बंदी बना लिया गया था। यह युद्ध तब से चल रहा है।

भारत नेपाल को रात के समय 600 मेगावाट बिजली देने को तैयार

एजेंसी
काठमांडू। भारत ने नेपाल को रात के समय में 600 मेगावाट अतिरिक्त बिजली देने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। इस समय सिर्फ दिन के समय में बिजली निर्यात कर रहा भारत अब रात के समय पांच घंटे अतिरिक्त बिजली देने की जानकारी दी है। नेपाल के ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने भारत सरकार के तरफ से रात के समय बिजली आयात होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत के एनर्जी एक्सचेंज बोर्ड के तरफ से उनके पास यह संदेश आया है कि आगामी एक अप्रैल से नेपाल को रात के समय पांच घंटा अतिरिक्त बिजली की अनुमति दे दी है।

इस समय भारत के तरफ से सिर्फ सन आवर में बिजली की सप्लाई हो रही है। यानी कि भारत

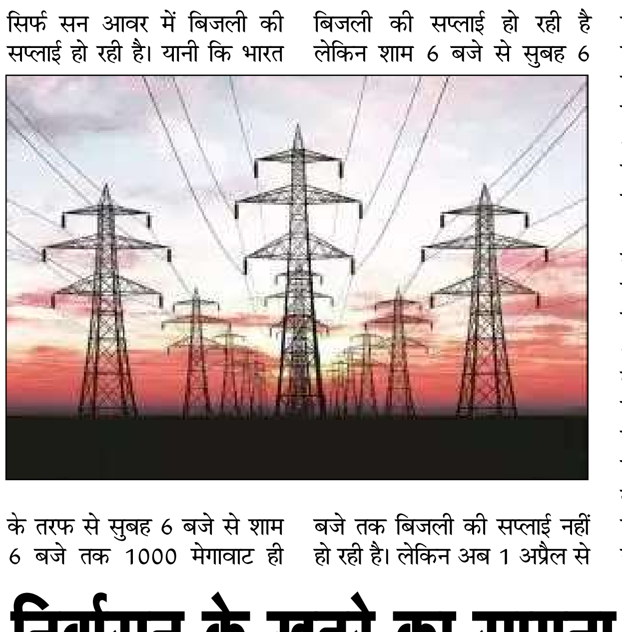

के तरफ से सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक 1000 मेगावाट ही बिजली की सप्लाई हो रही है लेकिन शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक बिजली की सप्लाई नहीं हो रही है। लेकिन अब 1 अप्रैल से रात को 11 बजे से सुबह 4 बजे तक 600 मेगावाट बिजली देने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। अभी भी शाम 6 बजे से रात 11 बजे तक और सुबह 4 बजे से 6 बजे तक बिजली बिजली की सप्लाई बंद रहेगी।

नेपाल के ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने बताया कि भारत के तरफ से अतिरिक्त 600 मेगावाट बिजली की सप्लाई होने से उद्योग और कल कारखाने में चल रहा लोडशेडिंग कम हो जाएगा। इस समय रात के समय जो उत्पादन बिलकुल ही बंद हो गया है । उन्होंने बताया कि 600 मेगावाट की बिजली आयात होने से उद्योग जगत को काफी राहत मिलने वाली है।

आव्रजन और अपराध पर चर्चा के लिए अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव नोएम पहुंचीं कोलंबिया

एजेंसी
बोगोटा। अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम आव्रजन, अपराध और निर्वासन पर चर्चा करने के लिए तीन लैटिन अमेरिकी देशों की यात्रा के तहत कोलंबिया पहुंचीं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब ट्रंप प्रशासन और कोलंबियाई सरकार के बीच रिश्तों में तल्खी देखी जा रही है। जनवरी में अमेरिका द्वारा कोलंबिया में निर्वासित प्रवासियों को भेजने को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ था।

नोएम ने कोलंबिया की विदेश मंत्री लॉरा साराबिया से मुलाकात की और प्रवासन व अपराध के मुद्दों पर स्पष्ट और ईमानदारीपूर्ण बातचीत की। नोएम ने कहा, हम अपने कोलंबियाई भागीदारों के साथ सीमा सुरक्षा और आपराधिक कानूनों के प्रवर्तन को मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं, साराबिया ने प्रवासियों के मानवाधिकारों और गरिमा की रक्षा पर ज़ोर दिया। दोनों देशों ने कानून प्रवर्तन के लिए बायोमेट्रिक डेटा साझा करने के एक समझौते पर भी

हस्ताक्षर किए। नोएम की यह यात्रा एल साल्वाडोर के उनके बुधवार दौरे से भिन्न रही, जहाँ उन्होंने राष्ट्रपति नायब बुकेले से मुलाकात की। बुकेले अपने कड़े आपराधिक रवैये के कारण अमेरिका में दक्षिणपंथी प्रशंसा पा रहे हैं। नोएम ने वहां विशाल जेल परिसर का भी दौरा किया, जहां सैकड़ों वेनेजुएलाई नागरिक बंद हैं। उन पर ट्रेन दे अरागुआ गिरोह से जुड़ाव का आरोप है, हालांकि ट्रंप प्रशासन द्वारा अब तक पुख्ता सबूत पेश नहीं किए गए हैं। ये निर्वासन मामले अदालत में चुनौती का सामना कर रहे हैं।

काबुल में फिर खुल सकता है अमेरिकी दूतावास, तालिबान प्रशासन का बड़ा दावा

काबुल । अमेरिका और तालिबान लंबे समय तक सैन्य संघर्ष में उलझे रहे हैं लेकिन ऐसा लग रहा है कि दोनों अब पुरानी बातों को पीछे छोड़ना चाहते हैं। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के अफगानिस्तन दौरे और अब काबुल में यूएस दूतावास के फिर से खुलने की संभावना यही संकेत देते हैं कि काबुल और वाशिंगटन के रिश्ते नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं। इस्लामिक अमीरात के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि वाशिंगटन में अफगान दूतावास को कार्यवाहक सरकार को सौंपने और काबुल में अमेरिकी एंबेसी को फिर से खोलने के लिए बातचीत चल रही है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पाकिस्तान में निर्वासन के खतरे का सामना कर रहे 170 अफगान शरणार्थियों को जर्मनी ने दी शरण

एजेंसी
बर्लिन । पाकिस्तान से 170 से अधिक अफगान नागिरकों को लेकर एक विमान जर्मनी के हनोवर एयर पोर्ट पर उतरा। यह अफगानों को फिर से बसाने की बर्लिन की कोशिशों का नतीजा है। अफगान शरणार्थी पाकिस्तान में भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने सभी अफगान शरणार्थियों को वापस भेजने के लिए 31 मार्च की समय सीमा तय की है। जर्मन मीडिया आउटलेट बिल्ड ने जर्मन संघीय आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से बताया कि पहुंचे इस समूह में 82 महिलाएं और 92 पुरुष शामिल हैं। 74 लोग 18 वर्ष से कम उम्र के हैं। दो वर्ष से कम उम्र के नौ बच्चे भी शामिल हैं। एक अफगान शरणार्थी ने कहा, हम ग्यारह महीने तक पाकिस्तानी शरणार्थी शिविर में रहे। मेरी पत्नी को वकील के रूप में नौकरी के कारण तालिबान की ओर से धमकी दी गई थी। बारह घंटे की उड़ान के बाद जब विमान उतरा, तो मैं बहुत खुश और आभारी महसूस कर रहा था। इससे पहले फरवरी में, 155 अफगान नागरिक विमान से बर्लिन पहुंचे थे। उन्हें देश के संघीय स्वागत कार्यक्रम के जरिए जर्मनी में प्रवेश की अनुमति दी गई। जर्मन सरकार ने अफगानिस्तान में अपने दो दशक के मिशन के दौरान जर्मन सैन्य या नागरिक एजेंसियों के साथ काम करने वाले अफगानों की मदद के लिए 2021 में प्रवेश कार्यक्रम शुरू किया था। जर्मन सरकार के अनुसार, केवल उन शरणार्थियों को लाया जा रहा है जिनमें अफगानिस्तान में तालिबान की तरफ से विशेष खतरा है। अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से, लगभग 36,000 लोगों को स्वीकार किया गया है, जिन्हें संघीय सरकार ने %विशेष रूप से जोखिम में% के रूप में वर्गीकृत किया था। जर्मन मीडिया आउटलेट वेल्ट ने बताया कि जर्मनी में पुनर्वास के लिए स्वीकृत लगभग 2,800 अफगान लोग अभी भी इस्लामाबाद में रह रहे हैं, और उनकी स्थिति लगातार निराशाजनक होती जा रही है। वीजा तीन महीने के लिए वैध होता है और जर्मनी जाने की प्रक्रिया में काफी समय लगता है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अफगान प्रवासियों के निर्वासन की समयसीमा को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे अफगान शरणार्थियों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को एक खुला पत्र लिखा है। इसमें उन शरणार्थियों के निर्वासन को तत्काल रोकने की मांग की गई, जिनके पास अमेरिका में प्रवेश के लिए लंबित या स्वीकृत वीजा आवेदन हैं या जिन्होंने संयुक्त राज्य शरणार्थी प्रवेश कार्यक्रम (यूएसआरएपी) में रेफरल स्वीकार किए हैं। इससे पहले, अमेरिका स्थित एक एडवोकेसी ग्रुप, ह्यूमन राइट्स वॉच ने अफगान शरणार्थियों को जबरन निर्वासित करने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की थी। ह्यूमन राइट्स वॉच की एशिया निदेशक एलेन पियर्सन ने कहा, ÷पाकिस्तानी अधिकारियों को अफगानों को घर वापस लौटने के लिए मजबूर करना तुरंत बंद कर देना चाहिए और निष्कासन का सामना कर रहे लोगों को सुरक्षा की मांग करने का अवसर देना चाहिए।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के विवादास्पद फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, एनसीडब्ल्यू ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के विवादास्पद फैसले पर रोक लगाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। इस फैसले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कासगंज के ट्रायल कोर्ट के आदेश को पलटते हए कहा था कि किसी पीड़िता का प्राइवेट पार्ट छूना और उसकी सलवार का नाड़ा तोड़ना रेप या रेप की कोशिश नहीं माना जाएगा बल्कि ये एक गंभीर यौन उत्पीड़न माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने हाई कोर्ट के फैसले का स्वतः संज्ञान लिया, जिसे लेकर लोगों में काफी रोष था। पीठ ने हाई कोर्ट के दृष्टिकोण से कड़ी असहमति व्यक्त की और आदेश को चौंकाने वाला बताया। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश में की गई कुछ टिप्पणियां असंवेदनशील और अमानवीय थीं। महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने बताया कि इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट विधि एवं न्याय मंत्रालय को सौंपी गई है। इसके साथ ही इसको लेकर केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल के साथ चर्चा की गई है।

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर, अवैध होर्डिंग लगाने का आरोप

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित अन्य नेताओं के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति अधिनियम के उल्लंघन के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। यह मामला राउज एवेन्यू कोर्ट में चल रहा है और इसकी अगली सुनवाई 18 अप्रैल को होगी। दिल्ली की एक अदालत ने पुलिस को निर्देश दिया कि वह अरविंद केजरीवाल और अन्य नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करे। शिकायतकर्ता शिव कुमार सक्सेना ने अदालत में सबूत पेश किए कि द्वारका इलाके में आम आदमी पार्टी के बड़े-बड़े पोस्टर और बैनर अवैध रूप से लगाए गए थे। अदालत ने इस मामले पर गंभीर रुख अपनाते हुए कहा कि अवैध होर्डिंग्स न केवल शहर की सुंदरता को खराब करते हैं, बल्कि यातायात के लिए भी खतरा पैदा कर सकते हैं। इस मामले को दिल्ली प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, 2007 की धारा 3 के तहत अपराध माना गया है। अदालत ने यह भी कहा कि देश में अवैध होर्डिंग्स गिरने से लोगों की मौत होना कोई नई बात नहीं है, इसलिए इस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। केजरीवाल के अलावा, पूर्व विधायक गुलाब सिंह और पूर्व पार्षद नितिका शर्मा के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया गया है।

इंडिया गठबंधन के सभी नेता विदेशी धरती पर जाकर भारत का अपमान करते हैं: प्रदीप भंडारी

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लंदन में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के केलॉग कॉलेज में अपने भाषण के दौरान भारी विरोध का सामना करना पड़ा। वहीं, भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी टिप्पणी के बाद सीएम ममता भाजपा के निशाने पर आ गई हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने बात करते हुए सीएम ममता पर निशाना साधा। छात्र नेताओं द्वारा ममता बनर्जी का विरोध करने और भारत के जल्द तीसरी अर्थव्यवस्था बनने से सीएम ममता के सहमत नहीं होने पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि ममता बनर्जी से लेकर राहुल गांधी तक देखिए, इंडिया गठबंधन का हर नेता विदेशी धरती पर जाकर भारत का अपमान करता है। वहीं, दुनिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक वृद्धि का सम्मान करती है। इंडिया गठबंधन के नेता देश के अंदर तुष्टीकरण करते हैं। देश के अंदर वे अपने वोट बैंक के नाम पर घुसपैठियों को फर्जी आधार कार्ड देते हैं और विदेश में भारत का अपमान करते हैं। प्रदीप भंडारी ने आगे कहा कि इससे यह स्पष्ट होता है कि इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं में एक समानता है, और वह है भारत का विरोध। चाहे वह राहुल गांधी हों या ममता बनर्जी हों।

मेरठ-संभल नहीं यह दिल्ली है, मस्जिद में जगह नहीं मिली तो सड़क पर नमाज होगी: डॉ. शोएब जमई

नई दिल्ली । एआईएमआईएम के दिल्ली अध्यक्ष डॉ. शोएब जमई ने भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यह दिल्ली है मेरठ या संभल नहीं जहां सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ सकते। अगर मस्जिद में जगह कम पड़ी तो सड़क पर नमाज पढ़ेंगे। शोएब जमई ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भाजपा के कुछ बड़बोले नेता दिल्ली में ईद की नमाज को लेकर गलत बयानबाजी कर रहे हैं। उनको मालूम होना चाहिए कि यह संभल या मेरठ नहीं, दिल्ली है, हां सबकी दिल्ली। यहां ईद की नमाज भी होगी और अगर मस्जिद में जगह कम पड़ जाए तो सड़क पर भी होगी। ईदगाहों और अपने घर की छत पर भी होगी। कावड़ यात्रा के दौरान मुख्य सड़क को कई घंटे के लिए बंद किया जा सकता है तो नमाज के दौरान 15 मिनट के लिए भी किया जा सकता है। व्यवस्था करने की जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की है। एक वीडियो संदेश में शोएब जमई ने कहा कि दिल्ली भाजपा के नेताओं की आदत हो गई है कि वे मुसलमानों के खिलाफ अनाप-शनाप बयान देते हैं।

दिल्ली सरकार के बजट पर विपक्ष ने उठाए सवाल, बताया झूठा और अवास्तविक

नई दिल्ली । दिल्ली की भाजपा सरकार ने 25 मार्च को आगामी वित्तीय वर्ष के लिए 1 लाख करोड़ का बजट पेश किया। इसे लेकर विपक्ष ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आम आदमी पार्टी और विपक्षी नेताओं का कहना है कि यह बजट पूरी तरह से झूठे आंकड़ों पर आधारित है और इसमें कोई ठोस वित्तीय योजना नहीं है। आम आदमी पार्टी की नेता वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि पहली बार इतिहास में किसी बजट के आंकड़ों को लेकर इतनी गलत जानकारी दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने बजट को लेकर सिर्फ जुमलेबाजी की है, लेकिन इस बात का कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया कि यह पैसा आएगा कहां से। दिल्ली सरकार ने अपने बजट में टैक्स रेवेन्यू से 68,000 करोड़ की आय का अनुमान लगाया है। हालांकि, विपक्ष का दावा है कि यह आंकड़ा पूरी तरह से गलत है। आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने कहा कि दिल्ली की आर्थिक स्थिति को देखते हुए वास्तविक टैक्स रेवेन्यू 63,000 करोड़ के आसपास होना चाहिए, जो सरकार के अनुमान से 5,000 करोड़ कम है। उन्होंने भाजपा पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। विपक्ष का कहना है कि सरकार ने बजट से एक दिन पहले आर्थिक सर्वेक्षण पेश नहीं किया, जिससे स्पष्ट होता है कि बजट के आंकड़ों में हेरफेर किया गया है। आमतौर पर आर्थिक सर्वेक्षण बजट से पहले पेश किया जाता है

दिल्ली सरकार- फिजिक्स वाला बीच समझौता, सरकारी विद्यालयों के छात्रों को मिलेंगी मुफ्त कोचिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली शिक्षा निदेशालय राष्ट्रीय राजधानी के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का भविष्य संवारने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा कदम उठाते हुए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम इंटरनेशनल (एनएसडीसी इंटरनेशनल) और फिजिक्स वाला लिमिटेड की संयुक्त पहल भारत इनोवेशन ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड (बीआईजी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर दिल्ली विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और प्रदेश के शिक्षा मंत्री आशीष सूद की मौजूदगी में किया गया। इस समझौते के तहत प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले 1,63,000 विद्यार्थियों को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) और केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) की प्रवेश परीक्षा के लिए निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग की

सुविधा प्रदान की जाएगी। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत दिल्ली के विद्यार्थियों को अगामी दो अप्रैल से लेकर दो मई 2025 तक प्रतिदिन छह घंटे की ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा मिलेगी, जिसमें भौतिकी विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, सामान्य योग्यता और अंग्रेजी जैसे विषय को भी शामिल किया गया है। समझौता ज्ञापन के तहत विद्यार्थियों को प्रतिदिन छह घंटे और 30 दिनों में कुल 180 घंटे की ऑनलाइन कक्षाएं प्रदान की जाएंगी। सरकार के इस कदम से यहां के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थी को भविष्य में देश के अच्छे मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिले के लिए चयनित हो सकेंगे और डॉक्टर तथा इंजीनियर की कठिन प्रवेश परीक्षा को पास करने का ख्वाब पूरा कर पाएंगे। समझौते के अंतर्गत इस कार्यक्रम में संरचित संशोधन के लिए पीडीएफ नोट्स के साथ विद्यार्थियों की प्रगति को ट्रैक करने के लिए नियमित रूप से परीक्षण और निरंतर सहायता प्रदान करने की भी व्यवस्था की गई है। इस अहम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद श्रीमती गुप्ता ने कहा कि शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने विद्यार्थियों को नीट-2025 और सीयूईटी (यूजी)-2025 की तैयारी के लिए 30 दिवसीय मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग प्रदान करने के अहम समझौता किया गया है।

पेटा इंडिया ने पशुओं को बचाने के लिए किया प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली ।पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया की डायरेक्टर पूर्वा जोशीपुरा ने जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। इस दौरान वह एक हुक से लटकी नजर आई। पशु अधिकारों के लिए लड़ने वाले संस्था पेटा की डायरेक्टर ने इस दौरान लोगों से दुध उत्पाद और मांसाहार त्यागकर वीगन आहर स्वीकारने की अपील की।

यह प्रदर्शन पेटा इंडिया की 25 सालों की पशु अधिकारों की लड़ाई को दर्शाता है। पूर्वा जोशीपुरा ने खाल जैसे दिखने वाले बॉडीसूट पहना हुआ था जिस पर खून लगा हुआ था और उनके पास मृत पशुओं के शरीर टंगे थे। पूर्वा जोशीपुरा ने कहा कि मनुष्य भी अन्य पशुओं की तरह ही जीव है। लेकिन उनके पास यह चुनने का अवसर है कि वे दयालु बनें या निर्देयी। हमारा नैतिक कर्तव्य है कि हम पशुओं को शांति से जीने दें, न कि उन्हें दर्द और भय में डालें। उन्होंने कहा कि वे भी हमारी तरह जीवन को महत्व देते हैं, संवेदनाएं रखते हैं और जीना चाहते हैं। इसलिए उनके टुकड़े-टुकड़े करने के बजाय उन्हें करुणा एवं सम्मान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के मांस, अंडा और डेयरी उद्योगों में पशुओं को बड़ी संख्या में गंदे और तंग पशुपालन केंद्रों में अमानवीय परिस्थितियों में पाला जाता है। उन्होंने कहा कि हर साल एक वीगन व्यक्ति लगभग दो सौ पशुओं की जान बचाता है। शोध बताते हैं कि वीगन आहार हृदय रोग, मधुमेह और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। मांस और डेयरी उद्योग जल और भूमि संसाधनों के अत्यधिक दोहन के साथ-साथ जल प्रदूषण का भी एक प्रमुख कारण है।

पुजारियों-ग्रंथियों को 20 हजार प्रतिमाह देने से भाजपा ने कर दिया इन्कार: आप

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप)ने कहा कि चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने घोषणा पत्र में वादा किया था कि वह सरकार बनने पर पुजारियों और ग्रंथियों को 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय देगी लेकिन अब उसकी सरकार ने इससे इनकार कर दिया है। ''आप'' विधायक अनिल झा ने कहा, पच्चीस मार्च को भाजपा की दिल्ली सरकार द्वारा बजट लाया गया। बजट में उन्होंने कई तरह के दावे और वादे किए हैं। हम हमेशा इस बात के पक्ष में रहे हैं कि सरकार को बजट या कार्यों का क्रियान्वयन करने के लिए समय मिले लेकिन नई सरकार द्वारा दिल्ली की जनता के लिए लाए गए बजट को देखकर मुझे हैरानी होती है। भाजपा ने कहा कि दिल्ली में रामराज्य की तरह सरकार चलाएंगे। भाजपा ने अपना घोषणा पत्र जारी किया था और कहा था कि मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 20

केजरीवाल ने दिल्ली के मंदिरों में पूजा करने वाले पुजारी, गुरुद्वारों में धार्मिक विषयों का संचालन करने करने वाले ग्रंथी और बाल्मिकी एवं रविदास मंदिरों में व्यवस्था और पूजा-पाठ करने वाले पुजारियों को 18 हजार रुपए प्रतिमाह देने की घोषणा की थी। चुनाव के दौरान 'आप' की देखा-देखी भाजपा ने भी यह घोषणा कर दी कि वह सरकार बनने पर पुजारियों और ग्रंथियों को 20 हजार रुपए प्रतिमाह देगी। अब दिल्ली में भाजपा की सरकार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा जब बजट लाया गया तो उसमें कहीं पर भी यह उल्लेख नहीं है कि दिल्ली के गुरुद्वारों के ग्रंथियों और मंदिरों के पुजारियों को 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय देंगे। 'आप' नेता ने कहा कि मंत्री प्रवेश वर्मा से जब सदन में प्रश्न पूछा गया तो उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की ऐसी कोई योजना नहीं है। यह बड़ा ही अफसोसजनक और निराशाजनक है कि भाजपा को बजट में जो प्रावधान लाना चाहिए था, वह नहीं लाई। दिल्ली के लोगों समझना चाहिए कि

औरंगजेब की कब्र को राष्ट्रीय स्मारक की सूची से हटाने की मांग, गजेंद्र सिंह शेखावत को राहुल शेवाले ने लिखा पत्र

एजेंसी

मुंबई। औरंगजेब की कब्र को राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों की सूची से हटाने की मांग अब तूल पकड़ने लगी है। शिवसेना के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद राहुल शेवाले ने गुरुवार को केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से इस संबंध में मुलाकात की और उन्हें एक पत्र सौंपा। उनका कहना है कि औरंगजेब की कब्र को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा प्राप्त है, जो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के तहत संरक्षित है। ऐसे में इस कब्र सरकारी संरक्षण प्राप्त है, जबकि कई वर्षों से इस कब्र को उखाड़ने की मांग की जा रही है।राहुल शेवाले ने पत्र में सशक्त रूप से उठाया है। उनका कहना है कि औरंगजेब का इतिहास अत्याचार और धार्मिक असहिष्णुता का प्रतीक बन चुका है, विशेष रूप से महाराष्ट्र में, जहां उसकी क्रूरता और सम्राट छत्रपति संभाजी महाराज के साथ किए गए अत्याचारों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। साल 1689 में छत्रपति संभाजी महाराज की निर्मम हत्या की गई और इससे पहले धर्म परिवर्तन न करने पर उन्हें 40 दिनों तक नृशंस यातनाएं दी गईं। ये घटनाएं औरंगजेब के शासन के क्रूर पक्ष को उजागर करती हैं।शिवसेना नेता ने कहा कि हालांकि यह स्मारक राष्ट्रीय महत्व का है और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की कब्र को कब और कैसे संरक्षित स्मारक का दर्जा दिया गया था। वर्तमान में यह स्थल 'प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958' के तहत संरक्षित है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि महाराष्ट्र सरकार इस कब्र को हटाने के लिए कोई कदम नहीं उठा सकती, क्योंकि यह एएसआई के अधिकार क्षेत्र में है। एएसआई के कानून के अनुसार, किसी स्मारक को सूची से हटाने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है। उन्होंने संस्कृति मंत्री को संबोधित करते हुए लिखा है, 'इसलिए, मैं आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि आप इस मामले को देखें और संबंधित अधिकारियों को औरंगजेब के मकबरे को राष्ट्रीय

NAME CHANGE
I, CHARAN SINGH S/O SUKHBEER SINGH YADAV R/O A55/17, DLF PHASE-1,CHAKARPUR (74), GURGAON, HARYANA-122002, HAVE CHANGED MY NAME TO CHARAN SINGH YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, MANJU W/O CHARAN SINGH YADAV R/O A55/17, DLF PHASE-1,CHAKARPUR (74), GURGAON, HARYANA-122002, HAVE CHANGED MY NAME TO MANJU YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, No. 14831880A Rank-HAV/MT Name-ASHOK SINGH YADAV Presently residing at VILL-PUNAPAR, PO-JAMINHARKHORI, TEH-SAGRI, DIST-AZAMGARH, UTTAR PRADESH-276138, have changed my father's name from RAM SINGH YADAV to RAM SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, DARSHANA Wife of No. 14867761P Rank-NK/MT Name-BHUPENDER CHAUHAN Presently residing at VILL-SANT NAGARI, TEH+DIST-MEERUT, UTTAR PRADESH-250002, have changed my name from DARSHANA to DARSHANA CHAUHAN for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 14831880A Rank-HAV/MT Name-ASHOK SINGH YADAV Presently residing at VILL-PUNAPAR, PO-JAMINHARKHORI, TEH-SAGRI, DIST-AZAMGARH, UTTAR PRADESH-276138, have changed my mother's name from SUBHABATI DEVI to SUBHAWATI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
TO WHOM SO EVER IT MAY CONCERN

Notice is hereby given that PNB Housing Finance Ltd., HUDA Market, Sector-14, Gurgaon, intends to extend a loan facility to Mrs. Neelam, W/o Mr. Nitin Chauhan, against the security of the Upper Ground Floor (without roof rights), measuring 112 Sq. Yds., forming part of Property No. C-18, situated within Chanakya Place, Part-I, Uttam Nagar, New Delhi-110059.The subject land was originally owned by Mrs. Tara Wati and Mrs. Kamlesh Kumari, whoacquired ownership of 560 Sq. Yds. (Out of Khasra No. 18/5) by virtue of a Sale Deed dated 14.10.1980, duly registered as Document No. 4253 on 14.10.1980, executed in their favour by 1) Mr. Dal Pat Singh, 2) Mr. Hari Singh, 3) Mr. Kure Mal, 4) Mr. Mouji Ram, 5) Mr. Dalip Singh, 6) Mr. Sukhbir Singh, 7) Mr. Virender Singh, 8) Mr. Mir Singh. Subsequently, Mrs. Tara Wati and Mrs. Kamlesh Kumari entered into a mutually agreed and notarized partition agreement dated 25.07.1991, whereby the ownership and possession of 300 Sq. Yds., was allocated to Mrs. Tara Wati, and 260 Sq. Yds., was allocated to Mrs. Kamlesh Kumari. Any person or entity with a claim, right, or objection to the property must submit a written notice to Advocate Rishi Maheshwari at +91-9340118309 within Seven (7) days from the publication of this notice. Failure to do so will be deemed as a confirmation that no third-party claims, liens, or encumbrances exist, allowing the loan transaction to proceed. This notice serves as a legal disclosure to safeguard the interests of PNB Housing Finance Ltd. and notify any potential claimants before the mortgage execution.

Rishi Maheshwari (Advocate)
Office At : RZ-29, Upper Ground Floor, Bhagwati Garden Jain Road
Near Dwarka More
New Delhi 110059.
Email Address: - lsrlexicure@gmail.com

NAME CHANGE
I hitherto known as Gyan chand alias Sonu Gola S/O Om Prakash, R/O ? NO- 105-106, F-2-Block, Mangol Puri, North West Delhi, Delhi - 110083,have changed my name and shall hereafter be known as Gyan chand.

NAME CHANGE
I, SOMI MISHRA Wife of No. 14854435N Rank-NK/MT Name-VIJAYA SHANKAR SUKLA Presently residing at VILL-SUBIKHA, PO-SHAHPUR BARA, TEH-IKAUNA, DIST-SHRAVASTI, UTTAR PRADESH-271835, have changed my name from SOMI MISHRA to SOMI DEVI SHUKLA for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAJSHREE Wife of No. 14839358M Rank-HAV/MT Name-KRUSHNA KASHINATH Presently residing at VPO+TEH-MARDI, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415508, have changed my name from RAJSHREE to RAJSHREE KRUSHNA POL for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANJU DEVI Wife of No. 14848835K Rank-NK/WM Name-GIRVAR SINGH Presently residing at VPO-JAIPAHARI, TEH+DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333023, have changed my name from ANJU DEVI to ANJU for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलों श्री प्रेग पाल पुत्र श्री बाल किशन व श्रीमती विनिता देवी पत्नी श्री प्रेमपाल वर्तमान पता मकान नं0 210. रूम नं0 03, प्रथम तल, सेक्टर-8, द्वारका, राजनगर, बागडोला, नई दिल्ली 110077 व स्थाई पता गाँव कछपुरा हतीसा भगवन्तपुर, हाथरस, उत्तर प्रदेश 204101 ने अपने पुत्र अंकुर कुमार विमल के अवज्ञाकारी व नियन्त्रण में न होने के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और सारे संबंध विच्छेद कर लिये है। यदि कोई व्यक्ति इससे किसी तरह का लेन देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा इसमें मेरे मुविक्कलों व मेरे मुविक्कलों के परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं

एन. के. तिवारी अधिवक्ता
चेम्बर न0 832
जिला न्यायालय द्वारका कोर्ट,
द्वारका, नई दिल्ली 110075

NAME CHANGE
I, No. 14854916A Rank-SEP/MT Name-BHOSALE MANGESH DADASO Presently residing at VILL-KHABALWADI, PO-NANDOSHI, TEH-KHATAV, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415510, have changed my mother's name from BHOSALE MANDAKINI DADASO to BHOSALE MANDATAI DADASO for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KOKARE ANKITA DATTATRAY Wife of No. 6499475H Rank-SEP/CHEFCOM Name-DOMBALE SANGRAM BALASO Presently residing at VPO-RAWADI BK, TEH-PHALTAN, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415528, have changed my name from KOKARE ANKITA DATTATRAY to ANKITA SANGRAM DOMBALE for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 6499475H Rank-SEP/CHEFCOM Name-DOMBALE SANGRAM BALASO Presently residing at VPO-RAWADI BK, TEH-PHALTAN, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415528, have changed my daughter's name from DOMBALE SWARANGI SANGRAM to SWARANGI SANGRAM DOMBALE for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 6499475H Rank-SEP/CHEFCOM Name-DOMBALE SANGRAM BALASO Presently residing at VPO-RAWADI BK, TEH-PHALTAN, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415528, have changed my son's name from TANMAY to TANMAY SANGRAM DOMBALE for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I, M RAVI KUMAR C/O R MALAI CHAMY R/O 844, Type- 03, R K Puram, Sec -8, South West Delhi, Delhi- 110022, declare that name of my minor Son has been wrongly written as MADESH in my minor Son namely R. MADESH, aged 11 years in his School record. The actual Name of my minor Son is R. MADESH respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, No. 14867772F Rank-SEP/MT Name-VEERANNA B MATHAPATI Presently residing at VPO-URABINAHATTI, TEH-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591122, have changed my father's name from BALAYYA to BALAYYA MATHAPATI for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 14864651P Rank-SEP/MT Name-MUKTHI JITHENDER Presently residing at H NO-1-145, VILL-PATHAGUDUR MANDAL ENDAPALLI, PO-PATHAGUDUR, DIST-JAGITIAL, TELANGANA-505416, have changed my mother's name from MUKTHI SHEKARAMMA to MUKTHI SHANKARAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 14879936Y Rank-SEP/MT Name-MORE AKASH SURYABHAN Presently residing at VPO-SHIRASGAON, TEH-NIPHAD, DIST-NASHIK, MAHARASHTRA-422206, have changed my father's name from MORE SURYABHAN PANDHARINATH to SURYABHAN PANDHARINATH MORE for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 14879936Y Rank-SEP/MT Name-MORE AKASH SURYABHAN Presently residing at VPO-SHIRASGAON, TEH-NIPHAD, DIST-NASHIK, MAHARASHTRA-422206, have changed my mother's name from LALITA to LALITA SURYABHAN MORE for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14862887L Rank-SEP/MT Name-RATHVA KRUSHNABHAI SHANKARBHAI Presently residing at VILL-CHILIUAWANT PO-AMBALA, TEH-CHHOTA UDEPUR, DIST-VADODARA, GUJARAT-391165, have changed my son's name from NIKUNJBHAI to RATHVA NIKUNJBHAI KRUSHNABHAI for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शहज़ाद,** पुत्र अल्लाउद्दीन, निवासी 100 फुटा रोड, नाईपुरा, प्रेम नगर, लोनी, ग़ाज़ियाबाद, उ.प्र. ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 674/2020 धारा 356/379/411/34 भा.द.सं. थाना वेलकम, उत्तर-पूर्व जिला, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **शहज़ाद** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **शहज़ाद** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 84 BNSS की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 674/2020 धारा 356/379/411/34 भा.द.सं. थाना वेलकम, उत्तर-पूर्व जिला, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **शहज़ाद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **09.05.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: सुश्री दीपाक्षी राणा,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी -03,
कमरा नं. 19, प्रथम तल, शाहदरा जिला,
कड़कड़डूमा न्यायलय, दिल्ली।

DP/3932/NE/2025

NAME CHANGE
I, No. 14867772F Rank-SEP/MT Name-VEERANNA B MATHAPATI Presently residing at VPO-URABINAHATTI, TEH-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591122, have changed my mother's name from BHARATI to BHARATI MATHAPATI for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAMAAMMA Mother of No-2605677Y Rank-HAV (CM) Name-RAMESH V Presently residing at VILL-JAMATHOTTAM, PO-MALLI-NAYANAPALLI, TEHSIL-BARGUR, DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635120, have changed my name from RAMAAMMA to RAMAMMAL M for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as NAKHDU S/O MUNNI LAL R/O D-364, INDIRA KALYAN VIHAR, OKHLA INDUSTRIAL AREA PHASE-1, OKHLA INDUSTRIAL ESATE, SOUTH DELHI, DELHI-110020, have changed my name and shall hereafter be known as SURENDER.

NAME CHANGE
I, JAGNATH SINGH CHUHAN Father of No-6946886H Rank- NK Name-ANAND BAHADUR SINGH CHUHAN residing at VILL-CHHIRAUHI, PO-BAGHAWARI, TEHSIL-GOPAD BANAS, DIST-SIDHI, MADHYA PRADESH-486661, have changed my name from JAGNATH SINGH CHUHAN to JAGANNATH SINGH CHAUHAN for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 22/07/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1956 vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, No-6949128W, Rank-NK, Name-SUBHASH BHASKAR residing at WARD NO-5, VPO-GADA KHERA, DISTT-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333025, have changed my wife's name from SUNITA DEVI to SUNITA for all future purposes and in my service records my wife's date of birth wrongly mentioned as 15/04/1983 instead of her correct date of birth as 08/10/1980 vide Affidavit dated 28/03/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAKHI TOMAR Wife of No. 14834699N Rank-SEP/MT Name-ARUN SINGH Presently residing at VPO-RANIPUR, TEH-MANDRAYAL, RAJASTHAN-322251, have changed my name from RAKHI TOMAR to RAKHI for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all concerned that my clients (1) RANJITA W/O SH. AWDESH KUMAR AND (2) AWDESH KUMAR S/O CHHOTE LAL both R/O K-1/48, GALI NO.36, RAJAPURI, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059, disowned and disinherited their son PANKAJ S/O SH. AWDESH KUMAR and daughter-in-law RAKHI W/O SH. PANKAJ from all their movable and immovable properties, due to their adamant arrogant, disobedience misconduct and misbehavior towards my clients. My clients daughter-in-law Rakhi also tortured, harassment to the son of my client namely Pankaj and their family members also. Henceforth, anybody dealing with them, may do so at his/her own risk and consequences and my above said clients shall not be held liable for any of the acts, deeds and things done by them.

PRABHA RANI Advocate
Dwarka Court Bar Room, Lawyers' Chamber Dwarka Court Complex, Sector-10, New Delhi-110075

PUBLIC NOTICE
This is to inform/known to all that the Original Title/Ownership documents i.e. Agreement To Sell executed by Smt. Shakuntla in favour of Sh. Vasudev, pertaining to Plot Land area measuring 25 sq. yards, out of Khasra No. 140/19/1, situated in the area of Village Burari abadi known as A-1-Block, Gali No. 29, Bangali Colony Sant Nagar Burari New Delhi-110084. (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller i.e. Sh. Vasudev who has agreed to Sell the 'said property' to Smt. Maya Goswami and same shall be funded/ Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., NSP BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.

Dated: 28-03-2025.
Place: Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

सार्वजनिक सूचना
मैं Soumita Roy W/o Vishwajeet Roy R/o H. No. 31-A, Block-88, DDA Flat, C.R Park New Delhi-19 जन साधारण को सुचित करती हूँ कि मेरे पति Vishwajeet Roy s/o Haripadda Roy R/o H. No. 31-A, Block-88, DDA Flat, C.R Park New Delhi-19 मार्च 2016 से लापता है जिसके सम्बन्ध में मैंने दिनांक 12/04/2016 को थाना CR पार्क एक पत्र लिख कर दिया था जिसका D D न. 44 B dated 12/04/2016 समय 4:30 PM है। मैंने अपनी पति को हर संभव जगह पर तलाश कर लिया है पर उनका कोई पता नही चल सका है | मार्च 2016 से लेकर आज तक यदि किसी ने मेरे पति को देखा हो या उनसे मिला या वो कहाँ रहते है ये जनता हो, तो मुझे उपरोक्त पते पर सूचित करें या +919891994874 पर संपर्क करें

Soumita Roy

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री दिलीप सिंह श्री आशीष एवं श्री मनोज कुमार गोयल से ग्राम ममूरा, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश स्थित खसरा संख्या 194 मिन के अंतर्गत कुल 191.72 वर्ग गज भूमि में से 115 वर्ग गज (अर्थात 96.15 वर्ग मीटर) का एक आवासीय भूखंड खरीदने का इरादा रखते हैं। श्री हरीश कुमार मूल रूप से खतौनी के माध्यम से इस संपत्ति के स्वामी थे। उन्होंने बाद में इस पूरी संपत्ति को दिनांक 24.04.2006 को बिक्री विलेख (सेल डीड) के माध्यम से श्रीमती गीता रानी को बेच दिया। तत्पश्चात, श्रीमती गीता रानी ने इसे दिनांक 14.06.2023 को बिक्री विलेख द्वारा श्री आदेश कुमार एवं श्रीमती मोनिका शर्मा को स्थानांतरित कर दिया। इसके बाद, उन्होंने दिनांक 25.04.2024 को बिक्री विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री आशीष एवं श्री मनोज कुमार गोयल को बेच दी। श्री आशीष एवं श्री मनोज कुमार गोयल उपर्युक्त संपत्ति के पूर्णतः स्वामी हैं। यह संपत्ति सभी विवादों से मुक्त है, और किसी भी अदालत में कोई मुकदमा लंबित नहीं है। इसके अतिरिक्त, संपत्ति सभी प्रकार के भार, बंधकों, शुल्क आदि से मुक्त है। उक्त संपत्ति आरबीएल बैंक लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित की जा रही है, जिसका कार्यालय ए.एफ. 19, 20, 21, प्रथम तल, आदित्य मॉल, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 201012 में स्थित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री टेकराम पुत्र श्री छज्जन सिंह, निवासी शयौराजपुर, खोदना खुर्द, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 203207, एक आवासीय प्लाट संख्या ए-67, क्षेत्रफल 55 वर्गगज, खसरा संख्या 432, स्थित महादेव पूरम-2 कॉलोनी, ग्राम खोदना कलां, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1427-1432 के द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्किल कथित सम्पत्ति को श्रीमती बिभा कुमारी पत्नी स्व0 राकेश पटेल को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
मेरी मुवक्किल श्रीमती रानी पत्नी श्री पप्पू निवासी मकान न 1813 गली मंदिर वाली चौक शाह मुबारिक अजमेरी गेट दिल्लीट्ट 110006 की निवासी है और जिसका बेटा उमेश पुत्र पप्पू जो नशे का आदि है आपराधिक प्रवृति का आदमी है जो आए दिन मरने मारने की कोशिश करता है जिससे तंग आकर मैने उससे अपने पारिवारिक संबंध समाप्त करके। अपनी चल अचल संपति से बेदखल कर दिया है अगर मेरा पुत्र। अपने आपको या किसी को भी कोई जान और मॉल की हानि पहुंचता है तो खुद जिम्मेदार होगा मेरी मुवक्किल और उसके परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOWN THAT PUBLIC IN GENERAL THAT MY CLIENT NAME IS MENTIONED AS MUNNI DEVI WIFE OF SHRI Ex NK (TS) LATE KUBER PRASAD RESIDENT OF HOUSE NUMBER 159RAJ PARK SP ROAD SULTANPURI DELHI IN THE SERVICE RECORD OF HER HUSBAND AND IN OTHER DOCUMENTATION IT IS MENTIONED AS MUNNI DEVI. MUNNI DEVI AND MUNI DEVI IS ONE AND THE SAME PERSON.

उपायुक्त मीणा ने पिनगवा के खेतों में जाकर किया मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर मिसमैच फसल का निरीक्षण

नूंह। न उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने ब्लॉक पिनगवा में मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर फसलों का मिसमैच पाए जाने पर पिनगवां के खेतों में जाकर निरीक्षण किया । उपायुक्त ने बताया कि पिनगवा में लगभग 250 हेक्टेयर जमीन पर फसल का मिसमैच है यहां पर किसानों ने गेहूं की फसल उगाई हुई है और पोर्टल पर सरसों की फसल का रजिस्ट्रेशन करवा रखा है। उन्होंने बताया कि पिनगवा में कुल 1129 हेक्टेयर जमीन पर किसानों द्वारा फसल उगाई गई है, जिसमें से 573 हेक्टेयर जमीन पर गेहूं की फसल उगाई गई है, 106 हेक्टेयर जमीन पर सब्जी की फसल उगाई गई है तथा 442 हेक्टेयर जमीन पर सरसों की फसल उगाई गई थी, तीन हेक्टेयर पर जौ की फसल है तथा 5 हेक्टेयर में बाग है। उन्होंने कहा कि विभिन्न किसानों द्वारा अधिक मुआवजा या फसल का अधिक मूल्य पाने के लिए ऐसी गड़बड़ी की गई है ऐसे किसानों पर जांच कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अल आफिया मांडी खेड़ा अस्पताल में मनाया गया विश्व टीबी दिवस

नूंह। जिला नूंह के मांडीखेडा स्थित अल आफिया अस्पताल में बुधवार को टीबी विभाग के सहयोग से विश्व टीबी दिवस का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी के बारे में जागरूकता फैलाना और इसके उन्मूलन के लिए प्रयास किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ0 सरबजीत सिंह थापर द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। डॉ0 थापर ने टीबी के खिलाफ लड़ाई में सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया और सोसायटी की पहल की सराहना की। सामाजिक संस्था के सीईओ अवधेश यादव ने स्वागत भाषण में टीबी रोगियों और उनके परिवारों को सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार वितरण समारोह भी किया गया, जहां एसटीएस (सीनियर ट्यूबरकुलोसिस सुपरवाइजर) टीम को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। टीबी रोगियों को स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए पोषण किट भी वितरित की गईं। इस अवसर पर डीटीओ प्रवीण राज तोमर, सीएसआर हेड राजेश सिंह और आशीष डांगर जैसे विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इस सफल कार्यक्रम ने सिविल हॉस्पिटल, टीबी विभाग व सामाजिक संगठन एसपीआईडी के सामूहिक प्रयासों को टीबी के खिलाफ लड़ाई में मजबूत किया।

बस स्टैंड पर यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए लगाए गए बैठने के लिए बेंच

एजेंसी

गुरुग्राम।गुरुग्राम बस स्टैंड पर परिवहन विभाग द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए बेंच लगाए गए है। बस स्टैंड परिसर में बने अस्थाई बस बूथों पर भी पीले रंग की मार्किंग की गई है। परिवहन विभाग के महाप्रबंधक भारत भूषण गोगिया ने जानकारी देते हुए बताया कि बस स्टैंड परिसर में 45 बेंच लगाए गए और यात्रियों की सुविधाओं में निरंतर इजाफा किया जा रहा है। गुरुग्राम के एकमात्र सरकारी बस स्टैंड में यात्रियों की संख्या को देखते हुए यहां लगातार सुविधाओं में बढ़ोतरी समय समय पर की जाती है। अब इसी कड़ी में यात्रियों को बैठने की व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है। बस स्टैंड पर खास तौर से महिला यात्रियों और बुजुर्ग यात्रियों को इस सुविधा से खास फायदा मिलेगा। अब ये लोग बढ़ती गर्मी और उमस में खड़े हो कर नहीं बल्कि आराम से बैठकर अपनी बसों का इंतजार कर सकते है। पूरे बस स्टैंड पर अलग अलग जगहों पर ये सभी 45 बेंच इस हिसाब से लगाई गई है कि सभी बूथों पर आने वाले यात्रियों को बस के इंतजार करते वक्त सुविधाजनक और आरामदायक बैठने की व्यवस्था मिल सके।

बुनियादी ढांचे में तकनीकी बदलाव, आम जनता तय करेगी गुरुग्राम पुलिस के कार्यों की रेटिंग

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा के कुशल दिशा निर्देशन में गुरुग्राम पुलिस आमजन से बेहतर व्यवहार तथा उनकी की शिकायतों पर बेहतर व प्रभावी कार्यवाही करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा आमजन को और अधिक बेहतर व प्रभावी सेवा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। पुलिस आयुक्त ने लोगों से पुलिस के कार्यों के फीडबैक लेने के लिए एक अनूठी पहल की शुरूआत की है। इस अनूठी पहल के तहत गुरुग्राम के सभी पुलिस थानों में क्यूआर कोड लगाएं जाएंगे, जिसको स्कैन करके थाना में आने वाले विजिटर्स पुलिस के कार्यों की रेटिंग व अपने सुझाव डिजिटल रूप से सांझा कर सकेंगे। डिजिटल तकनीक को माध्यम बनाकर फीडबैक लेने की इस अनूठी पहल के शुभारंभ हेतु पुलिस थाना सदर, गुरुग्राम एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए और उन्होंने बस अनूठी पहल के बारे में विस्तृत जानकारी देकर इसका शुभारंभ किया। गुरुग्राम पुलिस द्वारा फीडबैक लेने की इस अनूठी पहल के शुभारंभ कार्यक्रम में उपस्थित सभी को सम्बोधित करते हुए बताया कि पुलिस कार्यवाही को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए गुरुग्राम के सभी पुलिस थानों में क्यूआर कोड लगाए जायेगें। पुलिस थाना में पुलिस सहायता के लिए आने वाले विजिटर्स/पीड़ित/शिकायतकर्ता इस क्यूआर कोड को स्कैन करके पुलिस कार्यवाही/सहायता से सम्बन्धित अपना फीडबैक दे सकेंगे।

उपायुक्त ने ली अधिकारिता बोर्ड की मासिक बैठक

सभी एसडीएम कार्यालय का करेंगे औचक निरीक्षण: डीसी **8 से 23 तक मनाया जाएगा पोषण पखवाड़ा**

डिजिटाइजेशन पर सरकार का फोकस, ई-ऑफिस पोर्टल का करें प्रयोग

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि सभी अधिकारी तथा कर्मचारी यह सुनिश्चित करें कि 9 से 5 बजे तक कार्यालय में हाजिर रहें। हाजिरी रजिस्टर में अगर कोई भी कालम खाली मिलता है तो संबंधित जिला अधिकारी जिम्मेदार होगा। संबंधित एसडीएम लगातार कार्यालय का औचक निरीक्षण करेंगे। डीसी आज लघु सचिवालय में जिला अधिकारिता बोर्ड की मासिक बैठक में बोल रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि सरकार के निर्देश अनुसार सभी अधिकारी अपने कार्यालय में स्वच्छता पर पूरा फोकस रखें। पुराना रिकॉर्ड तथा पुराने सामान को नियम अनुसार निपटाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस डिजिटल युग में कार्यालय में और अधिक पारदर्शिता तथा समयबद्धता के लिए जरूरी है कि सभी अधिकारी व कर्मचारी ई-ऑफिस पोर्टल के माध्यम से कार्य करें। अगर किसी विभाग के कर्मचारी प्रशिक्षण लेना

चाहें तो डीआईओ से संपर्क करें। डिजिटाइजेशन पर हरियाणा सरकार का विशेष फोकस है। इस मौके पर सीएम विंडो, जन समाधान तथा सोशल मीडिया ट्रैकर पर आने वाली शिकायतों के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डी-प्लान के तहत जिला में हो रहे विकास कार्य की रिपोर्ट देते हुए एडीसी डा. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में डी-प्लान का 65 प्रतिशत बजट खर्च हो चुका है। अब जिला हरियाणा में 5वें स्थान पर है। डीसी ने पंचायत अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी ग्राम सचिवों के साथ साप्ताहिक मीटिंग करें ताकि निचले स्तर पर ही समस्याओं का समाधान हो सके। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आने वाले गर्मी के सीजन को देखते हुए बिजली-पानी के निरंतर सप्लाई होनी चाहिए। विशेषकर स्कूलों तथा स्वास्थ्य केंद्रों पर पेयजल की किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। इस मौके पर डीसी ने महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से 8 से 23 अप्रैल तक मनाए जाने वाले पोषण पखवाड़ा के संबंध में निर्देश दिए कि पोषण पखवाड़ा के दौरान अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रम कर लोगों को जागरूक करें। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा, नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, कनीना के एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह, नारनौल के एसडीएम रमित यादव तथा नगराधीश मंजीत कुमार के अलावा अन्य अधिकारी की उपस्थित थे।

खनन कार्यों पर जिला प्रशासन की कड़ी नजर

तीन दिन में राजस्थान से अवैध बजरी-रोड़ी ला रहे 6 वाहन पकड़े

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि जिला प्रशासन अवैध खनन तथा खनिज का अवैध परिवहन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा। पुलिस के सहयोग से कहीं भी अवैध खनन नहीं हो रहा है। राजस्थान से बिना बिल के आ रहे वाहनों पर लगातार जुर्माना लगाया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि पिछले तीन दिनों में जिला महेंद्रगढ़ के विभिन्न स्थानों पर छह वाहन राजस्थान से अवैध तरीके से बजरी

जिला प्रशासन की संयुक्त टीम लगातार खनन क्षेत्रों सहित विभिन्न जगहों पर कड़ी निगरानी कर रही है। जिला महेंद्रगढ़ में 24 से 27 फरवरी तक संयुक्त टीम ने 750 वाहनों की चेकिंग की है। उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर खनन से जुड़े सभी कार्यों में पूरी तरह से पारदर्शिता बरती जा रही है। फिलहाल जिला में तथा रोड़ी ढोते पकड़े गए हैं। इन वाहनों से 15 लाख रुपए जुर्माना के तौर पर वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जिला खनन इंजीनियर डा. राजेश कुमार ने बताया कि खनन विभाग के महानिदेशक के एवं पांडुरंग हर रोज खनन के मामले में रिपोर्ट ले रहे हैं।

द.ह. के विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने नारनौल में शहीद स्मारक बनाने को लेकर मुख्यमंत्री से की मुलाकात

नारनौल के विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की नारनौल में शहीद स्मारक के जीर्णोद्धार एवं आधुनिकीकरण की घोषणा पर कार्य न होने पर विधानसभा में उठाया मुद्दा

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं महेंद्रगढ़ विधानसभा से 5 बार विधायक रहे पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो.रामबिलास शर्मा के नेतृत्व में दक्षिणी हरियाणा के जनप्रतिनिधियों ने हरियाणा विधानसभा में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलकर महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल की घोषणा पर मंजूर किए गए शहीद स्मारक को बनाने की मांग की। इस मौके पर दक्षिणी हरियाणा की सबसे सीनियर जनप्रतिनिधि रहे पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया की 1857 में देश की आजादी के लिए अमर शहीद हुए और तुलाराम के नेतृत्व में अंग्रेजों से लड़ाई लड़ते हुए लगभग 5000 सैनिक महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल स्थित नसीबपुर के मैदान में शहीद हो गए थे उनके सम्मान में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शहीद स्मारक का जीर्णोद्धार करके आधुनिक बनाने की घोषणा की थी, लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने पूर्व जोर तरीके से तथ्यों सहित मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अवगत कराया की नारनौल में शहीद स्मारक का जीर्णोद्धार द्वारा एवं आधुनिकीकरण न केवल आजादी के मतवालों के शहीदों का सम्मान होगा अपितु अमर शहीद राव तुलाराम का भी सम्मान होगा। इस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल को आस्वस्थ किया कि सरकार द्वारा नारनौल में शहीदों के सम्मान में शहीद स्मारक का

महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल की घोषणा पर मंजूर किए गए शहीद स्मारक को बनाने की मांग की।

जीर्णोद्वार एवं आधुनिकरण सहित स्मारक बनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि नारनौल के विधायक एवं पूर्व मंत्री ओम प्रकाश यादव ने नारनौल में शहीद स्मारक को लेकर बुधवार को हरियाणा विधानसभा में मुद्दा उठाया था जिस पर सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण मंत्री राव नरवीर सिंह ने नारनौल में सरकार द्वारा कोई भी शहीद स्मारक का कार्य विचाराधीन होना नहीं बताया था। इस मौके पर अटेली की विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, नारनौल के विधायक एवं पूर्व मंत्री ओम प्रकाश यादव, महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, बावल के विधायक डॉक्टर कृष्ण कुमार, कोसली के विधायक अनिल यादव मौजूद थे।

यदुवंशी का आदित्य यादव पूरे भारत में प्रथम

एजेंसी

नारनौल। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित सी.डी.एस के परिणामों में यदुवंशी शिक्षा निकेतन का छात्र आदित्य पुत्र सतीश कुमार ने पूरे भारत में पहला स्थान प्राप्त किया है। इससे पहले भी यह विद्यार्थी एन.डी.ए की परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुका है। यह विद्यालय एवं क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। विद्यालय के उप प्राचार्य नरेश यादव ने बताया कि यह विद्यार्थी कक्षा नर्सरी से 12वीं तक इसी विद्यालय का छात्र रहा है। यह शुरू से ही प्रतिभावान एवं होनहार छात्र रहा है। इसने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके पिता भी सेना में सेवा दे चुके है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार शर्मा ने बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय में ही पढ़ाई के साथ-साथ ही एनडीए एवं एसएसबी की तैयारी करवाई जाती है।

इस परीक्षा के लिए विषय-विशेषज्ञ नियुक्त किए हुए हैं जो बच्चों को परीक्षोन्मुख तैयारी तथा उचित मार्ग दर्शन प्रदान करते हैं। विद्यालय की निदेशिका सुरेश यादव ने चयनित विद्यार्थी को बधाई देते हुए कहा कि यदुवंशी में पढने वाला प्रत्येक छात्र अपने जीवन में उन्नति के पथ पर अग्रसर होते हुए अपने जीवन में अलग ही मुकाम प्राप्त करता है। यदुवंशी नारनौल क्षेत्र का एक मात्र ऐसा विद्यालय है जो अब तक देश सेवा में 29 लेफ्टिनेंट दे चुका है।

नूंह में अवैध पेयजल कनेक्शनों को काटने का चलाया अभियान

नूंह। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की टीम ने जिला प्रशासन के निर्देशानुसार सद्दीक नगर में जल संरक्षण हेतु अवैध पेयजल काटने का अभियान चलाया। अभियान के दौरान उन अवैध पेयजल कनेक्शनों को काटा गया, जो सद्दीक नगर से लघु सचिवालय की ओर जाने वाली मुख्य पाइपलाइन पर आमजन द्वारा किए गए थे। इस अभियान के दौरान 23 अवैध पेयजल कनेक्शन पाए गए और उन्हें तुरन्त कार्रवाई करते हुए काटा गया। इतना ही नहीं भविष्य में दोबारा अवैध कनेक्शन पाए जाने पर

कानूनी कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी गई। कनिष्ठ अभियंता परवेज खान ने बताया कि काफी दिन से लघु सचिवालय में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। लोगों को काफी समझाने के बाद भी उन्होंने अपने अवैध कनेक्शन नहीं हटाए तो इन्हें काटने के लिए अभियान चलाना पड़ा। इस अभियान के दौरान ऐसे 23 अवैध कनेक्शन पाए गए जो लघु सचिवालय की सप्लाई को बाधित कर रहे थे और उन्हें अपनी टीम के सहयोग से तुरंत प्रभाव से काटा गया। परवेज खान ने आगे बताया कि गर्मी में अवैध पेयजल कनेक्शनों को काटने का यह जल संरक्षण अभियान विभाग द्वारा आगे भी चलाया जाएगा। यदि लोग समझाने के बावजूद अवैध पेयजल कनेक्शन करते हैं तो विभागीय कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी और अवैध पेयजल कनेक्शन धारकों के खिलाफ मुकदमे भी दर्ज किए जाएंगे। इस जल संरक्षण अभियान की टीम में फिटर व पलंबर आबिद, ताहिर, बिल्ला, वासिद अली, रोहित व आरिफ शामिल रहे।

निगम क्षेत्र में साफ-सफाई का किया जाएगा औचक निरीक्षण-मेयर

गुरुग्राम। नगर निगम मानेसर की मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव ने गुरुवार को निगम क्षेत्र में सफाई का काम कर रही एजेंसी के प्रतिनिधियों सहित फिल्ड सुपरवाइजरों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वे किसी भी समय सफाई संबंधी कामों का औचक निरीक्षण करेंगी। बैठक में मेयर ने एजेंसी के प्रतिनिधियों से कहा कि काम में किसी भी प्रकार की कोताही बरतने वालों के लिए सख्त ऐक्शन लिया जाएगा। सभी गांवों में तैनात सफाई कर्मचारियों की सूची वार्ड पार्षदों के साथ सांझा की जाएगी। पार्षदों से व औचक निरीक्षण करके वे सफाई कार्यों का जायजा लेंगी। एजेंसी के द्वारा दी जाने वाली सफाई कर्मचारियों की सूची के साथ मौके पर काम कर रहे कर्मचारियों का मिलान किया जाएगा। यदि मौके पर कर्मचारी तय संख्या से कम पाए गए तो सुपरवाइजरों से जवाब मांगा जाएगा। इस दौरान उनके साथ मौजूद आयुक्त रेनू सोगन ने कहा कि क्षेत्र की सफाई का जिम्मा निजी एजेंसी को दिया हुआ है।

पंजाब में नशा करने वालों की गिनती करने से नशा करना नहीं छूट सकता - अनिल विज

विपक्षी पार्टियां जनता को गुमराह करती है, धोखा देती हैं और राज करके मजे लूटती हैं - विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज कहा कि ''नशा व नशा तस्करों पर नकेल कसने और लगाम लगाने के लिए पंजाब सहित इस क्षेत्र के सभी राज्यों को मिलकर एक टास्क फोर्स बनानी चाहिए क्योंकि एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में जाने के लिए नशेडियों व नशा तस्करों को नशा बेचने में कम समय लगता है इसलिए एक टास्क फोर्स बनाई जानी चाहिए। उन्होंने पंजाब सरकार द्वारा नशेडियों की गिनती किए जाने वाले निर्णय के संबंध में कहा कि नशा करने वालों की गिनती करने से नशा करना नहीं छूट सकता है। इसके अलावा, श्री विज ने आप पार्टी की कार्यप्रणाली पर सवाल खडा करते हुए कहा कि ''इनके (आप पार्टी) पास न नेतृत्व हैं, न ही नीति है और नीयत इनकी (आप पार्टी) तो ठीक नहीं है''। श्री विज आज यहां चण्डीगढ में मीडिया कर्मियों द्वारा पंजाब सरकार द्वारा नशा करने वालों की गिनती करने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि ''पजांब में गिनती करवाने से नशा तो नहीं छूट जाएगा बल्कि नशा छुड़ाने के लिए आप (पंजाब की आप पार्टी सरकार) क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब हमारा सीमावर्ती राज्य है और सीमा पार से हमारी तरुणाई को खराब करने के लिए लगातार प्रयास

होते रहते हैं। उन्होंने कहा कि आजकल ड्रोन से नशे का माल टारगेट जगह पर गिराया जाता है हालांकि हमारी सेनाएं हर समय चौकस सकती हैं फिर भी ऐसी हरकतें होती रहती है इसलिए पंजाब में नशेडियों की गिनती करने से कोई काम नहीं होगा, एक यह केवल बताने वाली बात है''। श्री विज ने कहा कि ''नशा व नशा तस्करों पर नकेल कसने और लगाम लगाने के लिए योजना बनानी चाहिए। यह योजना न केवल पंजाब के लिए बल्कि इस रीजन के सभी प्रदेशों को मिलकर एक टास्क फोर्स बनानी चाहिए क्योंकि नशेड़ियों व नशा तस्कारों को नशा बेचने के लिए एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में जाने में कम समय लगता है इसलिए एक टास्क फोर्स बनानी चाहिए''। उन्होंने कहा कि ''नशा कम करने के लिए हरियाणा में एक अलग विभाग/विंग बनाया गया था, जब वे गृह मंत्री थे, क्योंकि हमारे रेगुलर पुलिस कर्मियों के पास अन्य बहुत से कार्य रहते है और इन कर्मचारियों को लगातार बदला नहीं जा सकता। इसलिए इस रीजन में सभी प्रदेशों को आपस में मिलकर ज्यादा अच्छे ढंग से इस प्रकार का प्रयास किया जाना चाहिए''। पंजाब में आम आदमी पार्टी द्वारा महिलाओं को एक 1000 रूपए देने का ऐलान किया गया था और बजट भी आ गया और उसमें 1000 देने की कोई बात नहीं कही गई है, के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ''एक चीज तय हो गई कि हिन्दूस्तान में वायदा निभाने वाली पार्टी केवल भारतीय जनता पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी जो कहती है, वो करके दिखाती है। उन्होंने कहा कि हमने कठिन कठिन काम करके दिखाए हैं जैसे कि अनुच्छेद 370 को हटाना, राम मंदिर बनाने का रास्ता प्रशस्त करना, तीन तलाक को खत्म करना।

धरने के दूसरे दिन भी धरने पर डटी रही आंगनवाड़ी वर्कर

- विरोध स्वरूप लहराई हाथों में ली गई काली चुनरी
- झज्जर में सरकार के खिलाफ एक बार फिर की जमकर नारेबाजी
- धरने पर उठाई केवल एक ही मांग, कुशल और अर्धकुशल की श्रेणी में जोड़ा जाए

झज्जर। अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल कर बैठी जिलेभर की आंगनवाड़ी वर्कर भी झज्जर में धरनास्थल पर डटी रही। इस दौरान आंगनवाड़ी वर्करों ने लघु सचिवालय परिसर में जहां एक तरफ सरकार के खिलाफ नारेबाजी की,वहीं आंगनवाड़ी वर्कर धरना स्थल पर पारंपरिक गीत गाकर अपनी दिनचर्या को पालन करती दिखी। इस दौरान आंगनवाड़ी वर्करों का नेतृत्व कर रही यूनियन की प्रधान बालेश जाखड़ ने सरकार पर धरने के दौरान भी आंगनवाड़ी वर्करों को परेशान करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि जहां अपनी मांगों को पूरा करने के लिए जिलेभर की आंगनवाड़ी वर्कर यहां जिला मुख्यालय पर डटी हुई है वहीं दूसरी तरफ उन्हें परेशान करने के लिए इन आंगनवाड़ी वर्करों के सेंटर पर छापेमारी की जा रही है और उन्हें परेशान करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब कभी भी इन आंगनवाड़ी वर्करों का धरना-प्रदर्शन चलता है तो उसी दौरान सरकार के इशारे पर उनके अधिकारी उन्हें परेशान करने का काम करते है। बालेश जाखड़ ने यह भी कहा कि इस बार आंगनवाड़ी वर्कर अपनी मांग पर अडिग है। इस बार आंगनवाड़ी वर्कर पहले की तरह घोषणाओं से नहीं उठेंगी। सरकार जब तक आंगनबाड़ी वर्करों को लिखित में उनकी मांग पूरा करने का आश्वासन नहीं दे देती तब तक वह धरना स्थल से नहीं उठेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सरकार उनकी मांग नहीं मानती है तो फिर उसके बाद उनका धरना अनिश्चितकालीन धरने में तब्दील हो जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी मांग न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपए करने और सभी को कुशल और अर्धकुशल श्रेणी में शामिल करने की है। इस दौरान बालेश जाखड़ ने एक बार फिर से उनसे ऑनलाइन काम करने पर विरोध जताया।

तावडू में नगरपालिका चेयरपर्सन सुनीता सोनी ने अधिकारिक तौर पर पदभार संभाला

तावडू। नगरपालिका चेयरपर्सन सुनीता सोनी ने अधिकारिक तौर पर पदभार संभाल लिया। सुनीता सोनी ने कहा कि तावडू पालिका क्षेत्र के विकास को नया आयाम देना ही उनकी प्राथमिकता है। समाज के प्रत्येक वर्ग की मांगों को पूरा करने के लिए वह पूरी कोशिश करेंगी। नपा क्षेत्रवासियों को किसी भी कार्य में कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि तावडू पालिका क्षेत्र का चहुमुखी विकास कराया जाएगा। वहीं नगरपालिका सचिव सुमित शर्मा ने चेयरपर्सन का स्वागत किया। सुनीता सोनी ने कहा कि पालिका क्षेत्र में साफ-सफाई, पेयजल, सीवर, बिजली, पक्की सड़कों का निर्माण, आवारा पशुओं से निजात दिलाना उनकी सूची में प्रथम स्थान है। वह अपनी टीम के साथ मिलकर क्षेत्र का चहुंमुखी विकास कराएंगी। इस अवसर पर पार्षद निरंजन उर्फ लीलू, चेयरपर्सन पति, अनाज मंडी व्यापार मंडल अध्यक्ष एवं चेयरपर्सन ससुर संजय खेडिया, पार्षद राजेश आदि मौजूद रहे।

तावडू में मुख्य मार्ग जय भारत रामलीला मैदान के बाहर लगे खोखे को हटवा अतिक्रमण मुक्त कराया

तावडू। शहर के पटौदी रोड पर स्थित नगरपालिका कार्यालय में चेयरपर्सन सुनीता सोनी ने पदभार संभालते ही शहर के बने सार्वजनिक शौचालयों की लंबे समय से बदहाली को सुधारने के लिए शहर के मुख्य मार्ग जय भारत रामलीला मैदान के बाहर लगे खोखे को हटवा अतिक्रमण मुक्त कराया। यह अवैध अतिक्रमण लंबे समय से बना हुआ था। जिसे गुरुवार को कब्जा मुक्त कराया गया। नगरपालिका सचिव सुमित शर्मा ने बताया कि लगभग 14 लाख रुपए की लागत से जय भारत रामलीला मैदान के सामने सार्वजनिक शौचालय बनाया जाना है। जिसकी टेंडर आदि प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि यह सार्वजनिक शौचालय काफी बडा बनाया जाना है। जिस कारण खोखे द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया।

शीतला माता रोड पर जीएमडीए द्वारा सघन अतिक्रमण विरोधी अभियान का दूसरा दिन जारी रहा

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण ने आज शीतला माता रोड पर अतिक्रमण विरोधी अभियान का दूसरा दिन चलाया। आज के अभियान में इस प्रमुख सड़क के एक तरफ लगभग 1 किलोमीटर सड़क को साफ किया गया। गुरुग्राम में अतिक्रमण हटाने के नोडल अधिकारी और जीएमडीए के डीटीपी आर.एस. बाठ ने जीएमडीए के प्रवर्तन विंग और एमसीजी अधिकारियों के साथ मिलकर तोड़फ़ोड़ अभियान चलाया। इस अभियान में जिसमें मार्बल मार्केट में 150 से अधिक दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया गया, 50 पुलिसकर्मी भी शमील थे। दुकानों के सामने रखे गए सामान/उत्पादों को हटाया गया। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थानों को खाली करने के लिए टिन शेड और विज्ञापन बोर्ड भी गिराए गए। इसके अलावा, दुकानदारों द्वारा बनाई गई सभी बिना अनुमति वाली सीढयिाँ/सीढयिाँ भी तोड़ दी गईं। इसके अलावा, कार मरम्मत की दुकानों के मालिकों को सडक़ों को खाली करने के लिए कहा गया और निर्देश दिया गया कि मरम्मत के लिए केवल एक वाहन की जगह दी जाएगी। बेहतर यातायात संचालन की सुविधा के लिए और जाम जैसी स्थिति से बचने के लिए मुख्य सडक़ से कम से कम 10 फीट की दूरी तक के क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त किया। आर.एस. बाठ ने कहा कि हम अतिक्रमण के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी सार्वजनिक या सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा न हो। अभियान से पहले चेतावनी जारी की गई है और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। शीतला माता रोड पर जीएमडीए द्वारा चलाए गए तोड़फ़ोड़ अभियान के दो दिनों में, इस महत्वपूर्ण मार्ग पर 220 दुकानदारों द्वारा बनाए गए अवैध टिन शेड और अन्य अतिक्रमण हटा दिए गए हैं।

जापान के शीर्ष कारोबारी घरानों के उच्चाधिकार प्राप्त प्रतिनिधिमंडल ने मोदी से भेंट की

एजेंसी

नयी दिल्ली। जापान के 21 शीर्ष कारोबारी घरानों के एक उच्चाधिकार प्राप्त प्रतिनिधिमंडल ने यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को अधिक सशक्त बनाने के बारे में चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने आज यहां बताया कि कीडाई दोयुकाई (जापान एसोसिएशन ऑफ कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव्स) के एक उच्चाधिकार प्राप्त प्रतिनिधि मंडल ने 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास पर श्री मोदी से मुलाकात की तथा भारत और जापान के बीच आर्थिक सहयोग को गहरा करने के लिए विचारों का आदान-प्रदान किया। कीडाई दोयुकाई के अध्यक्ष ताकेशी निनामी और 20 अन्य व्यावसायिक प्रतिनिधियों के नेतृत्व में कीडाई दोयुकाई का एक उच्चाधिकार प्राप्त प्रतिनिधिमंडल भारत की यात्रा पर आया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार चर्चा में द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने, निवेश के अवसरों को बढ़ाने और कृषि, समुद्री उत्पाद, अंतरिक्ष, रक्षा, बीमा, प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचा, नागरिक उड्डयन, स्वच्छ ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा और एमएसएमई साझीदारी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना शामिल था। प्रधानमंत्री ने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझीदारी पर प्रकाश डाला और व्यापार के अनुकूल वातावरण प्रदान करने के भारत के दृढ़ संकल्प की पुष्टि की।

पांच राज्यों में कुल 2.46 लाख टन अरहर की खरीद की गयी

नयी दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में कुल 2.46 लाख टन तुअर (अरहर) की खरीदी की गई है जिससे एक लाख 71 हजार से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं।श्री चौहान ने यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में नैफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद जारी है और 25 मार्च 2025 तक इन राज्यों में कुल 2.46 लाख टन अरहर की खरीद की गई है, जिससे इन राज्यों के 1,71,569 किसान लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में तुअर की कीमत वर्तमान में एमएसपी से ऊपर चल रही है।

सेना के लिए 2500 करोड़ में खरीदे जायेंगे हल्के वाहन

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने सेना के टैंकों की क्षमता बढाने के लिए ढाई हजार करोड़ रूपये की लागत से पांच हजार हल्के वाहनों की खरीद के अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं।रक्षा मंत्रालय के अनुसार नाग मिसाइल सिस्टम ट्रैक्ड वर्जन एंटी-टैंक हथियार

प्लेटफॉर्म की खरीद के लिए यह अनुबंध आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड , फोर्स मोटर्स लिमिटेड और महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के साथ किया गया है। यह खरीद (भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित) श्रेणी के तहत की जायेगी। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में गुरूवार को इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किये गये।

केंद्र ने 15वें वित्त आयोग अनुदान के तहत कर्नाटक और त्रिपुरा के लिए 436 करोड़ से ज्यादा किए जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए त्रिपुरा और कर्नाटक में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग अनुदान की दूसरी किस्त 436 करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि जारी कर दी है। इससे स्थानीय शासन को मजबूती मिलेगी और ग्रामीण परिवर्तन को बढ़ावा मिलेगा।पंचायती राज मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए त्रिपुरा और कर्नाटक में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग अनुदान की दूसरी किस्त को जारी कर दी है। केंद्र सरकार ने त्रिपुरा में 589 पात्र ग्राम पंचायतों के साथ-साथ सभी ब्लॉक पंचायतों, जिला पंचायतों और पारंपरिक स्थानीय निकायों को लाभ पहुंचाने के लिए अनटाइड ग्रांट (दूसरी किस्त) के 31.1259 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। वहीं, कर्नाटक के 5375 पात्र ग्राम पंचायतों के लिए अनटाइड ग्रांट (दूसरी किस्त) में 404.9678 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, जिससे राज्यभर में ग्रामीण स्थानीय निकायों को सहायता मिलेगी। मंत्रालय के मुताबिक अनटाइड ग्रांट का उपयोग विभिन्न समुदाय और विशिष्ट जरूरतों के लिए किया जा सकता है। इनका उद्देश्य स्थानीय बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं को बढ़ाना है। इसके अलावा अनटाइड ग्रांट का स्वच्छता (खुले में शौच मुक्त स्थिति, अपशिष्ट प्रबंधन और मल प्रबंधन के रखरखाव सहित) और पेयजल (वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण सहित) के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से आवंटित किया जाता है।

महंगा हुआ सोना, चांदी में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में लगातार दूसरे दिन मजबूती नजर आ रही है। हालांकि चांदी के भाव में आज 200 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। सोना आज 400 रुपये से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 89,850 रुपये से लेकर 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 82,360 रुपये से लेकर 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,01,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना

89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बीआईएस ने अमेजन, फ्लिपकार्ट के गोदामों पर छापेमारी की, घटिया सामान किया जब्त

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने ई-कॉमर्स कंपनियों पर सख्त कार्रवाई की है। बीआईएस ने अमेजन और फ्लिपकार्ट के गोदामों पर छापेमारी कर ऐसे हजारों गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों का उल्लंघन वाले उत्पादों को जब्त किया है, जिनकी कीमत करीब 70 लाख रुपये है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि बीआईएस ने ई-कॉमर्स कंपनियों पर कार्रवाई करते हुए अमेजन और फ्लिपकार्ट के गोदामों से बिना आईएसआई मार्क वाले हजारों सामान जब्त किए हैं। इन समानों का कोई उचित गुणवत्ता प्रमाणपत्र नहीं था। मंत्रालय के मुताबिक भारतीय राष्ट्रीय मानक निकाय बीआईएस के अधिकारियों ने मोहन सहकारी औद्योगिक क्षेत्र में अमेजन सेलर्स प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम में 19 मार्च को 15 घंटे तक चली छापेमारी में बिना आईएसआई मार्क वाले और नकली आईएसआई लेबल वाले गीजर और फूड मिक्सर सहित 3,500 से अधिक इलेक्ट्रिकल उत्पाद जब्त किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपये है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि पिछले एक महीने में बीआईएस टीम ने देश के विभिन्न हिस्सों में इसी तरह की कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के तहत दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, लखनऊ और श्रीपेरंबदूर में कई घटिया सामान जब्त किए हैं। ये छापे उपभोक्ता संरक्षण के लिए गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को लागू करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो के चल रहे प्रयासों का हिस्सा हैं। मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान में विभिन्न नियामकों और भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों द्वारा अनिवार्य प्रमाणन के लिए 769 उत्पादों को अधिसूचित किया गया है। बीआईएस से वैध लाइसेंस या अनुपालन प्रमाणपत्र (सीओसी) के बिना इन उत्पादों का निर्माण करना, आयात, वितरण, बिक्री, किराए पर लेना, पट्टे पर देना, भंडारण या प्रदर्शन (बिक्री के लिए) करना प्रतिबंधित है।

आरवीएनएल को मिला इटारसी-आमला खंड में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन का कार्य

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत सरकार के नवरत्न उपक्रम रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) ने मध्य रेलवे जोन के नागपुर मंडल के इटारसी-आमला खंड में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए ओएचई (ओवरहेड उपकरण) संशोधन परियोजना हासिल की है। 115.79 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य माल ढुलाई क्षमता को बढ़ाना है। यह परियोजना 24 माह में पूरी होगी आरवीएनएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) प्रदीप गौर ने कहा कि हमें इटारसी-आंवला खंड में ओएचई प्रणाली के उन्नयन के लिए इस महत्वपूर्ण परियोजना को हासिल करने पर गर्व है। यह परियोजना माल परिवहन की बढ़ती मांग को पूरा करने और रेलवे नेटवर्क की दक्षता और क्षमता बढ़ाने के भारतीय रेलवे के लक्ष्य का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आरवीएनएल के प्रवक्ता ने जारी एक बयान में बताया कि रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) मध्य रेलवे के नागपुर डिवीजन के इटारसी-आमला सेक्शन में मौजूदा 1×25 केवी

इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम को 2×25 केवी एटी फीडिंग सिस्टम में अपग्रेड करने के लिए ओएचई (ओवरहेड उपकरण) संशोधन कार्य के लिए सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी है। यह महत्वपूर्ण परियोजना भारतीय रेलवे के 3000 मीट्रिक टन लोडिंग के लक्ष्य को पूरा करने में मदद करेगी, जिससे माल परिवहन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि 115.79 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में 1×25 केवी सिस्टम से अधिक कुशल 2×25 केवी एटी सिस्टम में संक्रमण के लिए संरचनात्मक और विद्युत उन्नयन शामिल होगा। यह कार्य नागपुर डिवीजन में 390 टीकेएम खंड पर किया जाएगा, जो मध्य रेलवे जोन का एक प्रमुख खंड है। कार्य के दायरे में सर्वेक्षण और डिजाइन, ओएचई इंफ्रास्ट्रक्चर संशोधन, परीक्षण और कमीशनिंग शामिल हैं। इटारसी - अमला खंड में 2×25 केवी एटी फीडिंग सिस्टम में उन्नयन के लिए ओएचई संशोधन कार्य भारतीय रेलवे के माल परिवहन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परियोजना के सफल कार्यान्वयन से माल ढुलाई क्षमता में वृद्धि का रास्ता खुलेगा और मध्य रेलवे के नागपुर डिवीजन में रेलवे नेटवर्क की दक्षता बढ़ेगी।

मुकेश अंबानी देश के सबसे अमीर शख्स, गौतम अडाणी दूसरे नंबर पर और रोशनी नाडर दुनिया की 5वीं सबसे अमीर महिला

एजेंसी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने देश के सबसे अमीर शख्स का खिताब बरकरार रखा है। हालांकि, मुकेश अंबानी दुनिया के टॉप 10 की सूची से बाहर हो गए हैं। दूसरे नंबर पर अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी हैं। वे भारत के सबसे बड़े वेल्थ गेनर हैं, उनकी नेटवर्थ में एक लाख करोड़ रुपये यानी 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, एचसीएल की रोशनी नादर भारत के टॉप 10 अमीरों की सूची में तीसरे नंबर पर हैं। हुरुन ग्लोबल रिच 2025 की जारी हालिया सूची में यह जानकारी दी गई है। इसके मुताबिक दुनिया के सबसे अमीरों की सूची में मुकेश अंबानी अब टॉप 10 से बाहर हो गए हैं। इसकी वजह मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में पिछले एक साल में कुल 1 लाख करोड़ रुपये की गिरावट है। अब मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 8.6 लाख करोड़ रुपये है। गौतम अडानी की संपत्ति में 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो 8.4 लाख करोड़ रुपये है। एचसीएल की रोशनी नादर तीसरे नंबर पर हैं, जिनकी कुल संपत्ति 3.5 लाख करोड़ रुपये है।

दुनिया का सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क : हुरुन ग्लोबल रिच 2025 की लिस्ट के मुताबिक दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की सूची में टेस्ला के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क पहले स्थान पर अभी भी बने हुए हैं। उनकी संपत्ति 82 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 420 अरब डॉलर है। अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस 266 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे नंबर पर हैं, जबकि मेटा के मार्क जुकरबर्ग 242 अरब

डॉलर की संपत्ति के साथ तीसरे नंबर पर हैं।हुरुन ग्लोबल रिच की लिस्ट के मुताबिक एचसीएल की रोशनी नादर कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे अमीर महिला बन गई हैं। दुनिया की टॉप 10 अमीर महिलाओं में जगह बनाने वाली वे पहली भारतीय महिला हैं। उनके पिता शिव नादर ने हाल ही में एचसीएल में 47 फीसदी हिस्सेदारी उन्हें हस्तांतरित कर दी थी। इसके अलावा हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट के अनुसार भारत के 284 अरबपतियों की कुल संपत्ति देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का एक-तिहाई हिस्सा है। रिपोर्ट के मुताबिक अडाणी समूह का नेतृत्व करने वाले गौतम अदाणी की संपत्ति में वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा इजाफा हुआ। उनकी संपत्ति एक लाख करोड़ रुपये बढ़कर 8.4 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

सरकार 2025-26 की पहली छमाही में उधार से जुटाएगी आठ लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान दीर्घकालीन प्रतिभूतियों के जरिए आठ लाख करोड़ रुपये का कर्ज जुटाने की योजना बना रही है। यह राशि राजस्व अंतर को पूरा करने के लिए जुटायी जाएगी। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि अगामी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बाजार से कुल 14.82 लाख करोड़ रुपये का कर्ज जुटाए जाने का अनुमान है। इसमें से लंबी और निश्चित परिपक्वता अवधि वाली प्रतिभूतियों के जरिए पहली छमाही में आठ लाख करोड़ रुपये यानी 54 फीसदी कर्ज लेने की योजना है। इसमें 10 हजार करोड़ रुपये के सरकारी हरित बॉन्ड शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में अगले वित्त वर्ष में राजस्व की कमी को पूरा करने के लिए दीर्घकालीन प्रतिभूतियां जारी कर 14.82 लाख करोड़ रुपये उधार लेने का प्रस्ताव किया है। वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.4 फीसदी पर रहने का अनुमान है, जबकि चालू वित्त वर्ष 2024-24 में इसके 4.8 फीसदी रहने की संभावना है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि निरपेक्ष रूप से राजकोषीय घाटा अगामी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 15,68,936 करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया गया है। इसके मद्देनजर राजकोषीय घाटे की भरपाई के लिए दीर्घकालीन प्रतिभूतियों से शुद्ध बाजार कर्ज 11.54 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। शेष राशि लघु बचत और अन्य स्रोतों से आने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा था, ''वित्त वर्ष 2025-26 में कर्ज के अलावा कुल प्राप्तियां और व्यय क्रमशः 34.96 लाख करोड़ रुपये और 50.65 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। शुद्ध कर प्राप्तियां 28.37 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।''

अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स की अध्यक्ष सुजैन क्लार्क ने सीतारमण से की मुलाकात

नई दिल्ली। अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुजैन क्लार्क ने केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस दौरान कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई।

वित्त मंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट में बताया कि मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में सुजैन क्लार्क से मुलाकात की। इस अवसर पर उनके साथ यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल के अध्यक्ष अतुल केशप भी मौजूद थे। इस अवसर पर वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि सरकार भारत और अमेरिकी व्यवसायों के बीच बढ़ते व्यापारिक संबंधों को महत्व देती है। सुजैन क्लार्क ने एफडीआई सहित भारत के निरंतर सुधारों की सराहना की, जिससे भारत

में अमेरिकी व्यवसायों की रुचि बढ़ रही है। सुजैन क्लार्क ने सीमा पार बढ़ते निवेश, नवाचार, बढ़ती उद्यमशीलता और व्यापार को रेखांकित किया, जो अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत करता हैं।

शेयर बाजारः 1 दिन की गिरावट के बाद लौटी तेजी, बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज दोबारा मजबूती हासिल कर ली। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी लेकिन बाजार खुलते खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.41 प्रतिशत और निफ्टी 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, ऑयल एंड गैस और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, एनर्जी, रियल्टी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल इंडेक्स आज 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुआ। मंझोले और छोटे शेयरों में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिड कैप इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.90 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 414.74 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 411.61 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.13 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,131 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,701 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,345 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 85 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,619 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,262 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,357 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 201.11 अंक की कमजोरी के साथ 77,087.39 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से थोड़ी ही देर में यह सूचकांक रिकवरी करके हरे निशान में पहुंच गया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 1 घंटे के कारोबार के बाद ही सेंसेक्स 458.96 अंक की मजबूती के साथ 77,747.46 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद पूरे दिन यह सूचकांक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार करता रहा। दिनभर की खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स 317.93 अंक की तेजी के साथ 77,606.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आयकर कार्यालय 29-31 मार्च को खुले रहेंगे : सीबीडीटी

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग के देशभर के कार्यालय 29 मार्च से लेकर 31 मार्च तक खुले रहेंगे, ताकि करदाताओं को चालू वित्त वर्ष के लिए लंबित कर संबंधी कामकाज निपटाने में सुविधा हो। चालू वित्त वर्ष 2024-25, 31 मार्च को समाप्त हो रहा है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने जारी एक आदेश में कहा, लंबित विभागीय कार्यों को पूरा करने की सुविधा के लिए, पूरे भारत में सभी आयकर कार्यालय 29, 30 और 31 मार्च, 2025 को खुले रहेंगे। बयान के मुताबिक करदाताओं को चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लंबित कर संबंधी कामकाज निपटाने में सुविधा प्रदान करने के लिए देशभर में आयकर विभाग के कार्यालय खुले रहेंगे। चालू वित्त वर्ष, 31 मार्च को समाप्त हो रहा है। सीबीडीटी के जारी अधिसूचना के

मुताबिक देशभर में आयकर विभाग के कार्यालय सप्ताहांत और ईद-उल-फितर के बावजूद खुले रहेंगे, जो सोमवार को पड़ सकता है। दरअसल 31 मार्च, 2025 चालू वित्त वर्ष 2024-25 का अंतिम दिन भी है। इसलिए इस वित्त वर्ष से संबंधित सभी सरकारी भुगतान और निपटान उसी दिन तक पूरे कर लिए जाने चाहिए। इस बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी एक बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में सरकारी प्राप्तियों और भुगतानों का लेखा-जोखा रखने की सुविधा के लिए देशभर में विशेष समाशोधन कार्य संचालित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गई हैं। आरबीआई ने करदाताओं की सुविधा के लिए सरकारी कामकाज करने वाले बैंकों को 31 मार्च को खुले रहने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि 31 मार्च, 2025 आकलन वर्ष 2023-24 के लिए अपडेटेड आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि भी है।

जियो को 'राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा पुरस्कार', 4000 से अधिक पेटेंट किए फाइल

नई दिल्ली।देश की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड (जेपीएल) को बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। कंपनी ने बताया कि इसके अलावा वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूआईपीओ) ने भी जियो को अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी से नवाजा है। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह सम्मान प्रदान किए। पिछले तीन वर्षों में जियो ने 4000 से अधिक पेटेंट दायर किए हैं, जिनमें प्रमुख रूप से दूरसंचार, डिजिटल प्रौद्योगिकियां और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शामिल हैं। इन पेटेंट में खासतौर पर 5जी, 6जी और एआई से जुड़ी अत्याधुनिक तकनीकों का विकास शामिल है। यह भारतीय टेक इंडस्ट्री के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है क्योंकि अब तक इन क्षेत्रों में विदेशी कंपनियों का वर्चस्व रहा है। जियो के इस कदम से भारत तकनीकी नवाचार में वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से बढ़ रहा है। जेपीएल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आयुष भटनागर ने पुरस्कार प्राप्त करते हुए कहा, ये पुरस्कार हमारी नवाचार क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाते हैं। हम सिर्फ तकनीक विकसित नहीं कर रहे बल्कि 5जी, 6जी और एआई के माध्यम से राष्ट्रीय विकास में अहम योगदान दे रहे हैं। जियो की बौद्धिक संपदा रणनीति केंद्र सरकार के 'विकसित भारत 2047' विजन से मेल खाती है।

संसद ने वित्त विधेयक 2025 को दी मंजूरी, बजट की प्रक्रिया पूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के उच्च सदन राज्यसभा ने वित्त विधेयक 2025 को 35 सरकारी संशोधनों के साथ लोकसभा को लौटा दिया, जिसमें ऑनलाइन विज्ञापनों पर 6 फीसदी डिजिटल कर को समाप्त करने वाला संशोधन भी शामिल है। सदन ने विनियोग विधेयक (3) को भी ध्वनिमत से वापस कर दिया। इस तरह 1 फरवरी, 2025 से शुरू हुई वित्?त वर्ष 2025-26 की बजटीय प्रक्रिया पूरी हो गई। इसके साथ ही राज्?यसभा की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित हो गई। इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में विचार के लिए विनियोग (सं. 3) विधेयक, 2025 और वित्त विधेयक, 2025 पेश किए थे। इसके बाद में शाम को वित्?त विधेयक, 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय की प्रवृत्ति सावधानी बरतने और राजस्व को हाथ से जाने नहीं देने की होगी। लोकसभा ने 25 मार्च को वित्त विधेयक 2025 और 21 मार्च को विनियोग (सं. 3) विधेयक, 2025 ध्वनिमत से पारित किया था। राज्यसभा में वित्त विधेयक, 2025 और विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2025 पर चर्चा पर का जवाब देते हुए हुए वित्?त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्?त मंत्रालय की प्रवृत्ति सावधानी बरतने और राजस्व को हाथ से जाने न देने की होगी। लेकिन, यहां हम इस अवसर का उपयोग भारतीय करदाताओं के प्रति अपना सम्मान दिखाने के लिए करना चाहते थे। उन्?होंने कहा कि हमने 12 लाख रुपये की सीमा तय करने की दिशा में कदम बढ़ाया है, जिसके बाद इसके दायरे में आने वाले किसी को भी कोई टैक्स नहीं देना होगा। सीतारमण ने वित्त विधेयक, 2025 पर चर्चा का जबाव देते हुए सदन को बताया कि दरों की बहुलता और अनुपालन बोझ को कम करने के लिए कुछ टीसीएस दरों को कम करने और स्रोत पर कर कटौती यानी स्रोत पर संग्रह की जरूरत के लिए कुछ सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि कई निर्यातकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और उन्होंने समय बढ़ाने का अनुरोध किया। इसके जवाब में हमने 6 महीने से एक वर्ष तक की मोहलत दी है। इसके साथ ही कहा कि यदि कोई वस्तु बिना शुल्क के आयात की गई थी और निर्यातक इसे निर्यात करना चाहता है, तो अब उनके पास उस 1 वर्ष के अंदर इसका अनुपालन करने के लिए पूरा एक साल है। वित्त मंत्री ने राज्यसभा में वित्त विधेयक, 2025 और विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2025 पर चर्चा पर का जवाब देते हुए हुए कहा कि 1 जनवरी, 2016 से पहले सेवानिवृत्त हुए केंद्र सरकार के सभी पेंशनभोगी 1 जनवरी, 2016 के बाद सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के समान पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन को बताया कि केंद्र सरकार की योजना वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में बाजार से आठ लाख करोड़ रुपये का कर्ज जुटाने की है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में कुल व्यय 50.65 लाख करोड़ रुपये का अनुमान है, जो चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 7.4 फीसदी अधिक है। उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष के लिए प्रस्तावित कुल पूंजीगत व्यय 11.22 लाख करोड़ रुपये है और प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ रुपये है। इसमें 42.70 लाख करोड़ रुपये का सकल कर राजस्व संग्रह और 14.01 लाख करोड़ रुपये का सकल उधार प्रस्तावित है।

कच्चे कटहल को जल्दी पकाने के लिए अपनाइए ये तरीके, इससे खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा, फर्क देखकर हो जाएंगे हैरान

कटहल की सब्जी कई लोगों की तो फेवरेट होती है, और कई लोगों को बिल्कुल भी पसंद नहीं आती है. कटहल आजकल तो सभी मौसम में मिलता है. लेकिन आमतौर पर इसका सीजन गर्मियों में ही आता है. कई बार कटहल कच्चा रह जाता है. अगर कटहल ज्यादा पका हुआ हो, तो इसका स्वाद एकदम खराब हो जाता है. अगर हम इसके स्वाद और लुक की बात करें, तो यह बिल्कुल चिकिन के जैसा लगता हैं. कई हिस्सों में कच्चे कटहल को मिनी चिकन के रूप में खूब पसंद किया जाता है. कच्चे की तरह पके हुए कटहल को भी लोग बड़े चाव से खाना पसंद करते हैं. इसके सेवन से हर कोई एनर्जेटिक भी महसूस करता है.ऐसे में अगर आपको खाने लायक कटहल आसपास नहीं मिल रहा है, तो आप कच्चे कटहल को ही घर पर आसानी से पका सकते हैं. इसको पकाने के लिए कुछ बेहतरीन तरीके हैं. जी हां, कच्चे कटहल को खरीदकर आप आसानी से तीन से चार दिनों में इसको घर ही पका सकती हैं. घर पर पके कटहल बाज़ार से भी अधिक टेस्टी होते हैं. तो आइए जानते हैं.किसी भी कच्चे फल और सब्जी को पकाने के लिए सबसे आसान तरीका है कार्बाइड का इस्तेमाल। इसके इस्तेमाल से दो से तीन दिनों में कच्चे कटहल एकदम स्वादिष्ट तरीके से पककर तैयार हो जाते हैं। इसके लिए एक पेपर बॉक्स में सबसे पहले कुछ पेपर डालकर अच्छे से फैला दीजिए। अब आप इस बॉक्स में कटहल के साथ एक से दो चम्मच कार्बाइड को सूती कपड़े में बांधकर बॉक्स में रख दीजिए। ऊपर से किसी चीज से ढक दीजिए और घर के किसी कोने में रख दीजिए। दो दिन बाद आपके सामने पका हुआ कटहल होगा।

1. एथिलीन का करें इस्तेमाल

कच्चे कटहल को जल्दी पकाने के लिए कार्बाइड के अलावा आप एथिलीन भी इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके उपयोग से एक से दो दिनों के अंदर ही कटहल पक जाता है. इसके लिए आप सबसे पहले बॉक्स में पेपर या फिर घास-फूस को रख दें. घास रखने के बाद दो से तीन चुटकी एथिलीन को किसी पेपर या कपड़े में बांधकर बॉक्स में रख दीजिए. ध्यान रहे कार्बाइड और एथिलीन को छूने से पहले हाथों में ग्लव्स ज़रूर पहन लें. क्योंकि खाली हाथों में इसे टच करने पर खुजली भी हो सकती है, या आपको कोई और समस्या भी हो सकती है. एक से दो दिनों में ये पककर तैयार हो जाता है.

2. चावल में रखकर पकाएं

कटहल का साइज बहुत ही ज्यादा बड़ा होता है, इसलिए इसको पकाने के लिए किसी भी चीज को उपयोग करने से पहले उसकी बहुत ही ज्यादा मात्रा में उसकी जरूरत होगी. कटहल को आप चावल में पकाने में थोड़ी परेशानी होती है लेकिन, किसी भी चीज को नेचुरल तरीके से पकाने के लिए ये एक बेस्ट तरीका है. इसके लिए बड़े डिब्बे या बोरी में रखें चावल के अंदर कटहल पेपर में लपेटकर एक से दो दिनों के लिए रख दीजिए, और इसको दो दिन के बाद निकाल लें. लीजिए आपका पका हुआ कटहल तैयार है. इसका ध्यान ज़रूर रहें कि आप ऐसे चावल के डिब्बे या बोरी में कटहल को रखें जिसे बार-बार खोलना न पड़े. ऐसा करने से ये अच्छे से पक नहीं पाएगा.

3. घास-फूस का करें उपयोग

ये तरीका आप अगर गांव में रह रहे हैं, तो आप इसको अपना सकते हैं. इस तरीके में आपको इसको पकाने के लिए घास-फूस की जरूरत होती है. इसके लिए आप पहले बड़े से बर्तन या एक जगह पर घास-फूस रख दीजिए, उसके बाद उसके बीच में कटहल को दबा दीजिए, और उसके ऊपर भी अच्छें से घास-फूस रख दीजिए. इस तरीके से आपका कटहल एक या दो दिनों में पककर तैयार हो जाएगा.

ट्रम्प की 2 अप्रैल की डेडलाइन के करीब आने से भारतीय दवा उद्योग तनाव में

भारत चीन नहीं है और चीन भारत नहीं है, हमें यह स्पष्ट रूप से समझना चाहिए। सबसे पहले, चीन एक साम्यवादी देश है, जिसका देश की नीतियों पर पूर्ण नियंत्रण है और उसे किसी भी तरह का विरोध नहीं करना पड़ता, जबकि भारत एक लोकतंत्र है, जहां सत्ता में बैठे राजनीतिक नेता लोगों और विपक्षी दलों के प्रति जवाबदेह हैं, जो सार्वजनिक हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं।क्या भारत भी चीन की तर्ज पर भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क के विरुद्ध जवाबी टैरिफ लगा सकता है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने दोस्ताना संबंधों के बावजूद सार्वजनिक रूप से घोषणा की है कि अमेरिकी उत्पादों पर भारतीय टैरिफ सबसे अधिक हैं, इसलिए क्यों नहीं भारतीय उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाये जायें।भारत चीन नहीं है और चीन भारत नहीं है, हमें यह स्पष्ट रूप से समझना चाहिए। सबसे पहले, चीन एक साम्यवादी देश है, जिसका देश की नीतियों पर पूर्ण नियंत्रण है और उसे किसी भी तरह का विरोध नहीं करना पड़ता, जबकि भारत एक लोकतंत्र है, जहां सत्ता में बैठे राजनीतिक नेता लोगों और विपक्षी दलों के प्रति जवाबदेह हैं, जो सार्वजनिक हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह आशंका है कि भारत के शीर्ष उद्योगपति गौतम अडानी और मुकेश अंबानी, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का लाभार्थी बताया जाता है, जिनका विनिर्माण से लेकर बुनियादी ढांचे और सूचना प्रौद्योगिकी तक के उद्योग में व्यापक प्रभाव है, अमेरिकी टैरिफ से बुरी तरह प्रभावित होंगे, हालांकि भारत के शीर्ष बैंक एसबीआई का दावा है कि भारतीय उद्योग पर अमेरिकी टैरिफ का प्रभाव सीमित होगा।एसबीआई रिसर्च का कहना है कि यूएस टैरिफ भारतीय निर्यात में केवल 3-3.5प्रतिशत की कटौती कर सकते हैं। भारत के विविध निर्यात यूएस टैरिफ प्रभाव को कम करेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत यूएस पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव को अवशोषित करने के लिए अच्छी स्थिति में है। रिपोर्ट के अनुसार विनिर्माण और सेवाओं में भारत के बढ़ते निर्यात पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव को नकार देंगे।जो भी हो, यदि ट्रम्प भारतीय दवाओं पर टैरिफ लगाते हैं, तो लाखों अमेरिकियों को दवाओं की लागत में उछाल देखने को मिल सकता है। अगले महीने भारत पर डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ के साथ, लाखों अमेरिकियों को अधिक चिकित्सा बिलों का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका में ली जाने वाली लगभग आधी जेनेरिक दवाएं अकेले भारत से आती

हैं। जेनेरिक दवाएं - जो ब्रांड-नाम वाली दवाओं के सस्ते संस्करण हैं - भारत जैसे देशों से आयातित हैं, जो अमेरिका में 10 में से नौ नुस्खों में उपयोग किए जाते हैं। इससे वाशिंगटन को स्वास्थ्य सेवा लागत में अरबों की बचत होती है। कंसल्टिंग फर्म इक्विआ के एक अध्ययन के अनुसार, अकेले वर्ष 2022 में, भारतीय जेनेरिक दवाओं से अमेरिका की बचत 219 बिलियन (169 बिलियन) तक पहुंच गयी।विशेषज्ञों का कहना है कि व्यापार समझौते के बिना, ट्रम्प के टैरिफ कुछ भारतीय जेनेरिक दवाओं को अव्यवहारिक बना सकते हैं, जिससे कंपनियों को बाजार के एक हिस्से से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है और मौजूदा दवा की कमी और बढ़ सकती है। येल विश्वविद्यालय की दवा लागत विशेषज्ञ डॉ. मेलिसाबारबर का कहना है कि टैरिफ %मांग-आपूर्ति असंतुलन को और खराब कर सकते हैं% और बीमा रहित और गरीब लोग दुष्प्रभावित होंगे। इसका असर कई तरह की स्वास्थ्य स्थितियों से पीड़ित लोगों पर पड़ सकता है। भारतीय फार्मास्युटिकल एलायंस (आईपीए) द्वारा वित्तपोषित इक्विआ अध्ययन के अनुसार, अमेरिका में उच्च रक्तचाप और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों के लिए 60प्रतिशत से अधिक नुस्खे भारतीय निर्मित दवाओं से भरे जाते हैं।

चीनी आयात पर अपने टैरिफ के कारण ट्रम्प पहले से ही अमेरिकी अस्पतालों और जेनेरिक दवा निर्माताओं के दबाव का सामना कर रहे हैं। अमेरिका में बेची जाने वाली 87 प्रतिशत दवाओं के लिए कच्चा माल देश के बाहर स्थित है और मुख्य रूप से चीन में केंद्रित है, जो वैश्विक आपूर्ति का लगभग 40प्रतिशत पूरा करता है।ट्रम्प के सत्ता में आने के बाद से चीनी आयात पर टैरिफ में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा दवाओं के लिए कच्चे माल की लागत पहले ही बढ़ गयी है। ट्रम्प चाहते हैं कि कंपनियां उनके टैरिफ से बचने के लिए विनिर्माण को अमेरिका में स्थानांतरित करें।फिजर और एलीलिली जैसी बड़ी फार्मा दिग्गज कंपनियां, जो ब्रांड नाम और पेटेंट वाली दवाएं बेचती हैं, ने कहा है कि वे कुछ विनिर्माण को वहां स्थानांतरित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन कम मूल्य वाली दवाओं के लिए अर्थशास्त्र सही नहीं है। भारत की सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी सन फार्मा के अध्यक्ष दिलीप संघवी ने पिछले सप्ताह एक उद्योग सभा में कहा कि उनकी कंपनी अमेरिका में प्रति बोतल 1 से 5 के बीच की दर से गोलियां बेचती है और टैरिफ हमारे विनिर्माण को अमेरिका में स्थानांतरित करने का औचित्य नहीं देते।इंडिया फार्मास्यूटिकल एसोसिएशन (आईपीए) के सुदर्शन जैन कहते हैं,

भारत में विनिर्माण अमेरिका की तुलना में कम से कम तीन से चार गुना सस्ता है। कोई भी त्वरित स्थानांतरण असंभव होगा। लॉबी समूह पीएचआरएमए के अनुसार, एक नई विनिर्माण सुविधा बनाने में 2 बिलियन तक की लागत आ सकती है और इसे चालू होने में पांच से 10 साल लग सकते हैं।भारत में स्थानीय फार्मा कंपनियों के लिए, टैरिफ झटका बहुत बड़ा हो सकता है। व्यापार अनुसंधान एजेंसी जीटीआरआई के अनुसार, फार्मास्यूटिकल क्षेत्र भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक निर्यात है।भारत सालाना लगभग 12.7 बिलियन मूल्य की दवाओं का निर्यात करता है, जिस पर लगभग कोई कर नहीं देना पड़ता है। हालांकि, भारत में आने वाली अमेरिकी दवाओं पर 10.91प्रतिशत शुल्क लगता है। इससे 10.9 प्रतिशत का %व्यापार अंतर% रह जाता है। जीटीआरआई के अनुसार, अमेरिका द्वारा कोई भी पारस्परिक टैरिफ जेनेरिक दवाओं और विशेष दवाओं दोनों की लागत बढ़ायेगा। यह फार्मास्यूटिकल्स को उन क्षेत्रों में से एक के रूप में चिह्नित करता है जो अमेरिकी बाजार में मूल्य वृद्धि के लिए सबसे अधिक असुरक्षित हैं।भारतीय कंपनियां जो बड़े पैमाने पर जेनेरिक दवाएं बेचती हैं, वे पहले से ही कम मार्जिन पर काम करती हैं और वे भारी कर व्यय वहन नहीं कर पायेंगी। वे प्रतिस्पर्धी साथियों की तुलना में बहुत कम कीमतों पर दवा बेचते हैं, और दुनिया के सबसे बड़े फार्मा बाजार में हृदय, मानसिक स्वास्थ्य, त्वचाविज्ञान और महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी दवाओं में लगातार प्रभुत्व हासिल कर चुके हैं।भारतीय उत्पाद कम प्रतिस्पर्धी हो जायेंगे, जिससे बाजार में गिरावट आएगी। निर्यात राजस्व में कमी और नौकरी का नुकसान, खास तौर पर श्रम-प्रधान उद्योगों में। रसायन, धातु, आभूषण, ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स, कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स और खाद्य उत्पादों सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर सबसे ज्यादा असर पड़ने की उम्मीद है।यदि अमेरिका अमेरिकी दवा आयात पर भारत के 10प्रतिशत टैरिफ से मेल खाता है, तो यह भारतीय निर्माताओं के मौजूदा लागत लाभ को समाप्त कर सकता है। यह कोई छोटी चिंता नहीं है, यह देखते हुए कि अमेरिका को दवा निर्यात भारत के कुल निर्यात का लगभग 31प्रतिशत है। यह अमेरिकी फार्मेसियों में बेची जाने वाली जेनेरिक दवाओं के निर्माता के रूप में भारत के महत्व को दर्शाता है। यदि ट्रम्प के टैरिफ उपभोक्ता कीमतों को बढ़ाते हैं, तो क्या अमेरिकी कंपनियां घरेलू स्तर पर जेनेरिक दवाओं का उत्पादन शुरू कर देंगी, जिससे भारत के सबसे आकर्षक निर्यात उत्पाद को नुकसान पहुंच सकता है?मोदी सरकार ने इस धारणा को कम करने में तेज़ी दिखाई है कि वह अमेरिकी दबाव के आगे झुक गई है। लेकिन ट्रंप की टिप्पणी से भारतीय नीति निर्माताओं में गहन आत्ममंथन की शुरुआत हो सकती है। भारत ने अपने घरेलू उद्योगों, खास तौर पर कृषि, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स की रक्षा के लिए लंबे समय से टैरिफ का इस्तेमाल किया है। टैरिफ कम करने से ये उद्योग भयंकर आयात प्रतिस्पर्धा के सामने आ सकते हैं, जिससे स्थानीय व्यापार और नौकरियों को खतरा हो सकता है।

संपादकीय

नीतीश कुमार का नारी विरोधी चेहरा

समाजवादी परिवार का हिस्सा रहने के कारण बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की छवि समतावादी और सुशासन की रही है लेकिन इन दिनों जो उनका व्यवहार और नीतियां सामने आ रही हैं, वे इस बात को उजागर करने के लिये काफी हैं कि भीतर से वे नारी विरोधी हैं और रुढ़िगत पितृसत्तात्मक समाज की मानसिकता से खुद को बहुत अलग नहीं कर पाये हैं। कुछ ही महीनों में उनके राज्य में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, उसमें उनकी जनता दल यूनाइटेड पर जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी हावी हो रही है और आगामी सरकार बनाने के लिये जैसी महत्वाकांक्षाएं न सिर्फ पाले बैठी है वरन उसका खुलकर इज़हार भी कर रही है, वह भी नीतीश बाबू की परेशानी का एक कारण हो सकता है। इतना ही नहीं, उनके मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं जारी हैं। यदि उनके बारे में बन रही इस आशय की धारणाएं सही हैं कि उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, तो यह भी देखा जाना चाहिये कि क्या उनका स्त्री विरोध इस मानसिकता का परिणाम तो नहीं है?हाल ही में वे प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के लिये विधान परिषद में जिस भाषावली का उपयोग कर रहे हैं वह उनके पद की गरिमा के प्रतिकूल और प्रजातंत्र के खिलाफ है। इन बयानों ने यह भी साबित किया है कि नीतीश कुमार का चेहरा चाहे प्रगतिशील नेता का हो लेकिन भीतरी तौर पर वे उस व्यापक भारतीय समाज का हिस्सा हैं जो अमूमन महिलाओं के प्रति वास्तविक सम्मान नहीं रखता। नीतीश कुमार अपने नारी विरोधी नज़रिये का कई बार परिचय दे चुके हैं। याद हो कि जब कुछ समय के लिये जेडीयू तथा राष्ट्रीय जनता दल की सरकार में वे मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने प्रजनन प्रक्रिया को लेकर बेहद आपत्तिजनक बयान दिया था। हालांकि उन्हें अपनी गलती का एहसास हो गया था। उन्होंने इसके लिये खेद जताते हुए खुद की ही भर्त्सना की थी। भरे सदन में उनके इस बयान पर विपक्ष, खासकर भाजपा की महिला विधायकों ने काफी विरोध किया था, जो हर तरह से वाजिब था। तब और अब में दो साल से ज्यादा का समय गुजर चुका है। कहते हैं कि तभी से नीतीश कुमार का व्यवहार असंतुलित सा हुआ दिखता है। हाल ही में एक कार्यक्रम में जब राष्ट्रगान हो रहा था, तो वे अपने बाजू में खड़े मुख्य सचिव से बात करने लगे और उनके टोकने पर भी सीधे खड़े न होकर सामने किसी का अभिवादन करते नज़र आये। उनका यह वीडियो देश भर में वायरल हुआ है जिसे देखकर लोगों का कहना था कि उनके खिलाफ राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान का मामला दर्ज होना चाहिये।विधान मंडल के जारी बजट सत्र में उनकी राबड़ी देवी से कई बार बहस हुई है। यह कोई नयी बात नहीं लेकिन जिस भाषा का इस्तेमाल उन्होंने किया, वह आश्चर्यजनक है।

जिन शब्दों का प्रयोग उन्होंने किया वह असंसदीय तो हैं ही, अमर्यादित भी। पिछले दिनों नीतीश ने राबड़ी देवी पर कटाक्ष करते हुए कहा था- इनके पति को इस पद से हटाया गया, इसलिए ही वह मुख्यमंत्री बन पाई थीं।% उल्लेखनीय है कि जब राबड़ी देवी के पति लालू प्रसाद यादव को भ्रष्टाचार के मामले पर मुख्यमंत्री पद से हटना पड़ा था तो राबड़ी देवी ने वह पद सम्हाला था। फिलहाल वे विधान परिषद की सदस्य हैं। मंगलवार को सदन की कार्यवाही के दौरान आरक्षण पर गर्मागर्म बहस हो रही थी। राबड़ी देवी जब कुछ कहने के लिये उठीं तो नीतीश कुमार ने उन्हें डपटते हुए कहा- %अरे बैठ अपनी कुर्सी पर! पार्टी तोहरे हसबैंड का है, तोहरा कुछ नहीं। बैठा तू!

राबड़ी देवी ने विरोध जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में वह अपने 8 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों पर बोल सकती हैं, तो नीतीश ने मगही भाषा में बेहद अशिष्ट भाषा का प्रयोग करते हुए कहा, %छोड़ ना, तोहरा कुछ मालूम है? मुख्यमंत्री ने आगे उन्हें अपमानित करते हुए कहा कि पार्टी इसके हसबैंड का है इ बेचारी तो ऐसे ही आ गई है।नीतीश कुमार की इस तरह की अशालीन भाषा का कारण उन पर पड़ रहा दबाव भी बतलाया जाता है। वे शायद इस खौफ़ में जी रहे हैं कि अगले विधानसभा चुनाव में उनका हश्र वैसा ही न हो जाये जैसा कि महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे का हुआ है।

एक बार ईदगाह पढ़िए मोदीजी

ईदगाह कहानी को जितनी बार भी पढ़ें, हर बार चमत्कृत सी खुशी मिलती है कि एक कथानक को कितना सुंदर विस्तार प्रेमचंद ने दिया है। आज ईदगाह कहानी की याद आने के दो प्रमुख कारण हैं। एक तो जल्द ही रमज़ान का महीना खत्म होने वाला है और फिर ईद आने वाली है। दूसरा सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार ईद से पहले सौगात ए मोदी नाम से एक अभियान शुरु किया है। जिसके तहत पार्टी देश भर में 32 लाख मुसलमानों को ईदी बांटेगी।

रमज़ान के पूरे तीस रोज़ों के बाद ईद आई है। कितना मनोहर, कितना सुहावना प्रभात है। वृक्षों पर अजीब हरियाली है, खेतों में कुछ अजीब रौनक़ है, आसमान पर कुछ अजीब लालिमा है। आज का सूर्य देखो, कितना प्यारा, कितना शीतल है, यानी संसार को ईद की बधाई दे रहा है। गांव में कितनी हलचल है। ईदगाह जाने की तैयारियां हो रही हैं।

हममें से बहुतों ने इन पंक्तियों को अपने बचपन में पढ़ा होगा। बताने की आवश्यकता शायद नहीं है, क्योंकि इन पंक्तियों में ईद की रौनक और ईदगाह जाने की तैयारी का वर्णन जिस तरह से किया गया है, पाठक समझ ही गए होंगे कि ये कथासम्राट प्रेमचंद की लेखनी का कमाल है। एक-एक शब्द पूरी जीवंतता के साथ आंखों के सामने उभर जाता है। ईद के मुबारक मौके पर गांव के बाकी बच्चों के साथ ईदगाह जाने की तैयारी में जुटे हामिद की मनोदशा का बड़ा मार्मिक वर्णन प्रेमचंद ने किया है। हामिद गरीब और अनाथ है, उसके जीवन में उसकी बूढ़ी दादी अमीना के सिवाए कोई नहीं है, जो बमुश्किल हामिद को महज तीन पैसों के साथ मेले भेजती है और आखिर में हामिद मेले में झूलों, मिठाइयों, खिलौनों को देखते हुए अपनी सारी इच्छाओं को मारकर दादी के लिए चिमटा खरीद लेता है, ताकि रोटी बनाते हुए उसके हाथ न जलें।

इस कहानी में बाल मनोविज्ञान को तो प्रेमचंद ने बेहद खूबसूरती से उकेरा ही है, तत्कालीन समाज का भी कमाल चित्रण किया है। प्रेमचंद लिखते हैं...सहसा ईदगाह नज़र आया। ऊपर इमली के घने वृक्षों की छाया है। नीचे पक्का फ़र्श है, जिस पर जाज़िम बिछा हुआ है। और रोज़ेदारों की पंक्तियां एक के पीछे एक न जाने कहां तक चली गई हैं, पक्के जगत के नीचे तक, जहां जाज़िम भी नहीं है। नए आने वाले आकर पीछे की क़तार में खड़े हो जाते हैं। आगे जगह नहीं है। यहां कोई धन और पद नहीं देखता। इस्लाम की निगाह में सब बराबर हैं। इन ग्रामीणों ने भी वज़ू किया और पिछली पंक्ति में खड़े हो गए। कितना सुंदर संचालन है, कितनी सुंदर व्यवस्था! लाखों सिर एक साथ सिजदे में झुक जाते हैं, फिर सबके सब एक साथ खड़े हो जाते हैं, एक साथ झुकते हैं, और एक साथ घुटनों के बल बैठ जाते हैं। कई बार यही क्रिया होती है, जैसे बिजली की लाखों बत्तियां एक साथ प्रदीप्त हों और एक साथ बुझ जाएं, और यही क्रम चलता रहे। कितना अपूर्व दृश्य था, जिसकी सामूहिक क्रियाएं, विस्तार और अनंतता हृदय को श्रद्धा, गर्व और आत्मानंद से भर देती थीं, मानों भ्रातृत्व का एक सूत्र इन समस्त आत्माओं को एक लड़ी में पिरोए हुए है।

ईदगाह कहानी को जितनी बार भी पढ़ें, हर बार चमत्कृत सी खुशी मिलती है कि एक कथानक को कितना सुंदर विस्तार प्रेमचंद ने दिया है। आज ईदगाह कहानी की याद आने के दो प्रमुख कारण हैं। एक तो जल्द ही रमज़ान का महीना खत्म होने वाला है और फिर ईद आने वाली है। दूसरा सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार ईद से पहले सौगात ए मोदी नाम से एक अभियान शुरु किया है। जिसके तहत पार्टी देश भर में 32 लाख मुसलमानों को %ईदी% बांटेगी। इस सौगात में जरूरतमंद मुसलमानों को एक किट दी जा रही है। जिसमें सेवइयां, सूखे मेवे, खजूर, महिलाओं के लिए सलवार सूट और पुरुषों के लिए कुर्ता पजामा का कपड़ा है। ईदी बांटने के लिए 32 हजार मस्जिदें देश भर में चिन्हित की गई हैं जहां भाजपा के कार्यकर्ताओं को ये सौगात बांटने की जिम्मेदारी दी गई है। बताया जा रहा है कि अगले महीने गुड फ्राइडे और ईस्टर पर भी ईसाई समुदाय को ऐसे ही तोहफे बांटने की तैयारी चल रही है।

पहले तो इस अभियान के नाम की ही तारीफ कर लें, सौगात ए मोदी, यानी खालिस उर्दू ज़बान का इस्तेमाल इसके लिए किया गया है। पिछले दिनों जिस तरह उप्र विधानसभा में उर्दू को लेकर अप्रिय और अनावश्यक बहस भाजपा ने छेड़ी थी, क्या इसे उसका भूल सुधार माना जाए। खैर, इस अभियान से इस बात की भी खुशी है कि श्री मोदी ईद पर औपचारिक बधाई के शब्द लिखने से आगे बढ़ कर ईदी बांटने की बात कर रहे हैं। वर्ना वो दिन भी लोगों को याद है जब गुजरात दंगों के बाद नरेन्द्र मोदी ने सद्भावना उपवास तो किया, लेकिन सद्भावना दर्शाने के लिए मुस्लिम धर्मगुरुओं की तरफ से पेश की गई टोपी को पहनने से इंकार कर दिया था। अभी श्री मोदी न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री के साथ गुरुद्वारे गए थे और वहां उन्होंने पगड़ी पहनी थी, तो उनके प्रशंसकों ने गर्व से टोपी न पहनने का वीडियो जारी करते हुए लिखा था कि 20 प्रतिशत वोट खोने का डर उन्हें नहीं है, जबकि सिखों की पगड़ी पहनने में श्री मोदी को कोई ऐतराज नहीं है।अच्छा है कि जो मन में है उसे खुलकर जाहिर कर दिया जाए। श्री मोदी तो वैसे भी मन की बात करने के उस्ताद हो चुके हैं। लेकिन अब भी उनके मन की बात का पूरी तरह से खुलासा नहीं हुआ है कि यूं अचानक ईद पर सौगात देने का ख्याल कैसे आ गया। वैसे तो भाजपा का तर्क है कि श्री मोदी हमेशा से अल्पसंख्यकों के हितैषी रहे हैं और उनका लक्ष्य सबका साथ, सबका विकास का है। विपक्ष ने सौगात ए मोदी पर जो सवाल उठाए हैं, उस पर भाजपा नाराजगी जता रही है।

लेकिन सवाल उठने तो वाजिब हैं कि जो काम केंद्र की सत्ता में 11 साल रहते हुए नहीं किया और उससे पहले लगभग इतने ही साल गुजरात की सत्ता में रहकर नहीं किया, उसे करने का ख्याल एकदम से कैसे आ गया। क्या फरवरी में कतर से पधारे अमीर शेख़ तमीम बिन हमाद अल-थानी से दो दिनों की मुलाकात में नरेन्द्र मोदी का हृदय परिवर्तन हुआ। या इस समय जिस तरह वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम पर मुसलमानों ने मोर्चा खोल लिया है, उससे भाजपा चौकन्नी हो गई है और किसी बड़ी विपदा के आने से पहले बचाव की तैयारी में जुट गई है। अभी 17 मार्च को जंतर-मंतर पर मुस्लिम संगठनों के आह्वान पर जोरदार प्रदर्शन देश भर से आए मुसलमानों ने किया था। इसमें मुस्लिम संगठनों ने नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू से भी साथ देने का आग्रह किया था। बुधवार को बिहार विधानसभा के बाहर फिर से इसी तरह का प्रदर्शन हुआ। इस बीच नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान की दावत-ए-इफ्तार का बहिष्कार भी जमीयत उलेमा ए हिंद समेत कई संगठनों ने किया। बिहार चुनाव से पहले इस तरह के बहिष्कार से एनडीए के लिए फिर से जीत दर्ज करना कठिन हो सकता है और इसका असर केंद्र की सत्ता पर भी पड़ सकता है।

तो क्या चुनावी गणित पर विचार करके सौगात ए मोदी जैसे अभियान का ख्याल श्री मोदी और भाजपा को आया है। वैसे चंद सूखे मेवों और कपड़ों की ईदी से एकाध दिन की खुशी मिल सकती है, मगर मुस्लिमों का असली हित तो तभी होगा, जब उन्हें दोयम दर्जे के नागरिकों की तरह न देखा जाए, न उनके साथ भेदभाव भरा व्यवहार हो। उनके नमाज़ पढ़ने पर उसी तरह ऐतराज न जताया जाए, जैसे किसी भी पेड़ के नीचे चबूतरे पर मंदिर बनाकर कीर्तन करने पर न किया जाता है। अभी नवरात्रि आने से पहले ही काशी, दिल्ली समेत कई जगहों पर मांस की दुकानें बंद करने की मांग उठ गई है, जबकि ईद भी आ रही है। बेशक इसमें सेवइंया मुख्य तौर पर बनाई जाएगी, लेकिन बाकी सामिष और निरामिष पकवान भी बनेंगे ही, फिर इस तरह के फरमान क्यों जारी किए जा रहे हैं। अभी होली पर ही अल्पसंख्यकों को जबरन डराने वाले बयान सत्ता और प्रशासन में बैठे लोगों की तरफ से आए थे। पिछले 11 सालों के ऐसे न जाने कितने उदाहरण हैं, जिनमें अल्पसंख्यकों, खासकर मुस्लिमों को केवल धर्म के कारण ही निशाने पर लिया गया।

तो प्रधानमंत्री जी से आग्रह है कि चुनाव के पहले ईदी देने से बेहतर है कि आप देश में फिर से वैसा ही माहौल बनाने के लिए काम करें, जैसे माहौल का वर्णन प्रेमचंद ने ईदगाह में किया है। एक बार ईदगाह पढ़िए मोदीजी, जहां अमीर-गरीब का भेद नहीं है और ईद की खुशियां कैसे मनाई जा रही हैं, इसका चित्रण एक लेखक खुलकर कर पा रहा है। सौगात तो ऐसी दीजिए कि फिर से लेखक ऐसे ही सुंदर समाज का मनोहारी खाका खींच सकें। आमीन।

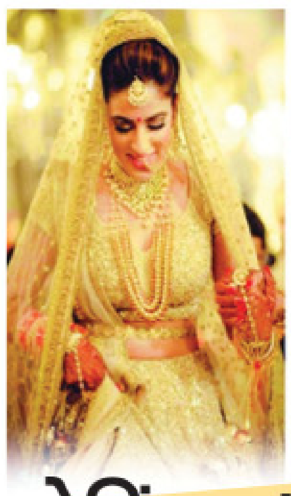

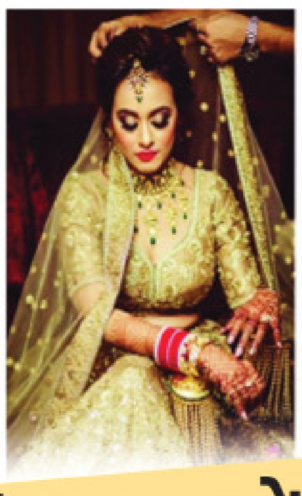

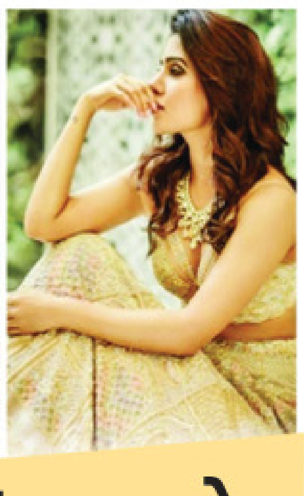

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेंडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

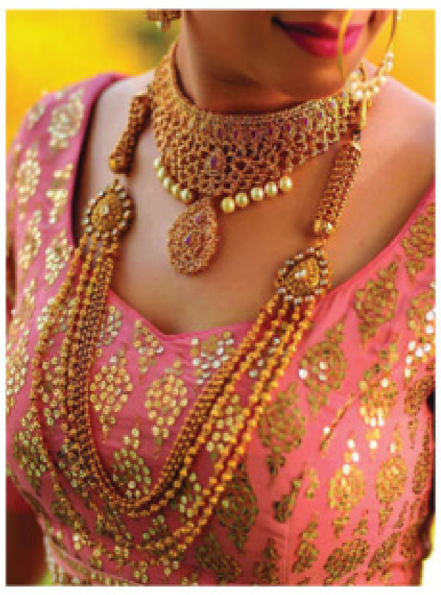

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही ड्रस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑर्ड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को-ऑर्ड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फलांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं।

इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

फंडा यूनिसैक्स फैशन का

पहले समय में महिलाओं और पुरूषों के पहनावे में स्पष्ट अंतर था। पहनावे के कारण पीछे से भी पता चल जाता था कि पुरूष है या स्त्री। समय बदलने के साथ धीरे-धीरे इनके पहनावे, आभूषणों में भी समानता आने लगी। अब बहुत-सी चीजें ऐसी हैं जिन्हें दोनों धड़ल्ले से प्रयोग करते हैं। इन चीजों को यूनिसैक्स आइटम्स कहा जाता है जैसे-

स्टोल:- स्टोल गले में डालने वाला कुछ समय पूर्व का ट्रैंड जिन्हें फार्मल और कैजुअल वीयर में प्रयोग किया जाता है। कैजुअल और फार्मल स्टोल लड़के कुर्त्ते-पायजामे, पाजामी के साथ प्रयोग में लाते हैं और लड़कियां जींस-कुर्त्ती और पाजामी-कुर्त्ते के साथ इनका प्रयोग करती हैं।

सॉक्स :- आजकल बाजार में ऐसी सॉक्स आ रही हैं जिन्हें लड़के और लड़कियां दोनों प्रयोग में ला रहे हैं। एंकल लैंथ और उनसे ऊपर की लैंथ वाली।

स्लीपर्स और स्पोर्ट्स शूज :- फ्लोटर्स, कोल्हापुरी चप्पल, जूतियां और स्पोर्ट्स शूज वगैरह में तमाम स्टाइल दोनों को ध्यान में रख कर तैयार किए जा रहे हैं।

ब्रेसलैट्स और बैंड्स :- हाथों में पहनने वाले चौड़े बैंड्स आजकल दोनों में पापुलर हैं और ब्रेसलैट्स भी दोनों जैंडर्स में पॉपुलर हैं।

स्कार्फ और मफलर :- लड़कियां अक्सर स्कार्फ स्कूटर, बाइक पर जाते समय बालों को सुरक्षित रखने की दृष्टि से सिर पर बांधती हैं या सर्दियों के मौसम में कानों को ठंडी हवा से बचाने के लिए। वहीं लड़के भी सर्दियों में गले को ठंड से बचाने के लिए मफलर का प्रयोग करते हैं और जीन-जैकेट के साथ स्कार्फ भी गले में पहने रखते हैं।

टैटू :- आधुनिक समय का हॉट ट्रैंड है शरीर पर टैटू बनवाना। लड़के-लड़कियां आज के समय में बाजू पर टैटू बनवाना, गर्दन के पीछे या नाभि के पास टैटू बनवाने की होड़ नें लगे रहते हैं। कई लोग तो परमानैंट टैटू भी बनवाते हैं।

टी शर्ट्स :- टी शर्ट्स यूनिसैक्स में पहनने का ट्रैंड नया नहीं है। यह तब से है जबसे लड़कियों ने जींस और ट्राऊजर पहनने शुरू किए थे। आज मार्कीट में बहुत बड़ी रेंज ऐसी टी शर्ट्स की हैं जिन्हें दोनों वर्ग आराम से पहन सकते हैं।

सनग्लासेस :- सनग्लासेस एक्सैसरी आइटम हैं जो दोनों जैंडर्स की खास पसंद हैं।

शॉर्ट कुर्तियां :- शॉर्ट कुर्तियां जींस पर पहनने का ट्रैंड पिछले पांच-छः साल से काफी प्रचलित है विशेषकर श्लोक वाली कुर्तियां दोनों जैंडर्स में काफी पॉपुलर हैं। कालेज ब्वायज और गर्ल्ज की यह खास पसंद हैं।

रिस्ट वॉचेज :- आजकल लड़कियां भी लड़कों की तरह चौड़ी और स्पोर्टी घड़ियां पसंद करती हैं। मार्कीट में विविध स्टाइल की घड़ियां उपलब्ध हैं जिन्हें कोई भी खरीद कर पहन सकता है। बस जो स्लीक घड़ियां हैं उन्हें लड़के पहनना पसंद नहीं करते।

पियर्सिंग :- कान छिदवाना लड़कियों का ही शौक रहा है पर अब लड़के भी कान, नाभि, आईब्रोज, चिन वगैरह छिदवाने लगे हैं। दोनों जैंडर्स को पियर्सिंग का दीवाना आज के युग में देखा जाने लगा है।

नैक पीसेज :- लड़के भी लड़कियों की तरह गले में बड़ा लॉकेट काले धागे या पतली चेन में पहने देखे जाने लगे हैं। ये सब शौक कॉलेज ब्वायज में अधिक होते हैं।

थंब रिंग्स :- थंब रिंग्स पहनना पहले पुरूषों ने प्रारम्भ किया था पर अब लड़कियां भी शौक से थंब रिंग पहनने लगी हैं।

छोटी बालियां :- पहले समय में कानों में बालियां राजा-महाराजा या साहूकार पहनते थे या किसी के घर बहुत लड़कियों के बाद लड़का होता था तो उसके कानों में बालियां डाली जाती थीं पर अब यह ट्रैंड यूनिसैक्स फैशन का फंडा है।

ईयर रिंग्स :- बालियों के अलावा बहुत छोटी ईयर रिंग्स भी आजकल बहुत पॉपुलर हैं विशेषकर एक डायमंड वाले। फर्क इतना है बालियां या ईयर रिंग लड़के एक कान में पहन कर अपना स्टाइल बनाते हैं और लड़कियां दोनों कानों नें।

वॉलेट्स :- लड़कियां हैंड बैग्स में अब वॉलेट्स छोटे आकार का रखने लगी हैं जिनमें कार्ड्स और पैसे दोनों रखती हैं। पहले वॉलेट्स बस लड़कों के पास ही होते थे पर अब वॉलेट्स का प्रयोग दोनों बखूबी करते हैं।

हेयर बैंड :- पिछले कुछ समय से लड़के भी अपने बाल बढ़ाने लगे हैं। बड़े बालों को संभालने के लिए बालों पर हेयर बैंड का प्रयोग करते हैं ताकि बाल आंखों को परेशान न करें। इसी प्रकार पीछे पोनी भी बनाते हैं जिनमें रबड़ बैंड का प्रयोग करते हैं।

... ताकि बेटी हो सर्वगुण सम्पन्न

अपनी बेटी को पति-धर्म के प्रति पूर्ण समर्पित होने के बारे में समझाएं। वह जैसे भी हैं उन्हें उसी रूप में स्वीकार करे तथा उन्हें समझने का प्रयत्न करे। उनसे कोई शिकायत हो तो प्यार से मूड देख कर बात करे। सास-ससुर को मान-सम्मान और ननद व देवर को भाई-बहन जैसा प्यार देकर घर को जोड़ने में विश्वास रखें।

बेटा हो या बेटी, उसके पैदा होते ही माता-पिता जमाने की हर खुशी उसके कदमों में डाल देना चाहते हैं। खासतौर से जब बात हो बेटी की तो उसके लिए उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हालांकि बेटा-बेटी को वे समान रूप से पालते हैं, उन्हें अच्छी शिक्षा और संस्कारों से परिचित कराते हैं परन्तु फिर भी बेटी को शारीरिक और मानसिक तौर पर इस तरह से विभिन्न परिस्थितियों में ढलने को तैयार किया जाता है कि युवा होने के बाद जब वह ब्याह कर अपने ससुराल जाए तो उसे एक नए वातावरण में सामंजस्य बिठाने में मुश्किल न हो। यह भी सच है कि बेटी उन बातों का अनुसरण कर स्वयं को एक बहू, पत्नी और मां के रूप में ढाल कर सबका प्यार और आशीर्वाद प्राप्त करती है और एक सुखद पारिवारिक वातावरण की नींव रखती है।

अपनी बेटी की विवाहित जिंदगी को सुखमय बनाने में अधिक जिम्मेदारी मां की होती है।

- अपनी बेटी को पढ़ा-लिखा कर इस काबिल बनाएं कि समय पड़ने पर वह अपने पति को आर्थिक रूप से सहयोग दे पाए। उसे आगे आने वाली परिस्थितियों के लिए तैयार करें ताकि मानसिक रूप से तत्पर होकर वह कठिन से कठिन स्थिति में निर्णय ले सकने में सक्षम हो सके। मुश्किल समय में संयम रखना व अपने परिवार को संभालने में उसकी मदद करें।
- मायके और ससुराल की दिनचर्या, माहौल और रीति-रिवाजों में जमीन-आसमान का अंतर होता है, अतः यह समझाना जरूरी है कि ससुराल में एक बहू की मर्यादा का वह पूरा ध्यान रखे। अगर वह वहां लोगों से प्यार और सम्मान चाहती है तो उसमें भी अपने ससुराल के पारिवारिक सदस्यों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के गुण विद्यमान होने चाहिए। वहां बार-बार मायके जाने की जिद करे। वह किसी को भी बिन मांगे सलाह न दे तथा जब भी कुछ बोले सोच-समझ कर ही बोले।
- उसे बताएं कि कैसे सबका दिल जीता जाता है। इसके लिए जरूरी है कि आप एक बेटी की मां होने के नाते स्वयं का व्यवहार भी संयमित रखें क्योंकि कई बार जैसा वह अपने मायके में देखती है वैसा ही वह अपने ससुराल में भी कर सकती है। उसे रिश्तों का महत्व समझाएं। मिल-जुल कर रहने और बड़ों का आदर करने की शिक्षा दें।
- अपनी बेटी को पति-धर्म के प्रति पूर्ण समर्पित होने के बारे में समझाएं। वह जैसे भी हैं उन्हें उसी रूप में स्वीकार करे तथा उन्हें समझने का प्रयत्न करे। उनसे कोई शिकायत हो तो प्यार से मूड देख कर बात करे। सास-ससुर को मान-सम्मान और ननद व देवर को भाई-बहन जैसा प्यार देकर घर को जोड़ने में विश्वास रखें। उसे ममता के मायने बताएं ताकि जब वह मां बने तो बच्चों की परवरिश की पूरी जिम्मेदारी उठा सके।
- अपनी सोच को हमेशा पॉजीटिव रखें और दूसरों की बुराई से दूर रहें। प्रत्येक को प्यार से बुलाएं और सबकी परेशानियों को अपना समझ कर उनका निदान करने की कोशिश करें। एक मां के रूप में आप अपनी बेटी को घर के कामों में भी ट्रेन्ड करें, खासतौर से रसोई-शिक्षा उसके लिए बहुत ही जरूरी है। उसे खाना बनाना आना चाहिए क्योंकि कहते हैं कि प्यार का रास्ता पेट से होकर गुजरता है।

कुल मिला कर अपनी बेटी को सर्वगुण सम्पन्न बनाएं क्योंकि ससुराल में उसकी वाहवाही आपकी मेहनत का फल होगा। आपके दिए गए संस्कारों से वह अपनी गृहस्थी को फलीभूत करेगी तो आपके लिए यह गर्व की बात होगी।

पोटैटो चीज सैंडविच

सामग्री : 2 उबले हुए आलू, 1 शिमला मिर्च, 50 ग्राम कद्दूकस किया हुआ चीज, नमक स्वादानुसार, आधा टीस्पून काली मिर्च पाऊडर, ब्राऊन ब्रैड स्लाइस, बटर।

विधि : आलू व शिमला मिर्च को स्लाइस में काट लें। ब्रैड पर बटर लगा कर आलू व शिमला मिर्च की स्लाइस रखें। नमक व काली मिर्च बुरक दें। अब चीज स्लाइस लगाएं। इसी तरह आलू, शिमला मिर्च व चीज स्लाइस की एक लेयर और बनाएं। बटर लगा कर ग्रिल करें। हरी चटनी व सॉस के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 2021

■	■	■	12	21	■	9	12	■	■
■	11	16 / 11			16			7	13
11					10 / 7				
12			13 / 9			14	13 / 7		
■	8			11 / 8					■
■	■	3 / 20			11 / 9			18	■
■	30 / 4					13 / 11			6
11			3	3 / 16			3 / 13		
13					29				
■	■	10			5			■	■

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

15 / 24	1	2	3	4	5
7					
8					
9					

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2020 का हल

■	■	11	4	■	■	23	10	■	■
■	3 / 6	2	1	■	7 / 13	6	1	10	■
6	2	1	3	29 / 19	5	8	9	7	4
4	1	3	24 / 21	8	7	9	3 / 10	2	1
15	3	5	4	2	1	6 / 23	2	1	3
■	8	17 / 11	8	9	7 / 18	6	1	30	19
24	7	8	9	34 / 7	9	8	7	6	4
3	1	2	17 / 4	1	7	9	13 / 15	7	6
■	10	1	3	4	2	24	7	8	9
■	■	3	1	2	■	17	8	9	■

लॉफिंग ज़ोन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

◻ ◻ ◻

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

◻ ◻ ◻

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो।

भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा- तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

◻ ◻ ◻

फिल्म वर्ग पहेली - 2021

1		2	3	■	4	5	■	6	
	■	7		8	■	9			■
	■		■	10	11		■	12	
■	13			■		■	14		■
15		■	■	16		17	■	■	18
	■	19			■	20			
21	22		■		■		■	■	
■		■	23		24	■	25	■	
26	■	27		■	28				■
29		■	30					■	31

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुध्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2020

घ	रौं	दा	■	जा	लि	म	■	आ	■
र	■	मि	ल	न	■	न	सी	ह	त
■	स	नी	■	व	■	■	मा	■	र
खे	ल	■	नू	र	ज	हाँ	■	मा	ला
■	मा	धु	री	■	मी	■	आँ	सू	■
शा	न	■	■	औ	र	त	■	म	स्त
गि	■	दि	ल	■	■	रा	खी	■	■
र्द	■	ल्ल	■	आ	र	जू	■	■	आ
■	स	गी	ना	■	वी	■	जा	गृ	ति
ह	त्या	■	ना	■	ना	गि	न	■	श

सूडोकु -2021

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2020 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली -2021

■	1		2		3	■	4		5	6
7		■		■	8			■	9	
	■	10				■	11	12	■	
13			■	■	14		■	15	16	
	■		■	17		■	18	■		■
19	20		21		■	22		23		24
■		■		■	25		■		■	
26		27	■	28		■	■	29		
	■	30	31	■	32		33		■	
34	35	■	36			■		■	37	
38				■	39					■

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -2020 का हल

■	व	र	दा	न	■	अ	प	मा	न	■
स	■	■	य	■	म	■	ह	■	■	ह
र	■	श	रा	र	त	क	र	ना	■	व
क	ल	ह	■	■	वा	■	■	का	न	न
ना	■	र	■	अ	ला	व	■	रा	ख	■
■	दा	■	का	म	■	च	प्पू	■	रा	■
■	व	जु	■	न	म	न	■	पा	■	मु
क	त	रा	■	■	हा	■	■	ल	ल	क
ल	■	ब	लि	दा	न	क	र	ना	■	र
म	■	■	ख	■	ता	■	ई	■	■	ना
■	ना	ना	ना	नी	■	फि	स	ल	ना	■

राज्यपाल से विधानसभा अध्यक्ष ने शिष्टाचार मुलाकात की

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से राजभवन में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को अहिल्याबाई होल्कर पर प्रकाशित पुस्तक भी भेंट स्वरूप प्रदान की। राज्यपाल बागडे से विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने विभिन्न विषयों पर संवाद भी किया। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

यूपी में पहले माफिया राज था, अब शांति और समृद्धि : मंत्री असीम अरुण

हरदोई। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के 8 साल पूरे होने पर प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में सरकार के मंत्री, विधायक और पार्टी के नेता शामिल होकर प्रदेशवासियों को योगी सरकार के 8 सालों में किए गए कार्यों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। इस कड़ी में मंगलवार को हरदोई जिले में भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने शिरकत की। कार्यक्रम के बाद असीम अरुण ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए योगी सरकार के 8 वर्षों के कार्यकाल को ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि 2017 में जब समाजवादी पार्टी ने प्रदेश को जिस हालत में छोड़ा था, उस वक्त से लेकर अब तक, सीएम योगी ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था को सुधारने के साथ-साथ राज्य के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने किसानों के ऋण माफ किए, कृषि क्षेत्र के लिए कई योजनाएं बनाई और उद्योग-धंधों के लिए रास्ते खोले। उत्तर प्रदेश आज एक्सप्रेसवे और एयरपोर्ट के मामले में देशभर में पहले स्थान पर है। जल्द ही 21 नए एयरपोर्ट प्रदेश में बनेंगे और हम इस क्षेत्र में पहले स्थान पर होंगे।

'विरासत में गद्दी मिल सकती है, बुद्धि नहीं', अखिलेश यादव पर भड़के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता

मिर्जापुर। योगी सरकार के 8 साल पूरे होने पर प्रदेश भर में जगह-जगह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मिर्जापुर में तीन दिवसीय प्रदर्शनी कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कैबिनेट मंत्री और मिर्जापुर जिले के प्रभारी मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश सरकार की विभिन्न उपलब्धियों को साझा किया और विपक्षी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। नंद गोपाल गुप्ता ने मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव के उस बयान पर जवाब दिया, जिसमें उन्होंने प्रदेश सरकार के आठ वर्षों को नकारात्मक रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा था कि आठ साल की खुशियां क्या मनाएं, जब प्रदेश को बर्बाद कर दिया है। सपा के मुखिया को जवाब देते हुए नंद गोपाल गुप्ता ने कहा कि अखिलेश यादव ने महाकुंभ के आयोजन में खलल डालने का प्रयास किया था और तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा देते हुए अपने वोट बैंक को साधने के लिए सोशल मीडिया पर अनाप-शनाप पोस्ट किए। लेकिन, जनता ने उनके इस प्रयास को नकार दिया। मंत्री ने आगे कहा कि अगर आप अखिलेश यादव के एक्स पोस्ट को देखें, तो आप पाएंगे कि जनता ने उन्हें नकारते हुए हर बार जवाब दिया है। उनका हर पोस्ट इस बात का प्रमाण है कि लोग उन्हें पूरी तरह से अस्वीकार कर चुके हैं। उनकी पार्टी के लोग औरंगजेब को अपना मानते हैं, अगर उनकी पार्टी के लोग औरंगजेब को महान बनाने की बात करेंगे और महाराणा प्रताप को कलंकित करने का काम करेंगे, तो इस देश की जनता अच्छी तरह से जानती है।

बिना नक्शा के निर्माण मामले में सपा सांसद की बढ़ रहीं मुश्किलें, रिपोर्ट के बाद तय होगी कार्रवाई

संभल। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के बिना नक्शा पास कराए निर्माण कराने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में अभी तक कुल 14 तारीखें लग चुकी हैं। भी एक टीम मौके पर पहुंची। उसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

संभल की एसडीएम वंदना मिश्रा ने बताया कि सपा सांसद के यहां अधिकारी पैमाइश करने पहुंचे थे। बिना अनुमति के नवनिर्माण के मामले में अधिकारी निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। इस दौरान जरूरी जानकारियां जुटाई गईं। यह प्रकरण पिछले साल 5 दिसंबर से चल रहा है। अब तक कुल 14 तारीखें लग चुकी हैं। अगली तारीख 5 अप्रैल को तय की गई है। अभी टीम जो गठित हुई है, उसकी आख्या के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। बता दें कि बिना नक्शा पास कराकर बनाए गए सांसद जियाउर्रहमान बर्क के आवास की जांच के लिए सोमवार शाम दो सदस्यीय टीम पहुंची। ये टीम जांच पूरी कर जल्द ही एसडीएम को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। एसडीएम ने 18 मार्च को लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता और विनियमित क्षेत्र के अवर अभियंता को जांच टीम में शामिल कर तीन दिन में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था।

रामनवमी में श्रद्धालुओं के अयोध्या आने पर न हो रोकटोक : बृजभूषण सिंह

एजेंसी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश की कैसरगंज लोकसभा सीट से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि रामनवमी में पूरे देश से लोग यहां आते हैं। उन्हें आने दिया जाना चाहिए। रामनवमी के समय लोगों के अयोध्या आने पर किसी भी प्रकार की रोक-टोक नहीं होनी चाहिए।

महिला पहलवानों के साथ छेड़छाड़ के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व प्रमुख ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि रामनवमी में पूरे देश के श्रद्धालु अयोध्या पहुंचते हैं। हर कोई रामनवमी पर अयोध्या आना चाहता है, इसमें जिला प्रशासन कोई रोकटोक न करे। उन्होंने कहा कि कभी-कभी बयान आते हैं कि लोग अयोध्या न आएं। ऐसे बयान भी रामनवमी पर नहीं आने चाहिए,

क्योंकि रामनवमी पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहले भी अयोध्या आते रहे हैं। ऐसे में रामनवमी के समय किसी भी प्रकार की रोकटोक नहीं होनी चाहिए। उम्मीद है कि इस बार प्रशासन अच्छी व्यवस्था करेगा।

उन्होंने सौगात-ए-मोदी किट पर कहा कि प्रधानमंत्री जो करते हैं, वह सोच-समझकर करते हैं। उनके किसी भी कार्य पर सवाल नहीं उठाना चाहिए। विपक्ष का काम सवाल उठाना है; अच्छा काम करिए तो सवाल करेंगे, काम नहीं करिए तो भी सवाल उठाएंगे। उनका काम ही सवाल उठाना है। इसी कारण हम कहते हैं कि विपक्ष में दैत्य गुरु शुक्राचार्य की आत्मा प्रवेश कर गई है। उन्हें समझ में नहीं आता है कि क्या करना चाहिए।वक्फ विधेयक को लेकर हो रहे प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्ति पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से कब्जा किया है। ऐसे में यह बिल सही है। सरकार का निर्णय है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के फैजाबाद सांसद अवधेश प्रसाद को लेकर कहा कि बुजुर्ग हैं, बेचारे सांसद का सम्मान कीजिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के आठ साल पूरे होने पर कहा कि बहुत उपलब्धि दिख रही है। राम मंदिर भी दिख रहा है।

'सौगात-ए-मोदी' का मैसेज साफ, भाजपा सबके साथ : मंगल पांडेय

एजेंसी

पटना। बिहार के मंत्री मंगल पांडेय ने ईद के अवसर पर भाजपा द्वारा दी जाने वाली 'सौगात-ए-मोदी' को लेकर कहा कि इसका मैसेज साफ और स्पष्ट है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' तो सबका जो साथ है, यही है। हम सबके साथ हैं। सभी धर्म के लोगों की खुशी में हम उनके साथ हैं। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, 'ईद के अवसर पर अल्पसंख्यक परिवारों को प्रधानमंत्री अपनी सौगात भेज रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी तो बार-बार कहते हैं कि 140 करोड़ भारतवासी उनके परिवार के सदस्य हैं। जब, जहां खुशी होती है, प्रधानमंत्री मोदी शरीक होते हैं।' उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और राजद के बीच खींचतान पर कहा कि यह उनकी आपस की लड़ाई है। यह चूहे-बिल्ली का खेल चल रहा है। अंततः कांग्रेस कुछ भी बोल ले, लेकिन यह कांग्रेस की मजबूरी है। होना वही है, जो राजद के लोग चाहेंगे। कांग्रेस की इतनी ताकत नहीं है कि वह राजद के सामने खड़े होकर बात कर सके। उन्होंने उत्तर प्रदेश में सड़कों पर नमाज मामले को लेकर कहा कि देखिए, ये कानून व्यवस्था की बात होती है। वहां का स्थानीय प्रशासन परिस्थितियों के अनुसार फैसला लेता है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में एक महीने के अंदर 19 हजार से ज्यादा नियुक्तियों का विज्ञापन निकाला गया है, जिससे आम लोगों को बढ़िया स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। अभी और भी नर्सों का विज्ञापन निकलने वाला है। विभाग द्वारा नियुक्तियों को निकालकर रिक्त पदों को लगातार भरने का काम हो रहा है।

राहुल गांधी जनता से जुड़े मुद्दे उठाते हैं, इसलिए उन्हें सदन में बोलने से रोका जाता है : रॉबर्ट वाड्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'मुझे सदन में नहीं बोलने दिया जाता है' वाले बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि स्पीकर की तरफ से राहुल गांधी का पक्ष सुने बिना सदन को स्थगित करना सही नहीं है। रॉबर्ट वाड्रा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, राहुल गांधी जब सदन में बोलते हैं, तो वे विपक्ष और जनता से जुड़े असल मुद्दों को उठाते हैं। भाजपा इस पर बात नहीं करना चाहती है इसलिए उनको (राहुल गांधी) रोक दिया जाता है।

वहीं लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की ओर से सांसद राहुल गांधी को पढ़ाए गए मर्यादा के पाठ पर भी वाड्रा बोले। उन्होंने कहा, दोनों भाई-बहन ने अपने परिवार से यही सीखा है कि आदर और प्रेम से रहें। वे जब मिलते हैं, तो खुशी से मिलते हैं और यही हमें सिखाया गया है। हम भाजपा की तरह नहीं हैं, जो रिश्ते तोड़ती है और अपनी शादी जैसे रिश्तों को भी बनाए नहीं रखती।उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है राहुल गांधी को अपनी बात रखनी चाहिए और उनको संसद

में बोलने से रोका नहीं जाना चाहिए।

संभल प्रशासन द्वारा सड़कों या छतों पर नमाज़ पढ़ने पर रोक लगाने पर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, जब भी कोई शख्स मुश्किल में होता है, तो वह अपने भगवान को याद करता है, न कि किसी मंत्री के बारे में, क्योंकि उस समय कोई मंत्री नहीं आने वाला है। जो लोग मंदिर या मस्जिद जाते हैं, वे मुश्किल समय को याद कर प्रार्थना करते हैं, ताकि उनकी परेशानी टल जाए। अगर भाजपा धर्म की राजनीति करती है या फिर धर्म के आधार पर बांटती है, कहती है कि यहां नमाज नहीं पढ़ी जा सकती है और मीट की दुकानों को बंद किया जाए या फिर औरंगजेब के नाम पर मौजूद स्थानों के नाम बदले जाएं, तो इस तरीके की राजनीति हानिकारक है। इससे प्रगति नहीं आएगी और सभी लोग बंट जाएंगे। जिस तरह से सीएम योगी ने कहा, 'बंटोगे तो कटोगे', ऐसी सोच कोई मुख्यमंत्री रखेगा, तो हम लोग कभी भी आगे नहीं बढ़ पाएंगे।

जान से मारने की धमकियों पर सलमान बोले- 'मैं नहीं डरता, सब ईश्वर पर छोड़ दिया है'

एजेंसी

मुंबई। अभिनेता सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'सिकंदर' ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच मीडिया से बातचीत के दौरान अभिनेता ने भारी सुरक्षा के साथ घूमने-फिरने से होने वाली परेशानी पर प्रतिक्रिया दी। सलमान ने कहा कि वह धमकियों से नहीं डरते, क्योंकि उन्होंने सब कुछ ईश्वर पर छोड़ दिया है। सलमान खान जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के निशाने पर हैं, जो 1990 के दशक में सुपरस्टार के काले हिरण के शिकार का बदला लेना चाहता है। 'सिकंदर' की रिलीज से पहले सलमान खान ने मुंबई के बांद्रा इलाके में एक फाइव स्टार होटल में मीडिया से बात की और बताया कि भारी सुरक्षा के साथ बाहर आना-जाना परेशानियों का सबब बन जाता है। अभिनेता ने यह भी कहा कि वह धमकियों से नहीं डरते हैं और उन्होंने अपनी सुरक्षा की देखभाल भगवान पर छोड़ दी है। खान ने मीडिया से कहा, भगवान, अल्लाह सब बराबर हैं। जितनी उम्र लिखी है, उतनी लिखी है। इतने सारे लोगों के साथ घूमना एक समस्या बन जाती है। मैं किसी धमकी से नहीं डरता, सब ईश्वर पर

छोड़ दिया है। 'हम साथ-साथ हैं'की शूटिंग के दौरान काले हिरण शिकार मामले में संलिप्तता के लिए बिश्नोई ने सलमान को जान से मारने की धमकी दी थी। पिछले साल, मुंबई के बांद्रा इलाके में अभिनेता के आवास गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर बाइक सवार दो लोगों ने कई राउंड गोलियां भी चलाई थीं। जांच में पता चला कि शूट का उद्देश्य अभिनेता को डराना था और लॉरेंस के निर्देश पर इसे अंजाम दिया गया था।पिछले साल अक्टूबर में सलमान के खास दोस्त नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में उनके घर के पास तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली थी। घटना के बाद सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई और उनके घर की बालकनी को भी बुलेटप्रूफ शीशे से ढक दिया गया। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई।

पीएम मोदी ने श्री श्री हरिचंद ठाकुर को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री श्री हरिचंद ठाकुर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। वंचित वर्ग के लोगों के उत्थान और समानता, करुणा एवं न्याय को बढ़ावा देने के लिए श्री ठाकुर के कार्यों की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने 'मतुआ धर्म महामेला-2025' के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बांग्लादेश में ओरकांडी ठाकुरबाड़ी की अपनी यात्रा को याद करते हुए कहा कि मैं पश्चिम बंगाल के ठाकुरनगर और बांग्लादेश के ओरकांडी की अपनी यात्राओं को कभी नहीं भूलूंगा, जहां मैंने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'श्री श्री हरिचंद ठाकुर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। सेवा और आध्यात्मिकता से जुड़े रहने के कारण वे असंख्य लोगों के हृदय में बसे हुए हैं। उन्होंने अपना जीवन वंचित वर्ग के लोगों के उत्थान और समानता, करुणा और न्याय को बढ़ावा देने के लिए समर्पित कर दिया। मैं पश्चिम बंगाल के ठाकुरनगर और बांग्लादेश के ओरकांडी की अपनी यात्राओं को कभी नहीं भूलूंगा, जहां मैंने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।' पीएम मोदी ने आगे लिखा, 'मतुआ धर्म महामेला 2025 के लिए मेरी शुभकामनाएं। इसमें मतुआ समुदाय की उत्कृष्ट संस्कृति को प्रदर्शित किया जाएगा। हमारी सरकार ने मतुआ समुदाय के कल्याण के लिए कई पहल की हैं और हम आने वाले समय में भी उनके कल्याण के लिए अथक प्रयास करते रहेंगे। जय हरिबोल।

देश सेवा सर्वोपरि, ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का करें निर्वहनः मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के लोक भवन में आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयुष विभाग और गृह विभाग के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा चयनित 283 चिकित्सा अधिकारियों और कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान सीएम योगी ने नवचयनित अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सेवा नारों या भाषणों से नहीं, बल्कि ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से होती है। उन्होंने नवचयनितों से अपील की कि वे पूरी तत्परता और पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके।इस समारोह में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 283 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इनमें आयुष विभाग के 163 चिकित्सा अधिकारी, 2 रीडर (आयुर्वेद), 19 प्रोफेसर, 3 प्रवक्ता (होम्योपैथी) और गृह विभाग के तहत विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) के 96 कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक शामिल हैं। नियुक्ति पत्र पाकर सभी नवचयनित अभ्यर्थियों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए सीएम योगी की पारदर्शी और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया की जमकर सराहना की। सीएम योगी ने इस अवसर पर यूपीपीएससी और यूपीएसएसएससी को शासन की मंशा के अनुरूप भर्ती प्रक्रिया को ईमानदारी से संपन्न करने के लिए धन्यवाद दिया और सभी नवचयनित अभ्यर्थियों को बधाई दी।सीएम योगी ने अपने संबोधन में पिछले 8 वर्षों की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि पिछले 8 वर्षों में हमने प्रदेश में 8.30 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं। अगर यह नियुक्तियां शुचिता और पारदर्शिता के साथ नहीं होतीं, तो ये सभी मामले कोर्ट में लंबित हो जाते और एक भी भर्ती पूरी नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि इन 8 वर्षों में 1,56,000 पुलिसकर्मियों की भर्ती की गई, 60,200 पुलिसकर्मियों की भर्ती प्रक्रिया हाल ही में पूरी हुई है और साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति भी की गई है। अन्य विभागों में भी इसी तत्परता के साथ भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। आज जब प्रशिक्षित और दक्ष कार्मिक शासकीय सेवा का हिस्सा बनते हैं, तो कार्य पद्धति में तेजी आती है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश आज बीमारू राज्य नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है।

उड़ान योजना बंद करके भाजपा सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य पर किया निर्मम प्रहारः अशोक गहलोत

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर महिलाओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई उड़ान योजना, जो महिलाओं के मासिक धर्म स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण थी, को वर्तमान भाजपा सरकार ने बंद कर दिया है। गहलोत ने कहा कि 'क्या यही है भाजपा का महिला सशक्तिकरण? क्या महिलाओं के स्वास्थ्य की कोई कीमत नहीं?' 'लाखों महिलाओं को लाभ पहुँचाने वाली योजना को बंद करके, भाजपा ने अपनी महिला विरोधी मानसिकता का परिचय दिया है।' 'क्या योजनाएं बंद करना ही इस सरकार का एकमात्र काम रह गया

है'राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, राजस्थान में अभी भी कई महिलाएं मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूक नहीं हैं, और इस योजना ने इस जागरूकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। योजना के अंतर्गत, राज्य भर में लाखों महिलाओं और किशोरियों को मुफ्त सेनेटरी नैपकिन वितरित किए गए थे, जिससे उनके स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार देखा गया था। इस योजना के पहले चरण के लिए राज्य सरकार ने 200 करोड रूपए का प्रावधान किया था। गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति असंवेदनशील है, बल्कि उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में भी विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई है, और सरकार इस पर अंकुश लगाने में नाकाम रही है। उन्होंने सरकार से तुरंत उड़ान योजना को बहाल करने और महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

मुंबई में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आठ बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर को किया गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। देश के अलग-अलग हिस्सों में अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। मुंबई में पुलिस ने पहली बार आठ बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर को गिरफ्तार किया है। मुंबई की शिवाजी नगर थाना पुलिस के अनुसार, यह सभी बांग्लादेशी पहचान और लिंग बदलकर रहते थे। पुलिस शहर में बांग्लादेशी नागरिकों को ढूंढ रही थी, लेकिन पुलिस से बचने के लिए यह किन्नर बनकर रहते थे। ये सभी नागरिक मुंबई में लगभग पांच साल से रह रहे थे।पुलिस के अनुसार, ये आरोपी कलाकार (नृत्य कलाकार) के रूप में काम करते थे और वैध दस्तावेजों के बिना यहां रह रहे थे। इन आरोपियों ने अपने नाम, पहचान और कुछ मामलों में अपना लिंग भी बदल लिया था, जिससे वे अन्य नागरिकों से अलग दिखते थे। शिवाजी नगर पुलिस ने गुप्त सूचना

के आधार पर रफीक नगर इलाके में जाल बिछाकर आठ ट्रांसजेंडर बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में सामने आया है कि इन सभी ने बांग्लादेश सीमा से अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था। मुंबई की शिवाजी नगर पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी वेश्यावृत्ति, धोखाधड़ी और ग्राहकों को ठगने और लूटने के मामलों में भी शामिल थे। मुंबई में यह पहली बार हुआ है जब ट्रांसजेंडर के रूप में रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जांच में पाया कि ये सभी पुरुष है और अपनी पहचान छुपाने के लिए ट्रांसजेंडर बन कर रहते थे। बता दें कि 26 मार्च को मुंबई की शिवाजी नगर और आरसीएफ थाने की संयुक्त टीम ने मुंबई के गोवंडी और चेंबूर इलाकों में अभियान चलाकर अवैध रूप से रह रहे 17 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। इनमें पांच महिलाएं भी शामिल थी। पुलिस ने अवैध घुसपैठियों की तलाश के लिए विशेष टीमों का गठन किया है। हर टीम को एक निश्चित क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई है, जहां उन्होंने गहन जांच-पड़ताल कर अवैध रूप से भारत में रह रहे इन बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया था।

बेंगलुरु के पास तीन नए निजी हवाई अड्डों की योजना, अंतिम मुहर लगाएगा एएआई

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु के आस पास तीन नए निजी हवाई अड्डों के विकास की योजना पर काम शुरू कर दिया है। ये हवाई अड्डे कनकपुरा रोड पर और नेलमंगला-कुनिगल रोड पर बनाए जाने की चर्चा है। यह जानकारी राज्य मंत्री एमबी पाटिल ने दी। उन्होंने बताया कि भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानि एएआई) 17 मार्च से इन प्रस्तावित साइटों का दौरा शुरू कर चुका है। इसके बाद ही यह तय होगा कि ये परियोजनाएं आगे बढ़ेंगी या नहीं। मंत्री पाटिल ने कहा, हम एएआई को सभी जरूरी जानकारी देने के लिए तैयार हैं। इस बारे में पहले भी बैठक हो चुकी है और कल भी एक चर्चा हुई थी। हम पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये हवाई अड्डे ग्रीनफील्ड परियोजनाएं होंगी, यानी इन्हें नए सिरे से बनाया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार जमीन उपलब्ध कराएगी, जबकि विकास का जिम्मा निजी कंपनियों, जैसे अंबानी और बजाज समूह के पास होगा। यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर आधारित होगी। हालांकि, इन हवाई अड्डों का भविष्य एएआई के निरीक्षण और वित्तीय व्यवहार्यता अध्ययन पर निर्भर करेगा।

विधायकों की अनुपस्थिति पर विधानसभा अध्यक्ष की चिंता, संसदीय दायित्व निभाने का आह्वान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने विधानसभा में विधायकों से समितियों की बैठकों में पूरी निष्ठा के साथ भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि समितियों की बैठकों में विधायकों की अनुपस्थिति चिंता का विषय है और इससे जनहित के कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कल्याण ने कहा कि विधानसभा की अधिकांश समितियां साल भर काम करती हैं, लेकिन उनमें सदस्यों की

उपस्थिति पूरी नहीं होती है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह मुद्दा उठाते हुए अच्छा नहीं लग रहा है, लेकिन इसे विधायकों के ध्यान में लाना जरूरी है। कल्याण ने कहा कि संविधान निर्माताओं का मानना था कि विधानमंडल जनता के हित में काम करने के लिए होते हैं। इसके लिए सदन और समितियों के रूप में दो मंच हैं। उन्होंने विधायकों से समितियों की बैठकों में एजेंडे की पूरी तैयारी के साथ भाग लेने और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए काम करने का अनुरोध किया। कल्याण ने कहा कि समितियों की उपयोगिता बढ़ाकर और जनता की कठिनाइयों को दूर करके ही सच्ची जनसेवा की जा सकती है। उन्होंने विधायकों से अपने संसदीय दायित्वों को पूरी ईमानदारी के साथ निभाने का आह्वान किया। विधायकों की समितियों की बैठकों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्हें जनता के हितों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए और जनहित के मुद्दों पर चर्चा में योगदान देना चाहिए। अध्यक्ष के आह्वान के बाद, यह देखना होगा कि विधायक समितियों की बैठकों में अपनी उपस्थिति में सुधार करते हैं या नहीं।

प्रेम के सौंदर्य का प्रतीक

खजुराहो

खजुराहो भारत के मध्य प्रदेश प्रान्त में स्थित एक प्रमुख शहर है जो अपने प्राचीन एवं मध्यकालीन मंदिरों के लिये विश्वविख्यात है। यह मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित है। खजुराहो को प्राचीन काल में खजूरपुरा और खजूर वाहिका के नाम से भी जाना जाता था। यहां बहुत बड़ी संख्या में प्राचीन हिन्दू और जैन मंदिर हैं। मंदिरों का शहर खजुराहो पूरे विश्व में मुड़े हुए पत्थरों से निर्मित मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। भारत के अलावा दुनिया भर के आगन्तुक और पर्यटक प्रेम के इस अप्रतिम सौंदर्य के प्रतीक को देखने के लिए निरंतर आते रहते है। हिन्दू कला और संस्कृति को शिल्पियों ने इस शहर के पत्थरों पर मध्यकाल में उत्कीर्ण किया था। संभोग की विभिन्न कलाओं को इन मंदिरों में बेहद खूबसूरती के उभारा गया है।

कैसे जाएं

खजुराहो जाने के लिए अपनी सुविधा के अनुसार वायु, रेल या सड़क परिवहन को अपनाया जा सकता है।

वायु मार्ग

खजुराहो वायु मार्ग द्वारा दिल्ली, वाराणसी, आगरा और काठमांडु से जुड़ा हुआ हैं। खजुराहो एयरपोर्ट सिटी सेन्टर से तीन किलोमीटर दूर है।

रेल मार्ग

खजुराहो का नजदीकी रेलवे स्टेशन महोबा और हरपालपुर है। दिल्ली और मुम्बई से आने वाले पर्यटकों के लिए झांसी सुविधाजनक रेलवे स्टेशन है। जबकि चेन्नई और वाराणसी से आने वालों के लिए सतना अधिक सुविधाजनक होगा। नजदीकी और सुविधाजनक रेलवे स्टेशन से टैक्सी या बस के माध्यम से खजुराहो पहुंचा जा सकता है। सड़कों की स्थिति ठीक?ठाक है।

सड़क मार्ग

खजुराहो महोबा, हरपालपुर, छतरपुर, सतना, पन्ना, झांसी, आगरा, ग्वालियर, सागर, जबलपुर, इंदौर, भोपाल, वाराणसी और इलाहाबाद से नियमित और सीधा जुड़ा हुआ है। दिल्ली के राष्ट्रीय राजमार्ग 2 से पलवल, कौसी कला और मथुरा होते हुए आगरा पहुंचा जा सकता है। राष्ट्रीय राजमार्ग 3 से धौलपुर और मुरैना के रास्ते ग्वालियर जाया जा सकता है। उसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 75 से झांसी, मउरानीपुर और छतरपुर से होते हुए बमिंथा और वहां से राज्य राजमार्ग की सड़क से खजुराहो पहुंचा जा सकता है।

खरीददारी

खजुराहो में अनेक छोटी-छोटी दुकानें हैं जो लोहे, तांबे और पत्थर के गहने बेचते हैं। यहां विशेष रूप से पत्थरों और धातुओं पर उकेरी गई कामसूत्र की भंगिमाएं प्रसिद्ध हैं। इन्हें यहां की दुकानों से खरीदा जा सकता है। मृगनयनी सरकारी एम्पोरियम के शटर अधिकांश समय गिरे रहते हैं। दिसम्बर में राज्य के ट्राईबल और फॉक संग्रहालय में कारीगरों की एक कार्यशाला आयोजित की जाती है। कार्यशाला से यहां के कारीगर अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। उनकी अद्भुत कला के नमूनों को यहां से खरीदा जा सकता है।

इतिहास

खजुराहो का इतिहास लगभग एक हजार साल पुराना है। यह शहर चंदेल साम्राज?य की प्रथम राजधानी था। चन्देल वंश और खजुराहो के संस्थापक चन्द्रवर्मन थे। चंदेल मध्यकाल में बुंदेलखंड में शासन करने वाले राजपूत राजा थे। वे अपने आप को चन्द्रवंशी मानते थे। चंदेल राजाओं ने दसवीं से बारहवी शताब्दी तक मध्य भारत में शासन किया। खजुराहो के मंदिरों का निर्माण 950 ईसवीं से 1050 ईसवीं के बीच इन्हीं चंदेल राजाओं द्वारा किया गया। मंदिरों के निर्माण के बाद चंदेलों ने अपनी राजधानी महोबा स्थानांतरित कर दी। लेकिन इसके बाद भी खजुराहो का महत्व बना रहा। मध्यकाल के दरबारी कवि चन्द्रवरदायी ने पृथ्वीराज रासो के महोबा खंड में चंदेलों की उत्पत्ति का वर्णन किया है। उन्होंने लिखा है कि काशी के राजपंडित की पुत्री हेमवती अपूर्व सौंदर्य की स्वामिनी थी। एक दिन वह गर्मियों की रात में कमल-पुष्पों से भरे हुए तालाब में स्नान कर रही थी। उसकी सुंदरता देखकर भगवान चन्द्र उन पर मोहित हो गए। वे मानव रूप धारणकर धरती पर आ गए और हेमवती का हरण कर लिया। दुर्भाग्य से हेमवती विधवा थी। वह एक बच्चे की मां थी। उन्होंने चन्द्रदेव पर अपना जीवन नष्ट करने और चरित्र हनन का आरोप लगाया। अपनी गलती के पश्चाताप के लिए चन्द्र देव ने हेमवती को वचन दिया कि वह एक वीर पुत्र की मां बनेगी। चन्द्रदेव ने कहा कि वह अपने पुत्र को खजूरपुरा ले जाए। उन्होंने कहा कि वह एक महान राजा बनेगा। राजा बनने पर वह बाग और झीलों से घिरे हुए अनेक मंदिरों का निर्माण करवाएगा। चन्द्रदेव ने हेमवती से कहा कि राजा बनने पर तुम्हारा पुत्र एक विशाल यज्ञ का आयोजन करगा जिससे तुम्हारे सारे पाप धुल जाएंगे। चन्द्र के निर्देशों का पालन कर हेमवती ने पुत्र को जन्म देने के लिए अपना घर छोड़ दिया और एक छोटे-से गांव में पुत्र को जन्म दिया। हेमवती का पुत्र चन्द्रवर्मन अपने पिता के समान तेजस्वी, बहादुर और शक्तिशाली था। सोलह साल की उम्र में वह बिना हथियार के शेर या बाघ को मार सकता था। पुत्र की असाधारण वीरता को देखकर हेमवती ने चन्द्रदेव की आराधना की जिन्होंने चन्द्रवर्मन को पारस पत्थर भेंट किया और उसे खजुराहो का राजा बनाया। पारस पत्थर से लोहे को सोने में बदला जा सकता था। चन्द्रवर्मन ने लगातार कई युद्धों में शानदार विजय प्राप्त की। उसने कालिंजर का विशाल किला बनवाया। मां के कहने पर चन्द्रवर्मन ने तालाबों और उद्यानों से आच्छादित खजुराहो में 85 अद्वितीय मंदिरों का निर्माण करवाया और एक यज्ञ का आयोजन किया जिसने हेमवती को पापमुक्त कर दिया। चन्द्रवर्मन और उसके उत्तराधिकारियों ने खजुराहो में अनेक मंदिरों का निर्माण करवाया।

दर्शनीय स्थल

जब से ब्रिटिश इंजीनियर टी एस बर्ट ने खजुराहो के मंदिरों की खोज की है तब से मंदिरों के एक विशाल समूह को पश्चिमी समूह के नाम से जाना जाता है। यह खजुराहो के सबसे आकर्षक स्थानों में से एक है। इस स्थान को युनेस्को ने 1986 में विश्व विरासत की सूची में शामिल भी किया है। इसका मतलब यह हुआ कि अब सारा विश्व इसकी मरम्मत और देखभाल के लिए उत्तरदायी होगा। शिवसागर के नजदीक स्थित इन पश्चिम समूह के मंदिरों के दर्शन के साथ अपनी यात्रा शुरू करनी चाहिए। एक ऑडियो हैडसेट 50 रूपये में टिकट बूथ से 500 रूपये जमा करके प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा दो सौ रूपये से तीन रूपये के बीच आधे या पूरे दिन में चार लोगों के लिए गाइड सेवाएं भी ली जा

सकती हैं। खजुराहो को साइकिल के माध्यम से अच्छी तरह देखा जा सकता है। यह साइकिलें 20 रूपये प्रति घंटे की दर से पश्चिम समूह के निकट स्टैंड से प्राप्त की जा सकती है। इस परिसर के विशाल मंदिरों की बहुत ज्यादा सजावट की गई है। यह सजावट यहां के शासकों की संपन्नता और शक्ति को प्रकट करती है। इतिहासकारों का मत है कि इनमें हिन्दू देवकुलों के प्रति भक्ति भाव दर्शाया गया है। देवकुलों के रूप में या तो शिव या विष्णु को दर्शाया गया है। इस परिसर में स्थित लक्ष्मण मंदिर उच्च कोटि का मंदिर है। इसमें भगवान विष्णु को बैकुंठम के समान बैठा हुआ दिखाया गया है। चार फुट ऊंची विष्णु की इस मूर्ति में तीन सिर हैं। ये सिर मनुष्य, सिंह और वराह के रूप में दर्शाए गए हैं। कहा जाता है कि कश्मीर के चम्बा क्षेत्र से इसे मंगवाया गया था। इसके तल के बाएं

हिस्से में आमलोगों के प्रतिदिन के जीवन के क्रियाकलापों, कूच करती हुई सेना, घरेलू जीवन तथा नृतकों को दिखाया गया है। मंदिर के प्लेटफार्म की चार सहायक बेदियां हैं। 954 ईसवीं में बने इस मंदिर का संबंध तांत्रिक संप्रदाय से है। इसका अग्रभाग दो प्रकार की मूर्तिकलाओं से सजा है जिसके मध्य खंड में मिथुन या आलिंगन करते हुए दंपत्तियों को दर्शाता है। मंदिर के सामने दो लघु वेदियां हैं। एक देवी और दूसरा वराह देव को समर्पित है। विशाल वराह की आकृति पीले पत्थर की चट्टान के एकल खंड में बनी है।

कंदरिया महादेव मंदिर

कंदरिया महादेव मंदिर पश्चिमी समूह के मंदिरों में विशालतम है। यह अपनी भव्यता और संगीतमयता के कारण प्रसिद्ध है। इस विशाल मंदिर का निर्माण महान चंदेल राजा विद्याधर ने महमूद गजनबी पर अपनी विजय के उपलक्ष्य में किया था। लगभग 1050 ईसवीं में इस मंदिर को बनवाया गया। यह एक शैव मंदिर है। तांत्रिक समुदाय को प्रसन्न करने के लिए इसका निर्माण किया गया था। कंदरिया महादेव मंदिर लगभग 107 फुट ऊंचा है। मकर तोरण इसकी मुख्य विशेषता है। मंदिर के संगमरमरी लिंगम में अत्यधिक ऊर्जावान मिथुन हैं। अलेक्जेंडर कनिंघम के अनुसार यहां सर्वाधिक मिथुनों की आकृतियां हैं। उन्होंने मंदिर के बाहर 646 आकृतियां और भीतर 246 आकृतियों की गणना की थीं।

देवी जगदम्बा मंदिर

कंदरिया महादेव मंदिर के चबूतरे के उत्तर में जगदम्बा देवी का मंदिर है। जगदम्बा देवी का मंदिर पहले भगवान विष्णु को समर्पित था, और इसका निर्माण 1000 से 1025 ईसवीं के बीच किया गया था। सैकड़ों वर्षों पश्चात यहां छतरपुर के महाराजा ने देवी पार्वती की प्रतिमा स्थापित करवाई थी इसी कारण इसे देवी जगदम्बा मंदिर कहते हैं। यहां पर उत्कीर्ण मैथुन मूर्तियों में भावों की गहरी संवेदनशीलता शिल्प की विशेषता है। यह मंदिर शार्दूलों के काल्पनिक चित्रण के लिए प्रसिद्ध है। शार्दूल वह पौराणिक पशु था जिसका शरीर शेर का और सिर तोते, हाथी या वराह का होता था।

संग्रहालय

खजुराहो के विशाल मंदिरों को टेढ़ी गर्दन से देखने के बाद तीन संग्रहालयों को देखा जा सकता है। वेस्टर्न ग्रुप के विपरीत स्थित भारतीय पुरातत्व विभाग के संग्रहालय में मूर्तियों को अपनी आंख के स्तर पर देखा जा सकता है। पुरातत्व विभाग के इस संग्रहालय को चार विशाल गृहों में विभाजित किया गया है जिनमें शैव, वैष्णव, जैन और 100 से अधिक विभिन्न आकारों की मूर्तियां हैं। संग्रहालय में विशाल मूर्तियों के समूह को काम करते हुए दिखाया गया है। इसमें विष्णु की प्रतिमा को मुंह पर अंगुली रखे चुप रहने के भाव के साथ दिखाया गया है।

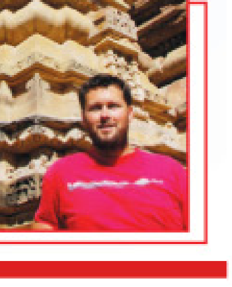

आठवीं महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में रेलवे का जलवा, पांच स्वर्ण पदकों के साथ खिताब बरकरार

ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित आठवीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में रेलवे ने अपना वर्चस्व कायम रखते हुए कुल पांच स्वर्ण और चार कांस्य पदकों के साथ टीम खिताब पर कब्जा जमाया। फाइनल मुकाबलों में रेलवे की अनामिका, नूपुर, सोनिया लाठेर, मुस्कान और सनमाचा चानू ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक हासिल किए। अनामिका और नूपुर ने अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया, वहीं सोनिया ने 57 किग्रा से 60 किग्रा में कदम रखते हुए जीत दर्ज की। हरियाणा ने दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। नीरज फोगट और पूजा रानी ने प्रदेश को स्वर्ण दिलाया। पूजा ने 80 किग्रा वर्ग में एआईपी की लालफाकमावी राल्ते को हराकर लगातार दूसरी बार शीर्ष स्थान से रोका। अखिल भारतीय पुलिस (एआईपी) ने एक स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदकों के साथ तीसरा स्थान पाया। एआईपी की मीनाक्षी ने दिन की शुरुआत जीत के साथ की और अपने खिताब का बचाव करते हुए सिक्किम की यासिका राय को 5:0 से हराया। सर्विसेज स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की जैस्मीन लेम्बोरिया और साक्षी ने भी शानदार प्रदर्शन किया। जैस्मीन ने हरियाणा की प्रिया को 5:0 से हराकर सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज का पुरस्कार जीता, जबकि साक्षी ने पहले ही राउंड में जीत दर्ज की।

चेन्नई के खिलाफ मुकाबले से पहले दिनेश कार्तिक बोले- आरसीबी के खिलाड़ी अपने प्रदर्शन को लेकर उत्साहित

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के एक बेहद चर्चित मुकाबले से पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच और मेंटर दिनेश कार्तिक ने आगामी मैच को लेकर टीम की तैयारियों और उत्साह पर प्रकाश डाला। 28 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले एवे मैच से पहले दिनेश कार्तिक ने कहा, मुझे सच में लगता है कि जिस तरह से हम अपनी टीम को तैयार कर रहे हैं, जिस अंदाज में हम खेल रहे हैं और खेलने का इरादा रखते हैं, वह इस मुकाबले को हमारे लिए बेहद रोमांचक बना देता है। टीम का आत्मविश्वास उच्च स्तर पर है और खिलाड़ी अपने प्रदर्शन को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने आगे कहा कि पहले कुछ मुकाबलों में टीम ने अपनी क्षमताओं की झलक दिखाई है और अब उनका लक्ष्य हर मुकाबले में अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाना है, चाहे मैदान कोई भी हो। यह टूर्नामेंट की शुरुआत है, पुराने आंकड़े अपनी जगह हैं, लेकिन यह एक नई और भूखी टीम है जो खुद को साबित करने के लिए तैयार है, कार्तिक ने जोड़ा।

खेलो इण्डिया पैरा गेम्स 2025: मध्य प्रदेश के टेबल टेनिस पैरा खिलाड़ियों ने जीते तीन पदक

भोपाल। दिल्ली में 20 से 27 मार्च तक आयोजित खेलो इण्डिया पैरा गेम्स 2025 का समापन हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन टेबल टेनिस के मुकाबले खेले गए, जिनमें मध्य प्रदेश के पैरा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अर्जित किए। इनमें एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक शामिल है। खेलो इण्डिया पैरा गेम्स 2025 में प्रतियोगिता के अंतिम दिन मध्य प्रदेश की खिलाड़ी दिव्यानी वाल्हे ने पैरा टेबल टेनिस खेल में वूमेन क्लॉस 10 वर्ग में स्वर्ण, पैरा खिलाड़ी गजानन ने पुरुष क्लॉस -08 वर्ग में रजत और हर्ष त्रिवेदी ने पैरा टेबल टेनिस के पुरूष क्लॉस-7 केटेगरी में एक कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी पदक विजेता पैरा खिलाड़ियों को इस साहसपूर्ण और शानदार खेल प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी है। इस प्रतियोगिता में इस वर्ष 2025 में मप्र के खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण, 05 रजत और 03 कांस्य पदक के साथ कुल 11 पदक अर्जित किये हैं। उल्लखेनीय है कि वर्ष 2023 में आयोजित खेलो इण्डिया पैरा गेम्स में मध्य प्रदेश की टीम ने 03 स्वर्ण और 03 रजत पदक सहित 06 पदक अर्जित किये थे।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 का भव्य समापन, रक्षा खडसे ने खिलाड़ियों की प्रशंसा की

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आयोजित खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 का गुरुवार को भव्य समापन हुआ। युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे समापन समारोह की मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने टूर्नामेंट के सफल आयोजन की सराहना करते हुए पैरा एथलीटों की उपलब्धियों को प्रेरणादायक बताया। इस बार खेलों के दूसरे संस्करण में तीन स्थलों पर आयोजित छह पैरा स्पर्धाओं में देशभर से करीब 1300 एथलीटों ने भाग लिया। हरियाणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश को पछाड़कर टीम चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। समारोह में रक्षा निखिलल खडसे ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार पैरा एथलीटों को हरसंभव सहयोग दे रही है। इन खेलों ने साबित किया कि हमारे एथलीट किसी भी चुनौती से कम नहीं हैं। इस बार पूर्वोत्तर राज्यों की भी अहम भागीदारी देखने को मिली, जो बेहद सराहनीय है।

भाई के सपनों को पूरा करने के लिए हॉकी में अपना करियर संवार रही हैं माधुरी किंडो

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी की उभरती हुई खिलाड़ी माधुरी किंडो ने एक बार फिर अपनी काबिलियत साबित करते हुए सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के कोर संभावित समूह में जगह बनाई है। ओडिशा की रहने वाली 23 वर्षीय इस गोलकीपर को लगातार दूसरी बार इस प्रतिष्ठित कैंप के लिए चुना गया है। पहली बार उन्हें 2024 में इसमें शामिल किया गया था। हालांकि, माधुरी अभी सीनियर टीम में डेब्यू नहीं कर पाई हैं, लेकिन वह अपने परिवार, खासकर अपने बड़े भाई मनोज के सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। मनोज खुद एक राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी रह चुके हैं और फिलहाल आर्मी हॉकी टीम के लिए खेलते हैं। माधुरी की हॉकी यात्रा महज आठ साल की उम्र में उनके गांव कडोबहाल, राउरकेला में शुरू हुई थी। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैंने अपने बड़े भाई मनोज को खेलते देखा, जो ओडिशा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी खेल चुके हैं। उन्हें देखकर ही मुझे हॉकी खेलने की प्रेरणा मिली। अपने भाई की तरह माधुरी भी भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहती हैं और

उनके अधूरे सपने को पूरा कर ने के लिए खुद को समर्पित कर चुकी हैं। एक साधारण किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाली माधुरी के पिता किसान हैं और मां गृहिणी। हालांकि, आर्थिक चुनौतियां थीं, लेकिन परिवार ने हमेशा उनका साथ दिया। माधुरी ने कहा, मेरे पिता ने हमेशा मुझ पर भरोसा किया और मेरे करियर को आगे बढ़ाने में मेरी बुआ (पिता की बहन) का बड़ा योगदान रहा। अगर उनका सहयोग न होता, तो शायद मैं यहां तक नहीं पहुंच पाती। उनके माता-पिता ने हमेशा उन्हें मेहनत करने के लिए प्रेरित किया और भविष्य की चिंताओं से दूर रहने की सीख दी। माधुरी ने भावुक होते हुए कहा, वे कहते थे कि सिर्फ वर्तमान में अपना सर्वश्रेष्ठ दो, बाकी सब खुद-ब-खुद अच्छा होगा। मैं चाहती हूं कि एक दिन लोग मेरे माता-पिता को मेरे नाम से जानें। माधुरी की पेशेवर हॉकी यात्रा 2012 में तब शुरू हुई जब उन्होंने पानपोष स्पोर्ट्स हॉस्टल, राउरकेला जॉइन किया। वहां कोच अमूल्य नंद बिहारी के मार्गदर्शन में उन्होंने अपने खेल को निखारा। 2021 में, वह भारतीय जूनियर महिला टीम का हिस्सा बनीं और 2023 जूनियर एशिया कप में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने 2023 जूनियर वर्ल्ड कप में भी हिस्सा लिया और अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 2024 में सीनियर राष्ट्रीय कैंप में जगह बनाई। दिलचस्प बात यह है कि माधुरी ने अपने करियर की शुरुआत एक डिफेंडर के रूप में की थी, लेकिन उनकी ऊंचाई और फुर्ती को देखते हुए स्पोर्ट्स हॉस्टल के कोच ने उन्हें गोलकीपर बनने की सलाह दी। शुरुआत में यह बदलाव मुश्किल लगा, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने इसे स्वीकार किया और गोलकीपिंग में खुद को साबित किया। माधुरी ने कहा, गोलकीपर होने के नाते, मुझे पूरे मैदान का स्पष्ट दृश्य मिलता है। मैंने सीखा कि टीम को कैसे नियंत्रित करना है, दबाव में कैसे मोटिवेट करना है और कठिन परिस्थितियों में संयम कैसे बनाए रखना है।

आर्यना साबालेंका पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचीं

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आर्यना साबालेंका ने इटली की छठी वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी को 6-2, 6-2 से हराकर अपने पहले मियामी ओपन फाइनल में प्रवेश किया। साबालेंका ने मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी पहली सर्व पर 77 प्रतिशत अंक जीते, छह ऐस लगाए और अपने सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए। इसके साथ ही, उन्होंने पांच में से चार ब्रेक पॉइंट का फायदा उठाया और महज 71 मिनट में जीत दर्ज की।दक्षिण फ्लोरिडा में रहने वाली बेलारूसी शीर्ष वरीयता प्राप्त साबालेंका ने इस टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। वह मियामी में इंडियन वेल्स उपविजेता के रूप में पहुंची थीं। साबालेंका ने कहा, मैं आज के अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचकर काफी उत्साहित हूं। पूरे मैच के दौरान साबालेंका कभी पिछड़ी नहीं और दोनों सेटों में सिर्फ एक बार स्कोर 1-1 से बराबर हुआ।उन्होंने आगे कहा, मैं कह सकती हूं कि यह इस सीजन के बेहतरीन मुकाबलों में से एक था। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं पूरी तरह से अपने खेल पर केंद्रित थी। ऐसा लग रहा था कि सबकुछ

मेरे पक्ष में जा रहा है। अब फाइनल में साबालेंका का सामना दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। इस मुकाबले में चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला और फिलीपींस की वाइल्डकार्ड एंट्री एलेक्जेंड्रा एला आमने-सामने होंगी। एला ने पिछले दौर में पोलैंड की विश्व नंबर दो इगा स्वियातेक को हराकर चौंकाने वाली जीत दर्ज की थी।

बीसीसीआई ने स्पिन गेंदबाजी कोच पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने अत्याधुनिक बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) बेंगलुरु में स्पिन गेंदबाजी कोच के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह भूमिका भारत के सभी प्रारूपों और आयु वर्गों के स्पिन गेंदबाजों के विकास और प्रदर्शन को निखारने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस कोच का कार्यभार भारत की सीनियर पुरुष और महिला टीमों, भारत ए, अंडर-23, अंडर-19, अंडर-16 और अंडर-15 टीमों के साथ-साथ राज्य संघों के खिलाड़ियों के प्रशिक्षण से जुड़ा होगा।

मुख्य जिम्मेदारियां

बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में क्रिकेट स्क्वॉड के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना। खिलाड़ियों को आवश्यकतानुसार व्यक्तिगत तकनीकी कोचिंग प्रदान करना। खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन योजनाएं तैयार करना और उनकी प्रगति की निगरानी करना। चयनकर्ताओं, राष्ट्रीय और राज्य कोचों, प्रदर्शन विश्लेषकों और फिटनेस विशेषज्ञों के साथ मिलकर प्रतिभाशाली स्पिन गेंदबाजों को विकसित करना। जीपीएस-सक्षम उपकरणों और बायोमैकेनिकल विश्लेषण जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार करना। चोट से उबर रहे खिलाड़ियों के पुनर्वास में सहयोग देना और प्रतिस्पर्धा के लिए उनकी फिटनेस सुनिश्चित करना।

योग्यता और अनुभव

इस पद के लिए निम्नलिखित योग्यताओं में से किसी एक का होना अनिवार्य है–पूर्व भारतीय क्रिकेटर या कम से कम 75 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके पूर्व भारतीय प्रथम श्रेणी क्रिकेटर, जिनके पास पिछले 7 वर्षों में कम से कम 3 वर्षों का हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय, भारत ए, भारत अंडर-19, भारत महिला या आईपीएल टीम में कोचिंग का अनुभव हो। बीसीसीआई सीओई लेवल 3 परफॉर्मेंस कोच (या समकक्ष), जिनके पास पिछले 7 वर्षों में कम से कम 3 वर्षों का हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय, भारत ए, भारत अंडर-19, भारत महिला, आईपीएल या राज्य टीम में कोचिंग का अनुभव हो।

बीसीसीआई सीओई लेवल 2 कोच (या समकक्ष), जिनके पास पिछले 7 वर्षों में कम से कम 3 वर्षों का हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय, भारत,, भारत अंडर-19, भारत महिला या आईपीएल टीम में कोचिंग का अनुभव हो। हाई-परफॉर्मेंस योजनाओं के निर्माण और निगरानी, साथ ही एलीट क्रिकेट वातावरण में खिलाड़ी विकास कार्यक्रमों को लागू करने का सफल रिकॉर्ड। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 10 अप्रैल 2025, शाम 5:00 बजे तक आवेदन कर सकते हैं।

नोवाक जोकोविच मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली। अपनी सातवीं मियामी ओपन खिताबी जीत के लक्ष्य के साथ खेल रहे सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अमेरिकी सेबेस्टियन कोर्डा को 6-3, 7-6 (7-4) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला एक घंटे 24 मिनट तक चला। यह क्वार्टरफाइनल मैच बुधवार रात को खेला जाना था, लेकिन जेसिका पेगुला और एम्मा राडुकानु के बीच महिला क्वार्टरफाइनल मैच रात 11 बजे के बाद तक चलने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। मैच रात करीब 12 बजे शुरू होता, जो नए एटीपी नियमों के खिलाफ होता।जोकोविच अब सेमीफाइनल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव से भिड़ेंगे। 33 वर्षीय दिमित्रोव, जो 2024 में इस टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचे थे, के खिलाफ जोकोविच का रिकॉर्ड 12-1 का है। जोकोविच इससे पहले अपने सभी छह मियामी ओपन खिताब टूर्नामेंट के पिछले स्थल की बिस्केन में जीते थे। इस बार वह अपने करियर के 100वें खिताब को जीतने के लिए प्रयासरत हैं। जोकोविच ने कहा, मुझे यहां जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। मुझे लगता है कि मेरे पास खिताब जीतने का अच्छा मौका है... मैं लंबे समय बाद अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हूं। हार्ड रॉक स्टेडियम में दर्शकों ने 37 वर्षीय जोकोविच के समर्थन में उनके नाम के नारे लगाए, भले ही वह एक अमेरिकी खिलाड़ी के खिलाफ खेल रहे थे। दूसरे सेट में उन्होंने 4-1 और 5-2 के पिछड़ने के बावजूद टाईब्रेकर में जीत हासिल की। उन्होंने मैच प्वाइंट पर एक जोरदार ऐस लगाया और 24वीं वरीयता प्राप्त कोर्डा के खिलाफ 83त्न पहली सर्विस का शानदार आंकड़ा दर्ज किया। जीत के बाद उन्होंने जोरदार गर्जना की और अपनी रैकेट को वायलिन बजाने की तरह दिखाकर जश्न मनाया। जोकोविच ने कहा, अगर मैं जीत का कारण एक शब्द में कहूं, तो वह है - सर्व, मैंने काफी अच्छी सर्विस की, यह मेरे लंबे समय के सबसे बेहतरीन सर्विंग प्रदर्शनों में से एक था। पुरुषों के पहले क्वार्टरफाइनल में, चेक गणराज्य के किशोर खिलाड़ी जकुब मेंसिक ने 17वीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के आर्थर फील्स को 7-6 (7-5), 6-1 से हराकर एटीपी 1000 पॉइंट स्तर के अपने पहले सेमीफाइनल में जगह बनाई। 19 वर्षीय मेंसिक ने पहला सेट टाईब्रेकर में जीता और फिर दूसरे सेट में 4-0 की बढ़त बनाकर 20 वर्षीय फील्स को मात दी। 54वीं रैंकिंग के मेंसिक ने 13 ऐस लगाए और क्रॉसकोर्ट फोरहैंड विनर के साथ 75 मिनट में मुकाबला समाप्त किया।

ला लीगा: बार्सिलोना ने ओसासुना को 3-0 से हराकर शीर्ष पर तीन अंकों की बढ़त बनाई

एजेंसी

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने ओसासुना के खिलाफ एकतरफा 3-0 की जीत दर्ज करते हुए ला लीगा की अंकतालिका में शीर्ष पर तीन अंकों की बढ़त बना ली। इस जीत के साथ बार्सिलोना का सभी प्रतियोगिताओं में अजेय क्रम 19 मैचों तक पहुंच गया।कैम्प नोउ में खेले गए इस मुकाबले में फारवर्ड फेरान टोरेस ने 11वें मिनट में अलेजांद्रो बाल्डे के शानदार क्रॉस पर पहली ही कोशिश में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके दस मिनट बाद डानी ओल्मो ने पेनल्टी स्पॉट से गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। उन्हें गोलकीपर सर्जियो हेरेरा द्वारा गिराए जाने पर बार्सिलोना को पेनल्टी मिली थी। वहीं, रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने 77वें मिनट में करीब से हेडर के जरिए गोल कर टीम की जीत को

पक्की कर दिया।बार्सिलोना 28 मैचों में 63 अंकों के साथ शीर्ष पर है। मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड 60 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर, जबकि एटलेटिको मैड्रिड 56 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। अभी 10 मुकाबले बाकी हैं। मैच के बाद फेरान टोरेस ने कहा, अब से हर मैच हमारे लिए फाइनल जैसा है। हमने इस मुकाबले को जल्दी और मजबूती से अपने पक्ष में किया। तीन अंक मिले, यही सबसे अहम बात है।यह मुकाबला 8 मार्च को होना था, लेकिन क्लब के डॉक्टर कार्लेस मिनारो गार्सिया के निधन के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बार्सिलोना के मैनेजर हैंसी फ्लिक ने चोट और अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के कारण बदली हुई टीम उतारी, लेकिन इसके बावजूद टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और राफिन्हा जैसे प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद बार्सिलोना ने ओसासुना को पूरी तरह हावी होकर खेला और उसे एक भी शॉट ऑन टारगेट लगाने का मौका नहीं दिया।

आईपीएल 2025 : लखनऊ सुपर जाएंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 5 विकेट से हराया

एजेंसी

हैदराबाद। शार्दुल ठाकुर की धारदार गेंदबाजी और निकोलस पूरन-मिचेल मार्श की विस्फोटक पारियों की बदौलत लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में अपनी पहली जीत दर्ज की। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, हैदराबाद में खेले गए मुकाबले में लखनऊ ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 5 विकेट से शिकस्त दी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 190 रन बनाए। जवाब में लखनऊ ने सिर्फ 16.1 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ लखनऊ ने अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया, वहीं हैदराबाद की टीम शीर्ष से फिसलकर छठे स्थान पर पहुंच गई। हैदराबाद के लिए ट्रेविस हेड ने 30 गेंदों पर 47 रन की तेजतर्रार पारी खेली। उनके अलावा कप्तान एडन मार्करम ने 33 रन बनाए, लेकिन टीम नियमित अंतराल पर विकेट खोती रही। लखनऊ की ओर से शार्दुल ठाकुर ने किफायती गेंदबाजी करते हुए दो अहम विकेट चटकाए, जबकि आवेश खान, दिग्वेश, रवि बिश्नोई और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

मोइसेस हेनरिक्स ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लिया

एजेंसी

लंदन। न्यू साउथ वेल्स के कप्तान मोइसेस हेनरिक्स ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने 2024-25 सीजन के बीच में ही इस प्रारूप से खुद को अलग कर लिया था।38 वर्षीय हेनरिक्स, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए चार टेस्ट मैच खेले हैं, अब भी न्यू साउथ वेल्स के लिए वनडे कप में उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा, वह सिडनी सिक्सर्स के साथ अपने मौजूदा अनुबंध के तहत एक और सीजन खेलेंगे, जहां वे कप्तान भी हैं। हेनरिक्स ने नवंबर की शुरुआत के बाद से शेफील्ड शील्ड में न्यू साउथ वेल्स के लिए कोई मैच नहीं खेला। उनकी गैरमौजूदगी में जैक एडवर्ड्स ने टीम की कमान संभाली और न्यू साउथ वेल्स ने फाइनल में जगह बनाने की पूरी कोशिश की, हालांकि अंत में वे चौथे स्थान पर रहे।

शेफील्ड शील्ड क्रिकेट से संन्यास लेने का मन पहले ही बना लिया था

अपनी संन्यास की घोषणा करते हुए हेनरिक्स ने कहा, इस साल क्रिसमस से पहले ही मैंने तय कर लिया था कि अब मुझे शेफील्ड शील्ड क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए। इस राज्य का नेतृत्व करना और उसके लिए खेलना मेरे लिए सम्मान की बात थी, लेकिन न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलना सिर्फ शब्दों और तैयारी से नहीं होता, बल्कि प्रदर्शन से होता है। उन्होंने आगे कहा, मेरी फिटनेस अभी भी ठीक थी, लेकिन इस उम्र में अगर मैं अपने राज्य के लिए मैच नहीं जिता पा रहा, तो फिर मैं कैसे नेतृत्व कर सकता हूं? हमारे पास शानदार युवा खिलाड़ी हैं जो इस टीम को आगे लेकर जाएंगे और मैं उन्हें पूरा समर्थन दूंगा।

शानदार प्रथम श्रेणी करियर

अपने प्रथम श्रेणी करियर में हेनरिक्स ने 6830 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 34.84 का रहा और उन्होंने 13 शतक जड़े। गेंदबाजी में भी उन्होंने 30.75 की औसत से 127 विकेट हासिल किए। करियर के शुरुआती दौर में उन्हें ऑस्ट्रेलिया का भविष्य माना जा रहा था। 2013 में चेन्नई में भारत के खिलाफ अपने टेस्ट डेब्यू पर उन्होंने 68 और नाबाद 81 रन बनाए थे। हालांकि, इसके बाद के तीन टेस्ट मैचों में वे दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाए।

जैक एडवर्ड्स में है मजबूत नेतृत्व क्षमता

हेनरिक्स ने न्यू साउथ वेल्स टीम की कमान जैक एडवर्ड्स को सौंपते हुए कहा, जैक एडवर्ड्स ने टीम की कमान संभाली है और उन्होंने इतनी कम उम्र में ही बेहतरीन नेतृत्व क्षमता दिखाई है। उन्होंने क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स का भी आभार जताते हुए कहा, मैं 17 साल की उम्र से इस संगठन का हिस्सा रहा हूं और इसने हर कदम पर मेरा समर्थन किया। 21 साल बाद भी, मैं छोटे प्रारूपों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा और इस खेल को वापस कुछ देने की इच्छा रखता हूं।

कोच ग्रेग शिपर्ड ने हेनरिक्स की सराहना की

न्यू साउथ वेल्स के कोच ग्रेग शिपर्ड ने हेनरिक्स के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, मोइसेस ने न्यू साउथ वेल्स के लिए मैदान पर जो कुछ किया है, वह तो सभी जानते हैं, लेकिन उनका योगदान मैदान के बाहर भी अविश्वसनीय रहा है। वे एक शानदार पेशेवर और लीडर हैं, और न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट को उनके योगदान से बहुत लाभ मिला है। शिपर्ड ने आगे कहा, वनडे कप और बिग बैश लीग में हमने देखा कि उनके पास अभी भी देने के लिए बहुत कुछ है और मैं उनके साथ आगे भी काम करने के लिए उत्साहित हूं।

ओपन स्टेट आमत्रंण पुरुष खो-खो प्रतियोगिता की विजेता बनी श्रावस्ती की टीम

मुरादाबाद। खेल निदेशालय उप्र लखनऊ के तत्वावधान में ओपन स्टेट आमत्रंण पुरुष खो-खो प्रतियोगिता का फाइनल मैच गुरुवार को नेताजी सुभाषचन्द्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम मुरादाबाद में श्रावस्ती और अमरोहा जनपद की टीम के बीच हुआ। जिसमें श्रावस्ती की टीम ने 11-09 के स्कोर एवं एक पारी के अन्तर से अमरोहा को पराजित किया एवं प्रतियोगिता की विजेता बनी। प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि अपर आयुक्त प्रशासन सर्वेश गुप्ता रहे। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी जितेन्द्र यादव एवं उप्र ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ अजय पाठक ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अनाहत सिंह और अभय सिंह ने जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन के फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मुंबई। भारत की नंबर 1 महिला स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह और अभय सिंह ने जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। बॉम्बे जिमखाना के लॉन में स्थित आउटडोर ग्लास कोर्ट पर खेले गए इन मुकाबलों ने दर्शकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान किया। यह भारत का पहला पीएसए स्क्वैश कॉपर टूर्नामेंट है। पहले सेमीफाइनल में भारत की नई स्क्वैश सनसनी अनाहत सिंह का सामना अनुभवी जोशना चिनप्पा से हुआ। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहां अनाहत ने जबरदस्त शुरुआत करते हुए पहला सेट आसानी से जीत लिया। हालांकि, 38 वर्षीय जोशना ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए दूसरा सेट जीतकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद अनाहत ने शानदार वापसी की और कोर्ट पर बेहतरीन एंगल्स का इस्तेमाल करते हुए अगले दो सेट जीतकर 32 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। अनाहत ने 3-1 (11-7, 5-11,

11-6, 11-6) से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई।दूसरे सेमीफाइनल, जो पुरुष वर्ग का पहला मुकाबला था, में भारत के अभय सिंह का सामना मिस्र के करीम अल हम्मामी से हुआ। अभय ने जबरदस्त शुरुआत करते हुए पहले दो सेट आसानी से जीत लिए। हालांकि, करीम ने तीसरा सेट जीतकर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। लेकिन इसके बाद अभय ने चौथा सेट पूरी तरह से अपने नियंत्रण में रखते हुए 55 मिनट में मुकाबला 3-1 (11-4, 11-6, 6-11, 11-6) से जीत लिया। जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन का प्रसारण स्क्वैश टीवी और मायको पर किया जा रहा है। क्वार्टर फाइनल के बाद से फैनकोड भी स्ट्रीमिंग पार्टनर के रूप में जुड़ा है।

खेलो इंडिया पैरा गेम्सः हरियाणा ने फिर जीता टीम चैम्पियनशिप का खिताब, तमिलनाडु दूसरे और उत्तर प्रदेश तीसरे स्थान पर

एजेंसी

नई दिल्ली। आठ दिनों तक चले रोमांचक मुकाबलों के बाद खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 का समापन हुआ, जिसमें हरियाणा ने एक बार फिर 34 स्वर्ण पदकों के साथ टीम चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया। तमिलनाडु ने 28 स्वर्ण पदकों के साथ दूसरा और उत्तर प्रदेश ने 23 स्वर्ण पदकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। राजधानी दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम, इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम और कर्णी सिंह शूटिंग रेंज पर आयोजित इन खेलों में लगभग 1300 पैरा एथलीटों ने छह खेलों में हिस्सा लिया। खेलों के दौरान 18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड बने, जिसमें पंजाब की जसप्रीत कौर, हरियाणा के मनीष कुमार, पंजाब की सीमा रानी और बिहार के झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में स्वर्ण पदक जीते।ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में 14 खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़े, जिनमें महाराष्ट्र के दिलीप महाडू गवित, तमिलनाडु की खुशबू गिल, हरियाणा की लक्ष्मी, उत्तर प्रदेश की फातिमा खातून सहित कई महिला एथलीट शामिल रहीं। इस बार कुल 596 पदक वितरित हुए, जिसमें पुरुष खिलाड़ियों ने 346 और महिला खिलाड़ियों ने 250 पदक जीते। हरियाणा ने कुल 104 पदक (34 स्वर्ण, 39 रजत, 31 कांस्य) जीतकर एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखा। वहीं, तमिलनाडु ने 74 और उत्तर प्रदेश ने 64 पदकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया। गुजरात ने अंतिम दिन टेबल टेनिस में बाजी मारी, जहां 50 वर्षीय येजदी अस्पी भमगारा और 29 वर्षीय भाविका कुकरडिया ने सेरेब्रल पाल्सी जैसी चुनौतियों को पार करते हुए स्वर्ण पदक जीते। टीम हरियाणा के प्रमुख गिरीराज सिंह ने कहा, खेलो इंडिया पैरा गेम्स जैसे आयोजन से हमारे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम बनेंगे।

राष्ट्रीय महिला हॉकी लीगः बंगाल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और झारखंड की जीत

रांची। मारांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम (रांची) में आयोजित राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-25 के अंतिम चरण के सातवें दिन का रोमांचक समापन हुआ। पूल-ए के अपने आखिरी लीग मुकाबलों में हॉकी बंगाल, हॉकी मध्यप्रदेश, हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी झारखंड ने शानदार जीत दर्ज की। दिन के पहले मुकाबले में हॉकी बंगाल ने मणिपुर हॉकी को 2-1 से हराया। मणिपुर के लिए कंगजम सिल्विया चानू ने 26वें मिनट में गोल किया, लेकिन बंगाल ने आखिरी क्वार्टर में बुलबुल कुमारी शॉ (53') और सिबिया नाग (59') के दम पर जीत हासिल की। दूसरे मुकाबले में हॉकी मध्यप्रदेश ने हॉकी हरियाणा को 2-1 से पराजित किया। मध्यप्रदेश की ओर से स्नेहा पटेल (13') और खुशी कटारिया (36') ने गोल किए, जबकि हरियाणा की कप्तान पूजा मलिक (24') ने एकमात्र गोल दागा। तीसरे मैच में हॉकी महाराष्ट्र ने हॉकी मिजोरम को 2-1 से मात दी। सकिा चंद्रकांत माने (25') और तनुश्री दिनेश कडू (27') ने पहले हाफ में गोल कर महाराष्ट्र को बढ़त दिलाई, जबकि मिजोरम की वानलालरिनहुई (54') केवल एक गोल कर सकीं। दिन के अंतिम मुकाबले में हॉकी झारखंड ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा को 2-0 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

हिना खान

शिवांगी जोशी

प्रणाली या समृद्धि? कौन है 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस

स्टार प्लस का सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' भारतीय टेलीविजन के इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाले शो में से एक है. लगभग 16 सालों से चल रहा ये शो चार पीढ़ियों का साक्षी रहा है. आज भी इस शो को दर्शकों का खूब प्यार मिलता है. आज हम बात करेंगे शो की चार लीड एक्ट्रेस के बारे में, जिन्होंने अपने अभिनय और लोकप्रियता की बदौलत 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में काम करने के लिए तगड़ी फीस वसूली.

सबसे पहले शो में हिना खान ने 'अक्षरा' की भूमिका निभाई थी, जिनके फैंस कायल हो गए थे. हिना लगभग 8 साल तक इस शो के साथ थीं. इस शो से उन्होंने एक अलग ही पहचान और मुकाम हासिल किया. हिना के बाद शिवांगी जोशी ने नायरा (अक्षरा की बेटी) का किरदार अदा किया. शो के दर्शक और एक्ट्रेस के फैंस आज भी उनकी और कार्तिक (मौसीन खान) की जोड़ी को याद करते हैं. शिवांगी के बाद बारी आई प्रणाली राठौड़ की. उन्होंने इस सीरियल में अक्षरा (नायरा की बेटी) की भूमिका निभाई और

दर्शकों से अपने किरदार के लिए काफी प्यार बटोरा. अब शो की लीड एक्ट्रेस हैं समृद्धि शुक्ला, जो अभिरा (अक्षरा की बेटी) के रोल में नज़र आ रहीं हैं.

हिना खान से शुरू हुआ था शो का सफर

अगर इनकी फीस की बात करें तो एक रिपोर्ट के मुताबिक जब हिना खान और करण मेहरा ने साथ काम किया था, तब हिना बेहद कम रकम चार्ज करती थीं. लेकिन जब उन्होंने इस शो को छोड़ा अब तक उनकी फीस 1.5 लाख पर डे हो गई थी. चूंकि हिना सबसे लंबे समय तक इस शो के साथ थीं. इसलिए उनकी फीस सबसे ज्यादा रही है. जब शिवांगी को हिना की जगह कास्ट किया गया, तब शिवांगी प्रतिदिन का 80,000 चार्ज करती थीं. वहीं, प्रणाली राठौड़ ने पर-डे 50-60 हजार चार्ज किए हैं. अब सूत्रों की मानें तो समृद्धि को अपने किरदार के लिए पर-डे 40,000 मिल रहे हैं. हालांकि, इन आंकड़ों की एक्टर्स की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है.

शो ने जीते कई अवॉर्ड

राजन शाही के प्रोडक्शन में बना ये शो सबसे ज्यादा ऊंचाई पर तब पहुंचा, जब हिना और करण की जोड़ी अक्षरा और नैतिक के रूप में टेलीविजन पर जादू बिखेर रही थी. इस ऑनस्क्रीन कपल ने टीवी इंडस्ट्री के कई सुपरहिट और बेस्ट जोड़ी के अवॉर्ड जीते हैं. ये रिश्ता की सफलता के बाद राजन शाही ने रुपाली गांगुली के साथ स्टार प्लस के लिए 'अनुपमा' बनाने का फैसला लिया.

इफ्तार पार्टी में हाथ जोड़कर की प्रार्थना, 'अनुपमा' फेम रुपाली गांगुली का वीडियो जीत रहा फैंस का दिल

'अनुपमा' का नाम छोटे पर्दे के बड़े टीवी शोज में शामिल है. इस शो के जरिए रुपाली गांगुली ने घर-घर में खूब पहचान बनाई है. वो आए दिन अपने इस शो की वजह से सुर्खियों का हिस्सा रहती हैं. अब उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसको लेकर वो चर्चा में आ गई हैं. वीडियो देखकर लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं.

अभी रमजान का महीना चल रहा है. इस पाक महीने में आम लोग तो रोजा रखते ही हैं और इफ्तार की दावत देते ही हैं, उसके साथ ही टीवी से लेकर बॉलीवुड तक भी कई लोग इफ्टार पार्टी का आयोजन करते हैं. हाल ही रुपाली गांगुली भी एक इफ्टार पार्टी में शामिल हुई.

रुपाली गांगुली का जो वीडियो सामने आया है वो इफ्तार पार्टी का ही है. वीडियो में उनके साथ और भी कई लोग नजर आ रहे हैं. इफ्तार से पहले दुआ हो रही है. इस दौरान अनुपमा हाथ जोड़ते हुए प्रार्थना करती दिख रही हैं. अब इस वीडियो पर लोगों के ढेरों रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं.

रुपाली गांगुली के वीडियो पर लोगों के रिएक्शन

एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, आपका जिस चीज पर भरोसा है और आप जो फॉलो करती हैं उसका पालन करने अच्छा तरीका है.एक दूसरे यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, हिन्दू मुस्लिम भाई भाई एक और दूसरे यूजर ने लिखा, सुब्हान-अल्लाह. एक ने कमेंट किया, इतना सुंदर नजारा. तो वहीं एक और ने लिखा, माशा अल्लाह बहुत खूब रुपाली गांगुली टीवी की दुनिया का बड़ा नाम हैं. उनके लाखों चाहने वाले है. 'अनुपमा' में वो लीड रोल प्ले करती हैं और उन्हें लोग काफी पसंद करते हैं. अक्सर ही ये शो टीआरपी की लिस्ट में भी नंबर वन पर रहता है. रुपाली गांगुली का ये शो साल 2020 में शुरू हुआ था और देखते देखते ही शो के साथ-साथ रुपाली ने भी लोगों के दिलों में खास जगह बना ली. वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं. इंस्टाग्राम पर उन्हें 30 लाख से ज्यादा फॉलो करते हैं.

हां चक्कर चल रहा है.. प्रियंका चोपड़ा की बहन मन्नारा को डेट कर रहे हैं एल्विश यादव?

कलर्स टीवी का मजेदार कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ सीजन 2' ऑडियंस का फेवरेट रियलिटी शो बन गया है और शो की लगातार बढ़ती टीआरपी रेटिंग इस बात का प्रमाण है. बिग बॉस ओटीटी 2 विनर एल्विश यादव ने भी इस शो के जरिए छोटे पर्दे पर अपना डेब्यू किया है. इस शो में एल्विश के साथ मन्नारा चोपड़ा की केमिस्ट्री भी फैंस को बेहद पसंद आ रही हैं. दोनों की ये केमिस्ट्री देखकर कुछ मीडिया पोर्टल ने ये दावा किया था कि प्रियंका चोपड़ा की छोटी बहन मन्नारा चोपड़ा और एल्विश यादव एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. हालांकि अब इस पूरे मामले पर एल्विश यादव ने बात की है.एल्विश ने मन्नारा चोपड़ा के साथ उनके लिंक अप की खबर पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा है कि हां, ये बात बिलकुल सही है कि मेरा मन्नारा चोपड़ा के साथ चक्कर चल रहा है.

मन्नारा की वजह से ही मेरी 'लाफ्टर शेफ' जैसे शो में एंट्री हुई है. वो ही यहां के क्लब्स में भी मेरी एंट्री करवा देती है. दरअसल इस वीडियो में एल्विश मजाक कर रहे हैं. लेकिन उनके कुछ फैंस ने इस मजाक को सीरियसली ले लिया है. यही वजह है कि इस वीडियो के कमेंट सेक्शन में एल्विश के फैंस उनकी इस

'लवस्टोरी' को लेकर उन्हें सलाह दे रहे हैं. उनकी तरफ से एल्विश को ये नसीहत दी जा रही है कि वो मन्नारा से दूर रहें.

पहले से ही रिलेशनशिप में हैं एल्विश ?

दरअसल बिग बॉस ओटीटी 2 के घर में एल्विश यादव ने मनीषा रानी और अभिषेक मल्हान के सामने ये कहा था कि वो किसी लड़की को डेट कर रहे हैं. हालांकि वो किसे डेट कर रहे हैं इस बात को लेकर एल्विश की तरफ से कोई खुलासा नहीं किया गया था. कई बार पूछे जाने पर भी एल्विश की तरफ से सिर्फ यही कहा गया था कि उनकी गर्लफ्रेंड सोशल मीडिया पर नहीं है. इससे पहले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कीर्ति मेहरा के साथ एल्विश यादव लंबे समय तक रिलेशनशिप में थे. दोनों के कई वीडियो आज भी उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर मौजूद हैं. लेकिन किसी कारण दोनों अलग हो गए. लेकिन दोनों के फैन क्लब्स आज भी उन्हें एक साथ देखना चाहते हैं. कई बार एल्विश और कीर्ति की तरफ से उनके फैंस से ये अपील जी जाती है कि वो उन दोनों को लेकर कोई पोस्ट न करें और उन्हें किसी पोस्ट में एक साथ टैग न करें.

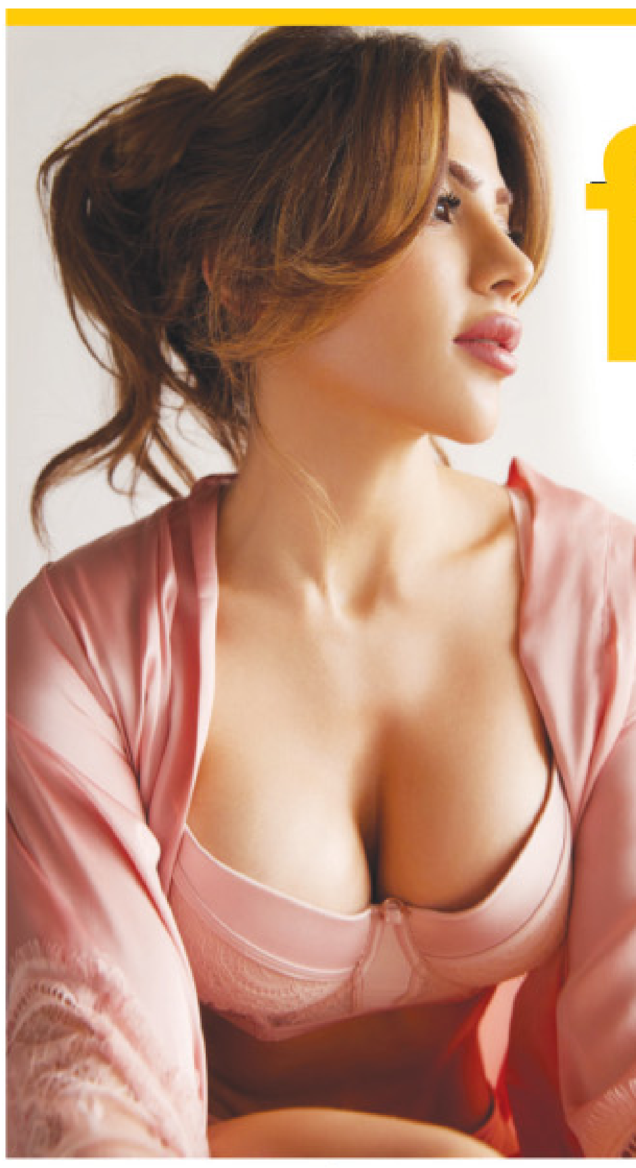

क्या अनुपमा के 'अनुज' गौरव खन्ना की वजह से निक्की तंबोली ने छोड़ दिया शो? ये है सच्चाई

'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के सीजन 1 ने शुरुआती दिनों से ही अपने नए कॉन्सेप्ट से दर्शकों का दिल जीत लिया है. सोनी टीवी का ये कुकिंग रियलिटी शो अब अपने अंतिम चरण की और बढ़ रहा है. अनुपमा के 'अनुज' गौरव खन्ना और कलर्स टीवी की 'नागिन' तेजस्वी प्रकाश 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के ग्रैंड फिनाले की रेस में सबसे आगे हैं. इस शो के शुरुआत से ही निक्की तंबोली और गौरव खन्ना के बीच बिल्कुल भी नहीं बनती थी. लेकिन शो के लेटेस्ट एपिसोड में निक्की तंबोली और गौरव खन्ना के बीच की बहस इतनी बढ़ गई कि निक्की शो की शूटिंग बीच में छोड़कर चली गई.जब भी 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में निक्की तंबोली और गौरव खन्ना, दोनों को साथ में काम करने का मौका दिया जाता है, तब उनके बीच की अनबन दर्शकों को साफ दिखाई देती है. इस शो के हालिया एपिसोड में कंटेस्टेंट्स को 20 मिनट में दिल्ली की चाट बनाने का टास्क दिया गया था. इस टास्क में गौरव और अर्चना गौतम ने बेहतरीन चाट बनाई और इस चाट को टेस्ट करने वालीं शो की होस्ट फराह खान और जजेस कुणाल कपूर और रणवीर बरार ने इन दोनों की खूब सराहना की.

निक्की को मिला सबसे कम समय

इस राउंड के बाद गौरव और अर्चना को जजों की तरफ से एक एडवांटेज दिए गया. उन्हें अपने शो के बाकी कंटेस्टेंट के लिए अगले टास्क के लिए टाइम लिमिट चुनने का मौका दिया गया. इसमें गौरव और अर्चना ने सभी के लिए 120 मिनट चुने. लेकिन तेजस्वी और उषा नाडकर्णी को उन्होंने 100 मिनट दिए, तो निक्की तंबोली और राजीव अदातिया को गौरव-अर्चना की तरफ से महज 90 मिनट का टाइम दिया गया.

गुस्सा हो गईं निक्की तंबोली

गौरव खन्ना के इस फैसले से निक्की गुस्सा हो गईं और उन्होंने कहा कि ये बात सिर्फ टास्क या इम्युनिटी पिन की नहीं है. मुझे ऐसा लगता है कि अब गौरव को मान लेना चाहिए कि वो एक इनसिक्योर लड़का है, वो एक आदमी भी नहीं है.' इसपर गौरव ने मुस्कुराते हुए पूछा कि एक आदमी भी नहीं? इसने चेक किया है?'गौरव के इस सवाल पर पलटवार करते हुए निक्की ने कहा कि मुझे नहीं लगता किसी में हिम्मत है कि वो एक इनसिक्योर आदमी के मुंह पर उसको कह सके. इतना ही नहीं दोनों के बीच की बहस इतनी बढ़ गई कि निक्की ने कहा कि गौरव को उससे माफी मांगनी चाहिए. इतना ही नहीं अपने आत्मसम्मान के लिए उन्होंने एपिसोड की शूटिंग भी बीच में छोड़ दी. हालांकिनिक्की ने शो पूरी तरह से क्विट नहीं किया है. वो सिर्फ बीच शूटिंग से बाहर चली गई थीं.